राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 11
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 27 जुलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 केजरीवाल सरकार दिल्ली में तैयार करवा रही है 3237 बेड्स की क्षमता वाले 4 नए अस्पताल
पेज 5 यूपी पुलिस के रिटायर्ड डीएसपी ने 60 की उम्र में नीदरलैंड में जीता गोल्ड
पेज 7 फ्रांस में मंकीपॉक्स का विस्फोट, 1700 केस मिले; मंत्री बोले- गे हो रहे ज्यादा शिकार

गुजरात में जहरीली शराब से अब तक 29 की मौत

शराब की जगह लोगों को मेथेनॉल पिला दिया; मुख्य आरोपी समेत 14 अरेस्ट

विपक्ष का सवाल- जहरीली शराब कैसे मिली?

कांग्रेस नेता शक्ति सिंह गोहिल ने सरकार पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि शराबबंदी वाले गुजरात में जहरीली शराब कैसे मिली? उन्होंने कहा- सरकार ने डीएसपी को जांच की जिम्मेदारी दी है, लेकिन पुलिस की भूमिका खुद संदिग्ध है, ऐसे में सही जांच कैसे हो पाएगी।

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के बोटाद जिले में जहरीली शराब पीने से अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 30 की हालत गंभीर है। सोमवार को इस मामले में 10 लोगों की मौत हुई थी। वहीं 19 लोगों की आज इलाज के दौरान मौत हो गई। इस केस में मुख्य आरोपी समेत 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच एसआईटी ने शुरू कर दी है।

शुरुआती जांच में पता चला है कि सोमवार को बरवाला के रोजिद गांव में एक शराब भट्टी पर 8 गांव के लोग शराब पीने आए थे। शराब की जगह वहां लोगों को मेथेनॉल केमिकल दिया गया था। यह मेथेनॉल अहमदाबाद से लाया गया था।

अंतिम संस्कार के लिए श्मशान भी नसीब नहीं

जहरीली शराब पीकर मरने वालों के शवों को श्मशान घाट ले जाने की बजाय खुले में जमीन पर ही अंतिम संस्कार कर दिया गया। सबसे ज्यादा रोजिंद गांव में 9 लोगों के शव का अंतिम संस्कार किया गया है। जहरीली शराब से रोजिंद के अलावा रेस, चौकड़ी, धंधुका, नभोई, रणपरी, पोलरपुर और चौरागा में मातम है।

मंत्री बोले- दोषी पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे

जिले के प्रभारी मंत्री वीनू मरोदिया ने कहा कि ये घटना दुखद और शर्मनाक है। हम इसकी जांच करेंगे कि शराबबंदी के बावजूद राज्य में शराब कैसे और कौन बेच रहा है? दोषी पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई करेंगे।

गुजरात में 62 साल से लागू है शराबबंदी

गुजरात में 1960 से ही शराबबंदी लागू है। 2017 में गुजरात सरकार ने शराबबंदी से जुड़े कानून को और सख्त कर दिया था। इसके तहत अगर कोई गैरकानूनी तरीके से शराब की बिक्री करता है, तो उसे 10 साल कैद और 5 लाख रुपए जुर्माने की सजा हो सकती है।

नड्डा ने किया करगिल शहीदों को नमन

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने मंगलवार को पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में भारतीय सेना के शौर्य, साहस, पराक्रम व राष्ट्र के प्रति समर्पण के प्रतीक करगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम में सेना के कई अधिकारी, वीर चक्र और वीरता पुरस्कार विजेता जवान एवं उनके परिजन उपस्थित थे। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कारगिल विजय के अनुभव भी साझा किये। कार्यक्रम करगिल विजय के संबंध में एक वृत्तचित्र भी दिखाई गया। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद अरुण सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मेजर जनरल (रिटायर्ड) एम. श्रीवास्तव ने किया। ज्ञात हो कि भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में हर वर्ष 26 जुलाई को सेना के अभूतपूर्व शौर्य को सलाम करते हुए उनकी शहादत के सम्मान में 'कारगिल विजय दिवस समारोह आयोजित किया जाता है और जवानों की वीरगाथा का स्मरण करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी जाती है। नड्डा ने पार्टी कार्यालय में उपस्थित गणमान्य अतिथियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन हम सभी देशवासियों के लिए अत्यंत ही गर्व का विषय है।

कारगिल विजय दिवस

अंडमान और निकोबार कमांड, पोर्ट ब्लेयर में कारगिल विजय दिवस मनाया गया।

आत्मनिर्भरता के साथ सीमा पर बढ़ेगी ताकत, 29 हजार करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तरफ महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए भारत ने सशस्त्र ड्रोन स्वार, कार्बाइन और बुलेट-प्रूफ जैकेट सहित 28,732 करोड़ रुपये की रक्षा खरीद को मंजूरी दे दी है। इसे देश में डिजाइन और विकसित किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को मामले की जानकारी दी। क्लोज-क्वार्टर कार्बाइन LAC सहित भारत की सीमाओं पर तैनात अग्रिम पंक्ति के सैनिकों के लिए होगी।

रक्षा मंत्रालय ने उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर सैन्य बलों की युद्धक

क्षमता को मजबूत करने के लिए मंगलवार को 28,000 करोड़ रुपये के स्वार्म ड्रोन, क्लोज क्वार्टर कार्बाइन समेत अन्य सैन्य उपकरणों और हथियारों की खरीद को मंजूरी दे दी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने इन प्रस्तावों को मंजूरी दी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, सशस्त्र बलों के 28,732 करोड़ रुपये के पूंजीगत खरीद प्रस्तावों के लिए स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) को डीएसी ने मंजूरी दे दी है।

पूर्वी लद्दाख में भारत की चीन के साथ लगी सीमा पर दो साल से अधिक समय से जारी गतिरोध के बीच नए खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। मंत्रालय ने कहा कि पारंपरिक और हाइब्रिड युद्ध के मौजूदा जटिल प्रतिमान का मुकाबला करने के लिए चार लाख क्लोज क्वार्टर बैटल कार्बाइन खरीदने की स्वीकृति दी गई है।

ईडी ने सोनिया गांधी को आज फिर बुलाया, मंगलवार को हुई छह घंटे पूछताछ

नयी दिल्ली। मनी लॉड्रिंग के मामलों की जांच करने वाली केंद्रीय एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से नेशनल हेराल्ड मामले में दूसरे दिन दो सत्रों में करीब छह घंटे तक पूछताछ की।

एजेंसी ने उनसे बुधवार को भी पूछताछ करेगी। श्रीमती गांधी मंगलवार को पूर्वाह्न 11 बजे ईडी मुख्यालय पहुंची थी, उनके साथ उस समय पुत्र एवं सांसद राहुल गांधी और पुत्री प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं। श्री गांधी उन्हें छोड़कर तुरंत वापस हो गये थे। पहले सत्र में श्रीमती गांधी ढाई घंटे से अधिक समय तक ईडी कार्यालय में रहीं और वहां से अपराह्न दो बजे भोजन के लिए अपने आवास के लिए

निकली। दोबारा वह साढ़े तीन बजे ईडी कार्यालय पहुंची।

सूत्रों के अनुसार ईडी ने कांग्रेस अध्यक्ष को एजेंसी में पूछताछ के लिए कल फिर बुलाया है।

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध के बीच श्रीमती गांधी सुबह एजेंसी के समन पर बयान देने के लिए एजेंसी कार्यालय पहुंची थी। इससे पहले ईडी ने श्रीमती गांधी से 21 जुलाई को लगभग साढ़े तीन घंटे तक पूछ-ताछ की थी। ईडी ने भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर की गई 2013 की याचिका पर एक निचली अदालत के आदेश के आधार पर इस मामले की जांच शुरू की है। अदालत ने आयकर विभाग को नेशनल हेराल्ड अखबार के मामलों की जांच करने और श्रीमती गांधी और श्री गांधी का कर निर्धारण करने की अनुमति दी थी।

स्वामी ने अखबार हासिल करने के लिए गांधी परिवार पर धोखाधड़ी और धन की हेराफेरी का आरोप लगाया था। इस मामले में एजेंसी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य श्री गांधी से पहले ही लम्बी पूछताछ कर चुकी है।

एमपी समेत 5 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

बिहार में बिजली गिरने से 11 लोगों की जान गई, आंध्रप्रदेश में बाढ़ में बहने से 7 की मौत

नई दिल्ली। देश के ज्यादातर राज्यों में बारिश हो रही है। कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 24 घंटों में गोवा, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, राजस्थान और गुजरात के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं, केरल, कर्नाटक, दिल्ली और हरियाणा में भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। बिहार में पिछले 24 घंटों में बिजली गिरने से 11 लोगों की मौत गई। उधर, आंध्रप्रदेश में गोदावरी नदी में आई बाढ़ से अब तक 7 लोगों की जान जा चुकी है। मानसून आने के बाद से अब तक गुजरात में 100 और महाराष्ट्र में भी 110 से अधिक लोगों की मौत हुई। वहीं, असम में इस साल

बाढ़ और भूस्खलन के कारण 197 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं।

मध्यप्रदेश : भोपाल में सोमवार को 3 इंच बारिश, 529 करोड़ का ब्रिज टूटा

पिछले 24 घंटों में राजधानी भोपाल में सबसे ज्यादा बारिश साढ़े तीन इंच रिकॉर्ड की गई है। इसके अलावा, राज्य के तीन जिलों गुना, सागर, बैतूल में 1 इंच से ज्यादा पानी गिरा। बाकी जिलों में 1 इंच या फिर इससे कम बारिश हुई है। मौसम विभाग ने राज्य के 20 जिलों में अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, विदिशा, राजगढ़, नीमच, टीकमगढ़, सतना, रीवा, पन्ना, सीधी, बैतूल, छिंदवाड़ा, भोपाल, सिवनी, मंदसौर, नर्मदापुरम, सागर, सीहोर और हरदा शामिल हैं।

बिहार : 24 घंटे में बिजली गिरने से कुल 11 लोगों की मौत

राज्य में 11 जगहों पर 60 मिमी तक बारिश दर्ज की गई। इस दौरान 10 से 14 किमी की रफ्तार से हवाएं चलने से तापमान में गिरावट आई। पटना में 48 घंटे से बादल छाए हुए हैं। इससे दो दिनों में महज दो बार हल्की बारिश हुई। 27 जुलाई तक यही स्थिति रहने का अनुमान है। पिछले 24 घंटे में बिजली गिरने से कुल 11 लोगों की मौत हो गई है। भोजपुर और कैमूर जिले में 3-3 लोगों की जान गई। वहीं, जहानाबाद में 2 और पटना, रोहतास और औरंगाबाद में भी बिजली की चपेट में आने से एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, ट्रफ रेखा राजस्थान से सटे पाकिस्तान से होते हुए जैसलमेर, गुना, कोटा, आंबेडकरपुर, जमशेदपुर से बंगाल की खाड़ी की तरफ जा रही है। इसके साथ ही चक्रवाती हवा मध्यप्रदेश से होते झारखंड जा रही है। इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के 19 जिलों में मध्यम बारिश के आसार हैं। वहीं दक्षिण के पटना, गया, नालंदा, नवादा सहित 19 जिलों में हल्की बारिश होगी। इस दौरान तेज हवा के साथ वज्रपात होगा।

अमरनाथ में फिर भारी बारिश : 4 हजार श्रद्धालुओं को निकाला

यात्रा भी रोकी गई; 8 जुलाई को बाढ़ से 15 श्रद्धालु मारे गए थे

अमरनाथ में पवित्र गुफा के आसपास पहाड़ों पर मंगलवार को भारी बारिश हुई। इससे दोपहर करीब 3 बजे अमरनाथ गुफा के पास बने तालाबों और झरनों में बाढ़ आ गई। 8 जुलाई को भारी बारिश से आई बाढ़ जैसे हालात इस बार न बनें, इसलिए चार हजार से ज्यादा तीर्थयात्रियों को तुरंत बाहर निकाला गया। सभी को पंचतरणी भेजा गया है।

भगवती नगर बेस कैम्प से मंगलवार

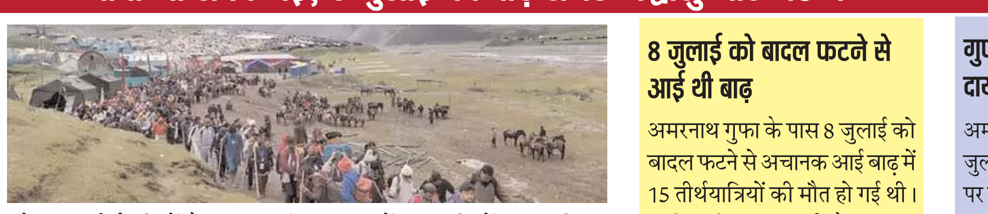

को 2100 तीर्थयात्रियों के साथ 26वां जत्था पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ था।

इस साल किसी भी जत्थे में यह सबसे कम यात्री संख्या थी। CRPF की सुरक्षा में 73 गाड़ियों का काफिला रवाना हुआ था। इनमें 23 गाड़ियों में 815 तीर्थयात्री बालटाल के लिए और 49 गाड़ियों में 1 हजार 374 तीर्थयात्री पहलगाम के लिए निकले थे।

8 जुलाई को बादल फटने से आई थी बाढ़

अमरनाथ गुफा के पास 8 जुलाई को बादल फटने से अचानक आई बाढ़ में 15 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई थी। आधिकारिक जानकारी के अनुसार 29 जून से अब तक 1 लाख 37 हजार 774 तीर्थयात्री भगवती नगर बेस कैम्प से पवित्र गुफा के दर्शन के लिए भेजे जा चुके हैं।

गुफा के एक-दो किमी के दायरे में फटा था बादल

अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार 8 जुलाई को शाम 5 बजकर 30 मिनट पर बादल फटा था। जिस समय बादल फटा, उस समय गुफा के पास 10 से 15 हजार श्रद्धालु मौजूद थे। पहाड़ों से तेज बहाव के साथ आए पानी से श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए करीब 25 टेंट और दो से तीन लंगर बह गए थे।

सरकार की कोई भी तानाशाही हमें झुका नहीं सकेगी : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार विपक्ष को डराने, झुकाने और दबाने का पिछले आठ साल से लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन उसकी हर कोशिश विफल हो रही है और कांग्रेस संगठन अपने नेतृत्व के साथ एकजुट होकर मोदी सरकार की हर कार्रवाई का लोकतांत्रिक तरीके से जवाब देगा। कांग्रेस महासचिव अजय माकन ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हालात यह हैं कि कांग्रेस मुख्यालय के बाहर पुलिस का कड़ा पहरा है और पार्टी नेताओं को तक अंदर नहीं आने दिया जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) में फिर पूछताछ के लिए बुलाया है, लेकिन सरकार बहुत डरी हुई और घबराई है इसलिए कांग्रेस मुख्यालय 24 अकबर रोड़ के बाहर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को डराने के लिए और पार्टी नेतृत्व को झुकाने के लिए पिछले आठ साल से मोदी सरकार ने एड़ी चोटी का जोर लगा रखा है, लेकिन कांग्रेस रूकने वाली नहीं है और उसकी इस दमनकारी नीति के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ता, विधायक, सांसद और नेता सभी राज्यों की राजधानियों में श्रीमती गांधी के साथ आज एकजुटता व्यक्त करते हुए देशभर में सामूहिक सत्याग्रह करेंगे।

सरकार बुनियादी मुद्दों से ध्यान हटाने के लिये देश को सम्प्रदायिकता की आग में झोंकने और प्रतिपक्ष को झूठे आरोपों में फ़साने के लिए ईडी जैसे संस्थाओं का दुरुपयोग कर रही है।

कोविंद ने संविधान के आदर्शों को बरकरार रखा: पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को लिखे पत्र में उनकी तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने भारत के राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सिद्धांतों, ईमानदारी, कामकाज, संवेदनशीलता और सेवा के उच्चतम मानकों को स्थापित किया।प्रधानमंत्री ने श्री कोविंद को रविवार को लिखे अपने पत्र में कहा, आपने भारत के संविधान के आदर्शों तथा उसके लोकतंत्र के मर्म को सही फैसलों, उत्कृष्ट गरिमा और आसाधारण शालीनता के जरिए बरकरार रखा और हमेशा गणतंत्र के सर्वोत्तम हितों के

लिए काम किया। मोदी ने कहा, महामारी के अभूतपूर्व तनाव और अशांति और संघर्ष में फंसी दुनिया के समय में देश के प्रथम नागरिक के रूप में, शांति, एकता और आश्वासन के स्त्रोत थे, और विदेशों में भारत के मूल्यों और हितों के प्रेरक अधिवक्ता थे।उन्होंने कहा कि वह हमेशा सबसे कमजोर नागरिक के कल्याण के लिए अपनी दया और चिंता के प्रति अटल रहे। उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचने पर भी आप दृढ़ता और गर्व के साथ जमीन से और लोगों के साथ जुड़े रहे, उनके साथ खुशी, उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील, उनकी अपेक्षाओं के प्रति संवेदनशील, और आवश्यक परिवर्तन को लेकर पूरी तरह से जागरूक रहे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्री कोविंद ने राष्ट्रपति पद के दौरान अपने कई कार्यों, हस्तक्षेपों और भाषणों के जरिए भारत का प्रतिनिधित्व किया और हमारे देश तथा दुनिया के सभी कोनों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधित्व किया।

कोविड -19 — 12 राज्यों में संक्रमण दर 10 प्रतिशत से ज्यादा, WHO ने कहा- 5 प्रतिशत से ज्यादा दर चिंता की बात

डरा रहा कोरोना, 14 दिन में पॉजिटिविटी रेट दोगुना

नई दिल्ली। देश में कोरोना अब डरा रहा है। पिछले 14 दिन में पॉजिटिविटी रेट लगभग दोगुना से ज्यादा बढ़ गया है। सिर्फ 168 दिन बाद पॉजिटिविटी रेट 7 प्रतिशत के पार हो चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। WHO के मुताबिक, 5 प्रतिशत से ज्यादा पॉजिटिविटी रेट चिंता की बात है। बीते 24 घंटे में देश में 14,830 नए केस आए। 18,159 मरीज ठीक हुए, जबकि 36 संक्रमितों की मौत हो गई। एक्टिव केस 1,47,512 हैं।

देश में कुल 7.37 करोड़ लोगों को बूस्टर डोज लग चुकी है। 13 जुलाई को सरकार ने 18+ वालों को मुफ्त में

बूस्टर लगाने की घोषणा की थी। इसके बाद महज 13 दिनों में (13 से 25 जुलाई के बीच) 2 करोड़ लोग प्रिकॉशन डोज लगवा चुके हैं। 1 से 12 जुलाई के बीच 53 लाख लोगों ने ही बूस्टर डोज लगवाई थी यानी रफ्तार 4 गुना तक बढ़ गई है।

फिर भी हम अभी पीछे हैं, क्योंकि 69 करोड़ लोगों को दूसरी डोज लगवाए हुए 6 महीने हो चुके हैं, लेकिन इनमें से करीब 90 प्रतिशत ने अब तक बूस्टर नहीं लगवाई। सबसे ज्यादा 2.45 करोड़ बूस्टर डोज 60 से ऊपर वालों को लगी हैं।

24 जुलाई के आंकड़ें देखें तो 12 राज्यों में संक्रमण दर 10त्न जबकि मेघालय, मिजोरम और नागालैंड में संक्रमण दर तो 20 प्रतिशत के भी ऊपर पहुंच गई है। वहीं, 12 अन्य राज्यों में राहत की बात है, यहां संक्रमण दर 5 प्रतिशत से कम है। 11 जुलाई को पॉजिटिविटी रेट 3.2 प्रतिशत था।

सिर्फ 2 डोज 6 महीने में बेअसर, बूस्टर से 52 प्रतिशत सुरक्षा

वैक्सीन की दोनों डोज लगवाने से मिली इम्युनिटी 4-6 महीने में कम होने लगती है। यानी दोबारा संक्रमण से सुरक्षा लगभग खत्म हो जाती है। इसलिए बूस्टर लगवाना जरूरी है। कतर के स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से हुई रिसर्च कहती है कि तीसरा डोज यानी बूस्टर लगवाने से संक्रमण का खतरा 52 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डॉ. राम एस. उपाध्याय ने भास्कर से बातचीत में बताया कि बूस्टर डोज इम्युनिटी को कई गुना बढ़ा देती है और दोबारा संक्रमण का खतरा कम हो जाता है। पुराने संक्रमण से आई इम्युनिटी 14 महीने तक सुरक्षित रखती है।

शार्ट न्यूज

कम पढ़े लिखे से शादी करने पर भड़का पिता, बेटी और दामाद का कत्ल कर किया सरेंडर

नई दिल्ली। एक नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने के बजाय पिता ने अपनी बेटी और दामाद को खौफनाक मौत दे दी। इसके बाद उसने पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपना जुर्म कबूला और सरेंडर किया। उसकी बातें सुनकर पुलिस अधिकारियों के भी होश उड़ गए। बताया जा रहा है दामाद के कम पढ़ा-लिखा होने से वह नाराज था। यह सनसनीखेज घटना तमिलनाडु के एक शहर तूतीकोरिन से बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जोड़े के विवाह के बाद, महिला के परिवार ने एक गुमशुदगी दर्ज कराई थी। जिसके बाद जोड़े ने मदुरै में पुलिस के सामने पेश होकर दावा किया कि वे दोनों वयस्क हैं और उन्होंने अपनी मर्जी से शादी कर ली है। तूतीकोरिन के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी बालाजी सरवनन ने बताया, दंपति ने पुलिस स्टेशन से बाकायदा वीडियो कॉल पर महिला के माता-पिता से भी बात की लेकिन, महिला के पिता को यह बात नागवार गुजरी और वह मन में योजना बनाने लगा। गांव के बुजुर्गों ने भी काफी समझाया और कहा था उन्हें परेशान न करें। पुलिस अधिकारी के अनुसार, दंपति को उनके किराए के घर में हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद महिला के पिता ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर अपना जुर्म कबूल किया और आत्मसमर्पण कर दिया। युगल एक ही अनुसूचित जाति के थे। महिला कॉलेज की छात्रा है और उसके पति ने स्कूल के बाद पढ़ाई नहीं की और यही महिला के परिवार के लिए एक बड़ा मुद्दा था।

अमरनाथ गुफा के पास बारिश से आयी बाढ़, यात्रा स्थगित होने के बाद पुनः शुरू

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर में पवित्र अमरनाथ गुफा मंदिर पास मंगलवार को भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ जाने के कारण यात्रा कुछ समय के लिए अस्थायी रूप से स्थगित कर दिये जाने के बाद पुन: शुरू हो गयी। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि गुफा के चारों ओर ऊंचे पहाड़ों में तेज बारिश के कारण दोपहर करीब तीन बजे जलाशय और आसपास के झरनों में अचानक बाढ़ आ गयी। तत्काल अलर्ट जारी किया गया और 4,000 से अधिक तीर्थयात्रियों को क्षेत्र से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। उन्होंने बताया कि बाद में मौसम में सुधार होने के बाद तीर्थयात्रा पुन: शुरू हो गयी है। गुफा मंदिर में आज सुबह 11 बजे तक एक हजार 297 तीर्थ यात्रियों ने पूजा-अर्चना की। गत 30 जून को तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से अब तक दो लाख 72 हजार 081 तीर्थयात्री पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं।

मेघालय पुलिस ने जारी किया भाजपा नेता के खिलाफ लुकआउट नोटिस

शिलांग। मेघालय पुलिस ने पश्चिम गारो हिल्स जिले में अपने फार्महाउस से वेश्यावृत्ति रैकेट चलाने के आरोप में फरार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपाध्यक्ष बर्नार्ड एन. मारक के खिलाफ मंगलवार को लुकआउट नोटिस जारी किया। गारो हिल्स स्वायत्त जिला परिषद के एक मौजूदा सदस्य मारक अनैतिक तस्करी (रोकथाम) अधिनियम, 1956 के तहत दर्ज एक मामले में वांछित हैं। लुक-आउट नोटिस मेघालय के सभी थानों, पुलिस चौकियों के साथ-साथ देश के अन्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी राज्य पुलिस बलों में प्रसारित किया जा रहा है। वेस्ट गारो हिल्स के जिला पुलिस प्रमुख विवेकानंद सिंह राठौर द्वारा जारी लुकआउट नोटिस तुरा की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मोनिका के लिंगदोह की अदालत द्वारा मामले के हित और जांच के हित में मारक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के एक दिन बाद आया है। मारक 22 जुलाई से गिरफ्तारी से बच रहे हैं, जब पुलिस ने वेस्ट गारो हिल्स के जिला मुख्यालय तुरा के बाहरी इलाके एडेनबारी में उनके फार्महाउस पर छापा मारा। अदालत में एक नाबालिग द्वारा दिए गए बयान के आधार पर कि उसे और उसके दोस्त को रिंपू बागान स्थित फार्महाउस ले जाया गया था और वहां उनका यौन शोषण किया गया।

उत्तराखंड में स्टोन क्रेशर के निर्माण पर लगी रोक

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कार्बेट पार्क से सटे रामनगर के उदयपुरी में मानकों के विपरीत लगाये जा रहे रिद्धि-सिद्धि स्टोन क्रेशर के निर्माण पर रोक लगा दी। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की पीठ ने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सचिव औद्योगिक विकास बोर्ड के अलावा स्टोन क्रेशर स्वामी को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब देने को कहा है। याचिकाकर्ता अजीत सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार की ओर से रामनगर के उदयपुरी में स्टोन क्रेशर लगाने की अनुमति दी गयी है। जिस क्षेत्र में स्टोन क्रेशर स्थापित करने की अनुमति दी गयी है वह रिहायशी इलाका है तथा इसके निर्माण में औद्योगिक विकास बोर्ड के तय मानकों का उल्लंघन किया जा रहा है। इससे इस क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ने की संभावना है और लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ने की आशंका है।

ईडी ने सीएसआई बिशप को हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया

तिरुवनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को चर्च ऑफ साउथ इंडिया (सीएसआई) के बिशप धर्मराज रसालम को यहां अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मनी लॉड्रिंग के आरोप में हिरासत में ले लिया। वह चर्च के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्रिटेन जाने वाले थे। सोमवार को केरल में सीएसआई चर्च के कई स्थानों पर ईडी की छापेमारी के बाद सीएसआई दक्षिण भारत बिशप को बुधवार को पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था। ईडी ने चर्च संचालित संस्थानों द्वारा कथित मनी लॉड्रिंग से जुड़े मामलों के सिलसिले में सोमवार को सीएसआई दक्षिण केरल सूबा के मुख्यालय पर छापा मारा था। काराकोणम स्थित डॉ. सोमरवेल मेमोरियल सीएसआई मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए कैपिटेशन फीस स्वीकार करने के संबंध में कई परिसरों में छापेमारी की गई। छात्रों से वसूल की गई कैपिटेशन फीस बिना किसी रसीद या बिल के अलग खातों में जमा कर दी गई। ईडी ने चर्च सचिव टीटी प्रवीण और मेडिकल कॉलेज के निदेशक डॉ बेनेट अब्राहम के आवास पर एक साथ छापेमारी की।

साठ लाख की स्मैक के साथ उप्र के दो तस्कर गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के लालकुआं में पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) की टीम ने 60 लाख रूपये की स्मैक के साथ उत्तरप्रदेश के दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पंकज भट्ट ने मंगलवार को हल्द्वानी में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि एसओजी प्रभारी नंदन सिंह रावत की अगुवाई में सोमवार की रात लालकुआं में पुराना बैरियर के पास तस्करों के खिलाफ अभियान छेड़ा गया था।इसी दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध स्कूटी पर सवार दो लोगों को रोका और उनकी जांच की। जांच में उनके पास से कुल 607 ग्राम स्मैक बरामद हुई। कुमाऊं मंडल में स्मैक की तस्करी की यह अभी तक की सबसे बड़ी खेप मानी जा रही है। बरामद स्मैक की कीमत 60 लाख रूपये आंकी गयी है। पुलिस ने दोनों तस्करों साजिद और दिलाशाद को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि वह बरेली में अपने घर में ही स्मैक तैयार करते हैं और कुमाऊं में बेच देते हैं। बरामद स्मैक को हल्द्वानी बेचने के लिये ले जा रहे थे। मुनाफे को आपस में बांट लेते हैं। पुलिस आरोपियों के सम्पर्कों की तलाश करने में जुट गयी है।

कारगिल विजय दिवस : पुड्डुचेरी की राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

पुड्डुचेरी। केन्द्र शासित प्रदेश पुड्डुचेरी की उपराज्यपाल डॉ तमिलिसाई सौंदरराजन और मुख्यमंत्री एन रंगासामी सहित कई अन्य नेताओं ने कारगिल विजय दिवस की 23 वीं वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को यहां गौबर्ट एवेन्यू पर युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। विधानसभा अध्यक्ष आर सेल्वम, मुख्यमंत्री के कैबिनेट सहयोगियों, मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक , वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सैन्य और पूर्व सैनिकों ने इस अवसर पर युद्ध स्मारक पर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संसद में हंगामे पर नपे विपक्ष के 19 सांसद

राज्यसभा से एक सप्ताह के लिए निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिड़ला द्वारा कांग्रेस के चार सांसदों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को विपक्ष के 19 सांसदों को राज्यसभा से निलंबित कर दिया गया है। महंगाई को लेकर सरकार के खिलाफ विपक्ष के विरोध के बीच अब संसद के दोनों सदनों में मॉनसून सत्र की कार्यवाही के दौरान 23 सांसदों के शामिल होने पर रोक लगा दी गई है।

मंगलवार को उच्च सदन में कार्यवाही की शुरुआत के साथ ही विपक्षी सांसदों ने महंगाई को लेकर अपना विरोध दर्ज करना शुरू किया। सदन के अंदर नारेबाजी करते हुए विपक्षी सांसद वेल के काफी पास आ गए थे। सभापति की ओर से विपक्षी सांसदों को अपनी सीट पर बैठने का बार-बार आग्रह किया गया। जानकारी के अनुसार, बात न मानने पर सभापति ने विपक्ष के सांसदों के खिलाफ ऐक्शन लिया और एक सप्ताह के लिए सदन की कार्यवाही से उन्हें निलंबित कर दिया। जिन सांसदों को निलंबित किया गया है उनमें तृणमूल सांसद सुष्मिता देव, मौसम नूर, डॉ शांतनु सेन, डोला सेन, शांतनु सेन, नदीमल हक, अभि रंजन विश्वास और शांता छेत्री तृणमूल कांग्रेस के सांसद हैं जिन्हें निलंबित कर दिया गया है।

माकपा के ए.ए. रहीम, लेफ्ट के मोहम्मद अब्दुल्ला और द्रमुक की कनिमोझी भी शामिल हैं।

लोकसभा में चार कांग्रेसी सांसदों पर ऐक्शन

बता दें कि एक दिन पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम प्रकाश बिड़ला ने भी निचले सदन की कार्यवाही के दौरान अभद्र व्यवहार के आरोप में कांग्रेस के चार सांसदों के खिलाफ ऐक्शन लिया था। दो दिनों में सदन की कार्यवाही से विपक्ष के 23 सांसदों को निलंबित किया जा चुका है।

टाइगर डिवीजन ने मनाया 'कारगिल विजय दिवस'

जम्मू। कारगिल युद्ध के दौरान सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान की याद में टाइगर डिवीजन ने मंगलवार को यहां 'टाइगर वॉर मेमोरियल' और बलिदान स्तंभ में 'कारगिल विजय दिवस' समारोह का आयोजन किया।

टाइगर डिवीजन के जीओसी मेजर जनरल नीरज गोसाईं, डिप्टी जीओसी ब्रिगेडियर गौतम सेगन और टाइगर डिवीजन के सभी स्तरों के अधिकारियों एवं जवानों ने 'टाइगर वॉर मेमोरियल' पर पुष्पांजलि समारोह में बहादुरों को श्रद्धांजलि दी।

बहादुर मेजर मोहित शर्मा की पत्नी लेफ्टिनेंट कर्नल रिशमा सरीन ने भी शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

ब्रिगेडियर मनप्रवेश हेर, कमांडर शिवालिक ब्रिगेड और सभी स्तरों के जवानों ने जम्मू के बालिदान स्तंभ पर एक गंभीर पुष्पांजलि समारोह में बहादुरों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर कारगिल युद्ध के नायकों को याद करने के लिए बड़ी संख्या में जम्मू के दिग्गज और नागरिक भी मौजूद थे।

वीर सैनिकों के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए जम्मू के प्रमुख नागरिकों द्वारा 10 किमी की दूरी के लिए एक मिनी मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया गया।

दौड़ का समापन बालिदान स्तंभ पर हुआ, जिसमें धावकों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराया और सैनिकों के लिए नारे लगाए।

हिमलिंग के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का नया जत्था अमरनाथ रवाना

श्रीनगर। केन्द्र शासित जम्मू-कश्मीर में पहलगाम और बालटाल मार्गों से मंगलवार को पांच हजार 500 से अधिक तीर्थयात्रियों का नया जत्था पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गुफा मंदिर में सुबह 11 बजे तक एक हजार 297 तीर्थ यात्रियों ने पूजा-अर्चना की। तीस जून को तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से अब तक दो लाख 72 हजार 081 तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किये हैं।

शुष्क और साफ मौसम के बीच मंगलवार को श्रद्धालुओं के नए जत्थों को दक्षिण कश्मीर में पारंपरिक नुनवान पहलगाम आधार शिविर और गांदरबल जिले के दुमैल के रास्ते सबसे छोटे मार्ग बालटाल से आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। इनमे 682 महिलाओं, 40 साधुओं और 10 बच्चों सहित कुल दो हजार 143 तीर्थयात्री दिन में बालटाल से डोमेल होते हुए रवाना हुए। इसी तरह आज 11 बजे तक 557 तीर्थयात्रियों को भी बालटाल से पूजा करने के लिए हेलीकॉप्टर से पहुंचाया गया।

तीन हजार से अधिक तीर्थयात्रियों को पहलगाम में पारंपरिक नुनवान आधार शिविर से और दक्षिण कश्मीर में चंदनवारी और पंचतरणी के पड़ाव बिंदुओं पर जाने की अनुमति दी गई थी। एक स्वतंत्र मौसम वेधशाला ने भविष्यवाणी की है कि पवित्र गुफा के पहलगाम और सोनमर्ग मार्गों पर दोपहर और शाम के बीच बारिश हो सकती है।

निर्दलीय विधायक उमेश शर्मा के मामले में आया मोड़, नयी पीठ करेगी सुनवाई

नैनीताल। उत्तराखंड में हरिद्वार के खानपुर के निर्दलीय विधायक उमेश शर्मा के मामले में मंगलवार को नया मोड़ आ गया जब उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका पर सुनवाई से इंकार करने के साथ मामले को अन्य पीठ को रेफर कर दिया। न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा की पीठ ने श्री शर्मा की चुनाव याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए मामले को अन्य पीठ को रेफर कर दिया है। लक्सर निवासी वीरेन्द्र कुमार ने श्री शर्मा के निर्वाचन को एक चुनाव याचिका के माध्यम से चुनौती दी है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि श्री शर्मा की ओर से नामांकन पत्र में तथ्यों को छिपाया गया है और संगीन अभियोगों का उल्लेख नहीं किया गया ह वहीं 29 अभियोगों में से मात्र 16 का उल्लेख किया गया है ,जो कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन है।

सोनिया गांधी से पूछताछ के विरोध में उतरे राहुल समेत कई कांग्रेस सांसद हिरासत में

नई दिल्ली। कांग्रेस की अध्यक्ष सोनिया गांधी से नेशनल हेराल्ड केस में ईडी पूछताछ कर रही है। आज ईडी से उनकी पूछताछ का दूसरा राउंड चल रहा है और इस बीच कांग्रेस ने सड़कों पर जोरदार प्रदर्शन किया है। कांग्रेस के सांसदों के साथ खुद राहुल गांधी ने संसद भवन में लगी गांधी प्रतिमा से विजय चौक मार्च का ऐलान किया और विजय चौक पर धरना देने बैठ गए। वहीं दिल्ली पुलिस भी ऐक्टिव हो गई और सड़कों से जाम हटाने के लिए कांग्रेस के सांसदों को हिरासत में लेकर पुलिस थाने ले गई। इसके अलावा राहुल गांधी को भी विजय चौक से जबरन उठाकर ले जाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस दौरान राहुल गांधी कह रहे थे कि यदि उन्होंने कुछ गलत किया है तो फिर मेरे खिलाफ केस दर्ज किया जाए। राहुल गांधी के अलावा पुलिस ने सांसद

रंजीत रंजन, केसी वेणुगोपाल, मणिक्कम टैगोर, इमरान प्रतापगढ़ी और के. सुरेश को हिरासत में लिया है। सोनिया गांधी से पूछताछ के खिलाफ कांग्रेस दिल्ली में प्रदर्शन कर रही है। इसके अलावा राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत कई अन्य राज्यों में भी कांग्रेस सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को राजघाट पर प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी और इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है। कांग्रेस सांसदों का कहना है कि प्रदर्शन तक की अनुमति न देना हमारे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है।

राहुल बोले- संसद में बोलने नहीं दे रहे और सड़क पर गिरफ्तारी

हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस के सांसद यहां महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर बात करने के लिए जुटे हैं। पुलिस हमें यहां बैठने नहीं दे रही है। संसद में बात नहीं करने दी जा रही है और यहां हमें गिरफ्तार किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस राहुल गांधी को हिरासत में लेकर संसद मार्ग थाने पहुंची है।

शिवरात्रि पर शिवालयों में किया गया जलाभिषेक, कांवड़ यात्रा हुई संपन्न

हरिद्वार। उत्तराखंड में हरिद्वार के हर शिवालय मंगलवार को बम बम भोले, जय भोलेनाथ, जय शिवशंकर जैसे नारों से गूँज रहा है, लेकिन शिव शंकर की ससुराल दक्षेश्वर महादेव का नजारा देखने वाला है।

शहर में आकर्षक ढंग से सजाएं गए भगवान शंकर की ससुराल दक्ष प्रजापति मंदिर में शिवरात्री पर देर रात्रि से ही भक्तों का सैलाव उमड़ने लगा था और यहाँ पर लम्बी लम्बी कतारें लग गयी थी। भोले का हर भक्त सबसे पहले भोले का जलाभिषेक कर भोले को खुश करने का प्रयास करने में लगा था और अपनी बारी का इंतज़ार कर रहा था। बड़े बुजुर्ग, महिला, बच्चे सभी शंकर को मनाने और राजी कर अपनी मनोकामनाए पूरी करने के लिए यहाँ पर पहुंचे हुए हैं। यही हाल हरिद्वार के हर महादेव मंदिर का है वहा पर भी शिवभक्तों की कतार टूटने का नाम नहीं ले रही है।

दक्ष मंदिर के मुख्य पुजारी स्वामी विशेश्वर पूरी महाराज का कहना है कि सावन मास में कोई भी भगवान का जलाभिषेक या पूजा करता है तो उसकी सभी मनोकामनायें पूरी हो जाती है। सावन में शिवरात्रि पर भोलेनाथ का अभिषेक करने का विशेष महत्व है और ऐसा करने वाले की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। ऐसी मान्यता है कि भगवान् शिव सावन में साक्षात् रूप में दक्ष प्रजापति महादेव मंदिर महाराज में विराजमान रहते है और वे लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण करने के लिए ही यहाँ रहते है और मात्र जल चढ़ाने से ही प्रसन्न हो जाते है । उनका कहना है कि दुनिया के सभी मंदिरों में भगवान शिव लिंग रूप में विराजते हैं और वहां लिंग रूप की पूजा होती है मगर यही एकमात्र मंदिर ऐसा है जहाँ भगवान राजा दक्ष के धड़ रूप में स्थापित है । भोले के भक्तों में भगवान शंकर का जलाभिषेक करने की इतनी ललक है कि वे सुबह से ही दक्षेश्वर महादेव पहुंच गए थे और वे सभी लाइन लगाकर अपनी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। भक्तों की माने तो सावन में भगवान शंकर कनखल में अपनी ससुराल में ही विराजते है और इस दौरान शिवरात्रि पर भगवान शंकर का जलाभिषेक करने वाले की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है ।

गुरु पूर्णिमा से शुरू हुई कांवड़ यात्रा भी आज शिवरात्रि पर भगवान् भोले के जलाभिषेक के साथ संपन्न हो गयी। देश भर से आये करोड़ों भोले के भक्त मनोकामना पूरी होने पर अगले वर्ष दोबारा जल चढ़ाने का संकल्प लेकर अपने-अपने घरों को लौट गए।

विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है मोदी सरकार : प्रतिभा

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिभा सिंह ने मंगलवार को नयी दिल्ली में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि केंद्र की मोदी सरकार देश में लोकतंत्र में विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है लेकिन उनकी पार्टी भाजपा की दमनकारी नीतियों का एकजुटता से मुकाबला करेगी। कांग्रेस सांसद ने केंद्र की मोदी सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर भाजपा राजनैतिक प्रतिशोध के चलते झूठा मामला बना कर उन्हें प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा कि आज देश के उस परिवार को एक साजिश के तहत बदनाम करने की कोशिश की जा रही है जिसने देश की एकता और अंखडता के लिये अपने परिवार का बलिदान दिया है।

केरल मेडिकल कॉलेज घोटाला

बिशप को ब्रिटेन जाने से रोका गया, ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया

तिरुवनंतपुरम। केरल के एक चर्च के बिशप को मंगलवार को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया। इसके पीछे की वजह केरल मेडिकल कॉलेज घोटाला बताया जा रहा है। दरअसल चर्च द्वारा संचालित एक मेडिकल कॉलेज में कथित अनियमितताओं की जांच चल रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुरोध के बाद इमिग्रेशन अधिकारियों ने बिशप ए धर्मराज रसालम को केरल की राजधानी में हवाई अड्डे पर रोक दिया। वे ब्रिटेन जा रहे थे। बता दें कि ईडी डॉ सोमरवेल मेमोरियल सीएसआई मेडिकल कॉलेज को चलाने में कथित वित्तीय गड़बड़ी की जांच कर रही है। अब इस मामले को काराकोणम मेडिकल कॉलेज घोटाला भी कहा जा रहा है। अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और इससे जुड़े अन्य सभी संस्थान चर्च ऑफ साउथ इंडिया या सीएसआई द्वारा चलाए जाते हैं। एयरपोर्ट पर रोके जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने रसालम से मुलाकात की और उन्हें कल पूछताछ के लिए आने के लिए कहा।

केंद्रीय जांच एजेंसी की एक टीम ने कल सीएसआई दक्षिण केरल डायोसिस मुख्यालय पर छापा मारा था। आरोप है कि चर्च संचालित अस्पताल में मेडिकल सीट का वादा कर छात्रों से कथित तौर पर भारी रकम वसूली गई थी। ईसाई शिक्षा बोर्ड के निदेशक फादर सीआर गॉडविन ने संवाददाताओं को बताया कि अपराध शाखा पहले ही मामले की जांच कर चुकी है।

चुनाव से पहले 'मुफ्तखोरी' पर सख्त सुप्रीम कोर्ट

केंद्र से कहा- रेवड़ी कल्चर पर काबू करो

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव से पहले मुफ्त योजनाओं का वादा यानी रेवड़ी कल्चर को सुप्रीम कोर्ट ने एक गंभीर मुद्दा बताया है। कोर्ट ने इसपर नियंत्रण करने के लिए केंद्र से कदम उठाने को कहा है। CJI एनवी रमना, जस्टिस कृष्ण मुरारी और हिमा कोहली की बेंच ने केंद्र से कहा है कि इस समस्या का हल निकालने के लिए वित्त आयोग की सलाह का भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल से भी इस मामले में राय मांगी। वह किसी और मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट में मौजूद थे। CJI ने कहा, मिस्टर सिब्बल यहां मौजूद हैं और वह एक वरिष्ठ संसद सदस्य भी हैं। आपका इस मामले में क्या विचार है? सिब्बल ने कहा, यह बहुत ही गंभीर मामला है लेकिन राजनीति से इसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है। जब वित्त आयोग राज्यों को फंड आवंटित करता है तो उसे राज्य पर कर्ज और मुफ्त योजनाओं पर विचार करना चाहिए।

सिब्बल ने कहा, वित्त आयोग ही इस समस्या से निपट सकता है। हम आयोग को इस मामले से निपटने के लिए कह सकते हैं। केंद्र से उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह इस मामले में कोई निर्देश देगा। इसके बाद बेंच ने अडिशनल सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज से कहा वह सिब्बल की सलाह पर आयोग के विचारों का पता करें। अब इस मामले में 3 अगस्त को सुनवाई होगी।

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की तरफ से पेश हुए वकील अमित शर्मा ने कहा कि पहले के फैसले में कहा गया था कि केंद्र सरकार इस मामले से निपटने के लिए कानून बनाए। वहीं नटराज ने कहा कि यह चुनाव आयोग पर निर्भर करता है। सीजेआई रमना ने नटराज से कहा, आप सीधा -सीधा यह क्यों नहीं कहते कि सरकार का इससे कोई लेना देना नहीं है और जो कुछ करना है चुनाव आयोग करे। मैं पूछता हूं कि केंद्र सरकार मुद्दे को गंभीर मानती है या नहीं? आप पहले कदम उठाइए उसके बाद हम फैसला करेंगे कि इस तरह के वादे आगे होंगे या नहीं। आखिर केंद्र कदम उठाने से परहेज क्यों कर रहा है।

मामले में याचिकाकर्ता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि यह गंभीर मुद्दा है और पोल पैनल को राज्यों और राष्ट्रीय स्तर की पार्टियों को मुफ्त के वादे करने से रोकना चाहिए। उपाध्याय ने कहा कि राज्यों पर लाखों करोड़ का कर्ज है। हम श्रीलंका के रास्ते पर जा रहे हैं। पहले भी कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग से इस याचिका पर प्रतिक्रिया मांगी थी। उपाध्याय ने अपनी याचिका में दावा किया है कि मतदाताओं को रिझाने और अपन मनसूबे कामयाब करने के लिए राजनीतिक दल मुफ्तखोरी का इस्तेमाल करते हैं। इससे फ्री और फेयर इलेक्शन की जड़ें हिल जाती हैं। इससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है।

भारत में बच्चे आकस्मिक भी पैदा होते हैं, बेहतर परवरिश का भी है अभाव: किरण बेदी

नयी दिल्ली। पुड्डुचेरी की पूर्व उप-राज्यपाल एवं पूर्व भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी किरण बेदी ने मंगलवार को कहा कि हमारे समाज में बड़ी संख्या में बच्चे 'अकस्माती' बड़े हो रहे हैं।

श्रीमती बेदी ने अजय कुमार और प्रवीण परमेश्वर की किताब माइंडफुल पेरेंटिंग के लॉन्च पर कहा लेखक ने पैरेंटिंग (परवरिश) को जो परिभाषा दी, वह मुझे पसंद आयी। यह बेहतरीन है। उन्होंने इसे निस्वार्थ प्रतिबद्ध कार्य बताया, लेकिन आज ऐसा नहीं है।

श्रीमती बेदी ने ज़ोर देते हुए कहा कि आज हमारे समाज में लोग आकस्मिक बच्चे पैदा कर रहे हैं, और कई बार ऐसा पुत्र की चाहत में होता है।

उन्होंने पुड्डुचेरी के उप-राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए कहा, पुड्डुचेरी के बड़ी संख्या में विद्यालयों में बच्चे सीखने नहीं आते हैं।

वह मुफ्त खाना, बैग, कपड़े और जूते लेने आते हैं। अपवाद हर जगह होते हैं, लेकिन मैं आपको वह बता सकती हूं जो मैंने ज्यादातर जगह देखा। ज्यादातर बच्चों के माता-पिता मज़दूर, कामगार, कुली आदि हैं।

उन्होंने कहा, जब हमने पुड्डुचेरी का सर्वेक्षण किया तो हमने पाया कि 75 प्रतिशत बच्चों के पिता रोज़ शराब पीते थे। पिता शराबी हैं, जिन्हें बच्चों की पढ़ाई में कोई दिलचस्पी नहीं है और बच्चों की मां मज़दूरी करती हैं जो किसी तरह सरकारी योजनाओं की मदद से घर चला रही हैं। उन बच्चों के भरण-पोषण का ध्यान रखा जा रहा है, लेकिन इसके बाद उनकी परवरिश के लिये कोई नहीं है।

बेदी ने कहा, मैंने एक विद्यालय के प्रधानाचार्य से पूछा कि क्या वहां माता-पिता और अध्यापकों के बीच बैठकें होती हैं, तो उन्होंने बताया कि यह बैठकें होती हैं लेकिन इनमें आता कोई नहीं है।

कारगिल के शहीदों को नमन किया नायडू ने

नयी दिल्ली। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कारगिल युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों को भावपूर्ण नमन किया है। नायडू ने मंगलवार को यहां एक ट्वीट में कहा कि देश की सुरक्षा में उनका पराक्रम हर देशवासी को गौरवान्वित करता है। कारगिल विजय देश की स्मृति में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। नायडू ने कहा, आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर, उन दुर्गम चोटियों पर मातृभूमि की रक्षा करने वाले वीर युवा योद्धाओं के शौर्य और उनके बलिदान का कृतज्ञतापूर्वक स्मरण करता हूं। उनके परिजनों के धैर्य को प्रणाम करता हूं।

समय आने पर हिसाब लेगी जनता : कमलनाथ

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज नयी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से प्रवर्तन निदेशालय की पूछताछ और पार्टी नेता राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने पर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मोदी सरकार तानाशाही पर उतर आई है और जनता समय आने पर हर चीज का हिसाब लेगी।

कमलनाथ ने ट्वीट करते हुए कहा कि मोदी सरकार तानाशाही पर उतर आई है। कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती गांधी को जिस तरह से झूठे मामले में ईडी में पेशी के लिए बुलाया जा रहा है और उसका लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने पर श्री राहुल गांधी को जिस तरह हिरासत में लिया गया है, उससे पता चलता है कि देश में लोकतंत्र खतरे में है।

उन्होंने केंद्र सरकार को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि खरीद-फरोख्त की राजनीति करके आप कुछ दिन के लिए सत्ता पर कब्जा कर सकते हैं और सत्ता के मद में आकर लोकतांत्रिक नेताओं पर अत्याचार कर सकते हैं, लेकिन समय बदलते देर नहीं लगती।

शार्ट न्यूज

हैप्पी इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं में शानदार परिणाम प्राप्त कर स्कूल का मान बढ़ाया

नई दिल्ली। एक बार फिर हैप्पी इंग्लिश स्कूल,शरद विहार के विद्यार्थियों ने कक्षा दसवीं की सी बी एस ई बोर्ड परीक्षा में शानदार परिणाम प्राप्त कर विद्यालय को गौरव की अनुभूति कराई है। अधिकांश विद्यार्थी 70 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण हुए हैं। कृष्णा जैन ने सभी विषयों में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है। द्वितीय स्थान पर खुशी रानी 93 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण हुई। तृतीय स्थान मिला है लक्ष्य पाल को 92.6 प्रतिशत अंकों के साथ। इनके अलावा अनेक बच्चों ने विभिन्न विषयों में उच्च अंक प्राप्त किए हैं जैसे दिशा पडालिया ने हिंदी में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए जो कि सर्वोच्च अंक रहे। माहिका जैन ने अंग्रेजी में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। यह बहुत गर्व की बात है कि कृष्णा जैन ने गणित और विज्ञान दोनों विषयों में 97 प्रतिशत सर्वोच्च अंक प्राप्त किए। साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी (Information technology) में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करके एक और ख्याति अर्जित की। सी बी एस ई कक्षा दसवीं में बोर्ड परीक्षा के नतीजे बहुत ही शानदार रहे। जो कि एक बार फिर विद्यालय को गौरवान्वित करते हैं। यह बच्चों के अनवरत कठिन परिश्रम का परिणाम हैं। साथ ही विद्यालय प्रशासन एवं अध्यापकों के सतत प्रयासों को भी दर्शाते हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता की उपस्थिति में पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यपाल डॉ गोविंद नारायण सिंह की मनाई गई जयंती

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता की उपस्थिति में बिहार के पूर्व राज्यपाल और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री डॉ गोविंद नारायण सिंह की 102वीं जयंती दिल्ली के कन्स्टिट्यूसन क्लब में मनाया गया। श्री गुप्ता ने इस मौके पर कहा कि जन संघ के सहयोग से पहली संविद सरकार बनायी थी जिसमें डॉक्टर गोविंद नारायण सिंह का बहुत बड़ा योगदान था। उनका के जीवन और व्यक्तित्व से नई पीढ़ी को शिक्षा लेने की जरूरत है। इस मौके पर दिल्ली के विभिन्न झुग्गी बस्तियों के प्रतिभाशाली बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित किये गए। आदेश गुप्ता ने कहा कि डॉक्टर गोविंद नारायण सिंह जब मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने जनसेवा औए गरिब कल्याण के लिए कई सारे काम किए और आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार लगातार गरीबों पिछड़े और समाज के अन्य वर्गों के लिए विभिन्न योजनाओं के द्वारा लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत भारतवर्ष में 9 करोड़ परिवारों को नि:शुल्क गैस कनेक्शन का लाभ मिल चुका है। इस कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री श्री नीरज तिवारी, सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ राजीव सूद, समाज सेवी श्रीमती रीवा सूद, श्री प्रदीप कथूरिया, विद्यार्थी परिषद के श्री प्रवीण कुमार गुंजन, पूर्व सैनिक श्री विजेन्द्र शेखावत, सहित अनेकों वक्ताओं ने भी अपने सम्बोधन में डॉ गोविंद नारायण सिंह के व्यक्तित्व के बारे में विस्तार से बातचीत की।

दिल्ली में मनी डॉ गोविंद नारायण सिंह की जयंती

नई दिल्ली/बिहार के पूर्व राज्यपाल और मध्यप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री डॉ गोविंद नारायण सिंह जी की 102 वीं जयंती दिल्ली के कन्स्टिट्यूसन क्लब में मनाया गया। भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि जन संघ के सहयोग से पहली संविद सरकार बनायी थी उन्होने श्री सिंह के जीवन और व्यक्तित्व से नई पीढ़ी को शिक्षा लेने की जरूरत है।कार्यक्रम में दिल्ली के विभिन्न झुग्गी बस्तियों के प्रतिभाशाली बच्चों को पाठ्य सामग्री वितरित किये।भाजपा नेता नीरज तिवारी ने कहा कि न्यास डॉ गोविंद नारायण सिंह के पदचिन्हों पर चलते हुए जरूरत मंद लोगों तक सेवा कार्य करेगा। इस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ राजीव सूद ,समाज सेवी रीवा सूद,प्रदीप कथूरिया,विद्यार्थी परिषद के प्रवीण कुमार गुंजन ,पूर्व सैनिक विजेंद्र शेखावत,सहित अनेकों वक्ताओं ने डॉ गोविंद नारायण सिंह जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

एचआईवी मरीजों का दिल्ली में प्रदर्शन, पांच महीने से आउट ऑफ स्टॉक हैं दवाएं

नई दिल्ली। एचआईवी मरीजों के एक समूह ने संक्रमण को बढ़ने से रोकने के लिए रिकमेंड (अनुशंसित) की गई महत्वपूर्ण एंटीरेट्रोवाइरल दवाओं की कमी के खिलाफ मंगलवार को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दिल्ली में स्थित राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन के कार्यालय में किया गया। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए एक एचआईवी मरीज ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को दवा की कमी के बारे में सूचित किया था, लेकिन उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। मरीज का कहना है कि पिछले पांच महीने से दवाएं स्टॉक से बाहर हैं और यह समस्या न केवल दिल्ली में बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी है। उन्होंने कहा, हम विरोध कर रहे हैं क्योंकि एचआईवी मरीजों के लिए आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं दिल्ली और पड़ोसी राज्यों में पिछले 5 महीने से उपलब्ध नहीं हैं। हमने राज्य के अधिकारियों को पत्र लिखा लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। मरीज ने यह भी बताया कि दवाएं कुछ समय से स्टॉक में नहीं हैं और यह कमी लगतार जारी है। दवाएं स्टॉक से बाहर हैं और ऐसी दवाओं की कमी है जो एचआईवी रोगियों के लिए बेहद जरूरी हैं। अगर हमें ये दवाएं नहीं मिलेंगी तो भारत कैसे एचआईवी मुक्त देश बनेगा। इसी बीच केंद्र सरकार की एजेंसी, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन ने एचआईवी मरीजों के विरोध के बाद चर्चा का दौर शुरू किया।

कांग्रेस का प्रदर्शन : दिल्ली पुलिस ने श्रीनिवास बीवी के खींचे बाल, वीडियो हुआ वायरल

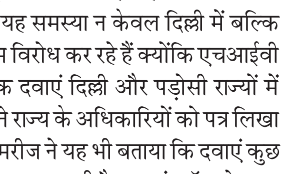

नई दिल्ली। कांग्रेस ने सोनिया गांधी से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की दूसरे दौर की पूछताछ के बीच मंगलवार को सरकार पर राजनीतिक द्वेष की भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता आज पूरे देश में सत्याग्रह कर रहे हैं। इसी बीच दिल्ली पुलिस के जवान भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के बाल खींचते और पार्टी के विरोध के दौरान उनके साथ मारपीट करते दिखे। सोनिया मंगलवार को दूसरे दौर की पूछताछ के लिए ईडी के समक्ष पेश हुईं। राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य सांसदों ने संसद भवन से मार्च निकाला तथा वे राष्ट्रपति भवन की तरफ बढ़ने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें विजय चौक पर रोक दिया। इसके बाद इन नेताओं ने वहां धरना दिया। कांग्रेस का कहना है कि राहुल को भी हिरासत में लिया गया है। हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल ने आरोप लगाया, मोदी जी राजा हैं और भारत में पुलिस राज है। ईडी ने इससे पहले नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े कथित धनशोधन मामले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस अध्यक्ष से दो घंटे तक पूछताछ की थी। कांग्रेस ने इसके विरोध में पूरे देश में शक्ति प्रदर्शन किया था। पार्टी के कई नेताओं ने गिरफ्तारियां दी थीं।

केजरीवाल सरकार ने बल्लीमारान में तैयार किया 4 मंजिला शानदार स्कूल

शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को किया उद्घाटन

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली में हर तबके को विश्वस्तरीय शिक्षा देने के के उद्देश्य के साथ केजरीवाल सरकार लगातार अपने स्कूलों को शानदार बनाती जा रही है। सरकार का विज़न दिल्ली के हर बच्चे को क्वालिटी एजुकेशन देकर सशक्त बनाना है। इस दिशा में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बल्लीमारान स्थित गवर्मेंट गर्ल्स सीनियर सेकंड्री स्कूल, चश्मा बिल्डिंग के नए भवन का उद्घाटन व स्कूल के दूसरे हिस्से में मल्टीपर्पस हॉल का शिलान्यास किया। इस मौके पर बल्लीमारान के विधायक व दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन, शिक्षा सचिव, अशोक कुमार, शिक्षा निदेशक हिमांशु गुप्ता सहित शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारी व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में हम पूरी दिल्ली में शानदार स्कूल बनवा रहे है और बल्लीमारान के इस स्कूल को भी शानदार बनाया है। उन्होंने कहा कि 4 साल पहले यहां स्कूल के नाम पर एक टूटी-फूटी जर्जर बिल्डिंग थी जिसे देखकर मैंने कसम खाई थी कि इस स्कूल बिल्डिंग को शानदार बनाऊंगा और मुझे खुशी है कि हमारी टीम ने दिन रात मेहनत की और हम बच्चों के लिए ये बेहतरीन स्कूल बना पाए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतरीन सरकारी स्कूल हमेशा से केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता रही हैं। सरकार के लगातार प्रयासों का ही नतीजा है कि आज यह बेहतरीन स्कूल बल्लीमारान और आसपास के क्षेत्र के बच्चों के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य होते है और हमें गर्व है कि केजरीवाल सरकार उन्हें स्कूल स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक सभी शैक्षिक सुविधाएं देकर उनका सपोर्ट करती है। उन्होंने कहा कि हर तबके को क्वालिटी एजुकेशन देने के इस काम में चाहे कितनी भी बाधाएं आ जाएं, केजरीवाल सरकार अत्याधुनिक सुविधाओं वाले स्कूलों को बनाना बंद नहीं करेगी।

दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री तथा बल्लीमारान के विधायक श्री इमरान हुसैन ने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा देना अरविंद केजरीवाल सरकार की प्राथमिकता है यहीं कारण है कि सरकार में आने के बाद से अरविंद केजरीवाल जी के नेतृत्व में शिक्षा को हर साल बजट का लगभग 25त्न हिस्सा दिया गया जो अपने आप में एक क्रांति है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के प्रति केजरीवाल सरकार की प्रतिबद्धता ही है कि आज पूरे विश्व में दिल्ली शिक्षा मॉडल की चर्चा हो रही है और देश विदेश से लोग दिल्ली के शिक्षा मॉडल से सीखने आ रहे है, दिल्ली सरकार के स्कूलों को देखने आ रहे है।

एम्स दिल्ली में 367 पद खाली, संसदीय समिति ने की 3 माह के भीतर भर्ती की सिफारिश

नई दिल्ली। संसद की एक समिति ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली में शिक्षक संकाय सदस्यों के 367 पद खाली होने का संज्ञान लेते हुए इन्हें तीन महीने के भीतर भरे जाने की सिफारिश की है। समिति ने सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में आरक्षण की वकालत भी की है। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के विकास में स्वायत्त इकाइयों और संस्थानों की भूमिका पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण संबंधी संसदीय समिति की 15वीं रिपोर्ट में विशेष रूप से एम्स पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भाजपा सांसद किरीट पी सोलंकी की अध्यक्षता वाली समिति की मंगलवार को लोकसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट में कहा गया है कि एम्स में कुल 1,111 संकाय पदों में से, 275 सहायक प्रोफेसर और 92 प्रोफेसर के पद रिक्त हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इसलिए, समिति की यह सुविचारित राय है कि सभी मौजूदा रिक्त संकाय पदों को अगले तीन महीनों के भीतर भरा जाए। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय संसद के दोनों सदनों में प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने की तारीख से 3 महीने के भीतर एक कार्य योजना प्रस्तुत करे। समिति ने कहा कि भविष्य में भी सभी मौजूदा रिक्त पदों को भरने के बाद अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित किसी भी संकाय पद को किसी भी परिस्थिति में छह महीने से अधिक समय तक खाली नहीं रखा जाए। समिति ने रिपोर्ट में कहा, सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में आरक्षण नहीं दिया जाता है जिसके परिणामस्वरूप अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को अभूतपूर्व और अनुचित रूप से वंचित रखा जाता है तथा सुपर-स्पेशियलिटी क्षेत्रों में अनारक्षित संकाय सदस्यों का एकाधिकार होता है। उसने कहा, आरक्षण नीति को छात्र और संकाय स्तर पर सभी सुपर-स्पेशियलिटी क्षेत्रों में सख्ती से लागू किया जाना चाहिए ताकि वहां भी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति संकाय सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित हो। समिति ने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के चिकित्सकों एवं छात्रों को विदेश में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु भेजने के लिए प्रभावी तंत्र स्थापित किया जाए ताकि सभी सुपर-स्पेशियलिटी क्षेत्रों में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व स्पष्ट रूप से देखा जा सके।

केजरीवाल सरकार दिल्ली में तैयार करवा रही है 3237 बेड्स की क्षमता वाले 4 नए अस्पताल

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री व पीडब्ल्यूडी मंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमिटी द्वारा स्वीकृत पीडब्ल्यूडी के अंतर्गत आने वाले नए अस्पतालों के निर्माण के विभिन्न प्रोजेक्ट्स के प्रगति की समीक्षा की। पीडब्ल्यूडी मंत्री ने सिरसपुर, ज्वालापुरी, मादीपुर, हस्तसाल (विकासपुरी) के साथ-साथ द्वारका सेक्टर-9 स्थित इंदिरा गाँधी अस्पताल व 6836 आईसीयू बेड्स की क्षमता के साथ बनाए जा रहे। नए सेमी-पर्मानेंट अस्पतालों के निर्माण कार्यों की प्रगति की जाँच की। केजरीवाल सरकार द्वारा ज्वालापुरी में 1164 बेड्स की क्षमता के साथ 11 मंजिला एक अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करवाया जा रहा है साथ ही इस बिल्डिंग में 2 मजिला बेसमेंट भी है। अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल का निर्माण कार्य लगभग आधा पूरा हो चुका है। कोरोना और पिछली सर्दियों में प्रदुषण की वजह से निर्माण कार्यों के रोके जाने के कारण योजना की गति थोड़ी धीमी हुई लेकिन 2024 के शुरूआती महीनों में ये अस्पताल बनकर तैयार हो जाएगा।

सरकार द्वारा ज्वालापुरी, मादीपुर व हस्तसाल(विकासपुरी) में प्रत्येक में 691 बेड्स की क्षमता वाले 10 मंजिला अस्पताल बना रही है। ज्वालापुरी व मादीपुर में बन रहे अस्पतालों का 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है व हस्तसाल में भी अस्पताल बनाने का काम तेजी से चल रहा है। इन तीनों अस्पतालों का निर्माण कार्य 2023 तक पूरा हो जाएगा, इन सभी अस्पतालों में भी 2 मंजिला बेसमेंट भी है।

1241 बेड्स की क्षमता वाले द्वारका सेक्टर-9 स्थित इंदिरा गाँधी अस्पताल का निर्माण कार्य लगभग हुआ पूरा

द्वारका सेक्टर 9 इंदिरा गाँधी अस्पताल में सरकार 1241 बेड्स की क्षमता के साथ 3 हॉस्पिटल ब्लॉक्स का निर्माण करवा रही है। यहां 9 मंजिला वार्ड ब्लाक, 6 मंजिला ओपीडी व 6 मंजिला इमरजेंसी ब्लाक का निर्माण किया जा रहा है, यहां तीनों ब्लाक में 2 मंजिला बेसमेंट भी है। उल्लेखनीय है कि इस अस्पताल का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है जो इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगा।

मुख्यमंत्री ने राज्य में नहरी प्रबंध की मज़बूती के लिए भारत सरकार से विशेष पैकेज मांगा

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के साथ मुलाकात कर दख़ल देने की मांग

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से राज्य में नहरी प्रबंध के नवीनीकरण के लिए विशेष फंड अलॉट करने के लिए दख़ल देने की माँग की।

केंद्रीय मंत्री शेखावत के साथ आज यहाँ उनके कार्यालय में मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने राज्य में मौजूदा नहरी प्रणाली को मज़बूत और मरम्मत करने के लिए विशेष पैकेज की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि आज़ादी से पहले बनी अपर बारी दोआब नहर (यू.बी.डी.सी.) का अब बहुत बुरा हाल है, जिस कारण किसानों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। भगवंत मान ने केंद्रीय मंत्री को अवगत करवाया कि आज़ादी के बाद बनी नहरों को भी मज़बूत करने

और उनका नवीनीकरण करने की ज़रूरत है, जिसके लिए केंद्र सरकार को राज्य को विशेष पैकेज देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह समय की ज़रूरत है क्योंकि राज्य के अनाज उत्पादकों, जिन्होंने देश को अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में अहम भूमिका निभाई है, को राज्य में ख़स्ता हाल नहरी व्यवस्था के कारण काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इस सम्बन्धी राज्य सरकार द्वारा पेश किए गए प्रस्तावों को मंज़ूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्री के हस्तक्षेप की माँग की। भगवंत मान ने कहा कि इससे नहरों के पानी की क्षमता को बढ़ाने में मदद मिलेगी और राज्य के किसानों को फ़ायदा होगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को यह भी बताया कि राज्य सरकार ने सतलुज नदी की सहायक नदी, बुड्ढ़े नाले की सफ़ाई का प्रोजैक्ट शुरू किया है, जो लुधियाना जिले से गुज़रने वाली नदी के लगभग बराबर चलता है और आखिर्कार नदी में मिल जाता है। उन्होंने बताया कि नाले की कुल लंबाई 47.55 किलोमीटर है, जिसमें से 14 किलोमीटर लुधियाना शहर से गुज़रता है और शहर को दो हिस्सों में बाँटता है।

ग्रेटर नोएडा : चार दिन से सीढ़ियों पर रहने को मजबूर बुजुर्ग दंपति

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एक बुजुर्ग दंपति चार रातों से अपने सामान के साथ घर के बाहर मौजूद सीढ़ियों पर रहने को मजबूर हैं। उनकी किराएदार ने घर खाली करने से मना कर दिया है जबकि रेंट एग्रीमेंट एक महीने पहले खत्म हो चुका है। 19 जुलाई को सुनील कुमार और राखी गुप्ता सेक्टर 16बी स्थित श्री राधा स्काई गार्डन सोसाइटी के अपने फ्लैट में रिटायरमेंट का जीवन बिताने की उम्मीद में मुंबई से पहुंचे।

61 साल के कुमार मार्च में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड से सेवानिवृत्त हुए है। नोएडा एक्सटेंशन पहुंचने पर उन्होंने दो दिन अपने रिश्तेदार के घर इस उम्मीद में बिताए कि उनकी 35 वर्षीय किराएदार महिला, फ्लैट खाली कर देगी। उन्होंने कहा, पिछले साल जुलाई में हमने फ्लैट किराए पर दिया था। तब हमने स्पष्ट कहा था कि उसे 11 महीने बाद इसे खाली करना होगा।

खत्म हो गया रेंट एग्रीमेंट

किराएदार अपने पति से अलग हो गई है और बेटे के साथ रहती है। कुमार ने उसे 19 अप्रैल को एक टेक्स्ट मैसेज भेजा, जिसमें याद दिलाया गया था कि रेंट एग्रीमेंट 10 जून को खत्म हो जाएगा। महिला ने जवाब में ओके कहा था। रिटायर अधिकारी ने कहा, 20 जून के बाद, उसने हमारे कॉल या मैसेज का जवाब देना बंद कर दिया। कुछ दिनों बाद, उसने लिखा कि उसका बच्चा बीमार था।

राखी की बहन ममता वार्ष्णेय 22 जून को फ्लैट पर गई थीं। वार्ष्णेय ने कहा, %उसके साथ एक और महिला थी। जब मैंने उससे पूछा कि वह कब तक फ्लैट खाली करने वाली हैं, तो उसने मेरा अपमान किया और मुझे चले जाने को कहा। बुजुर्ग दंपति भी 15वीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में गए, लेकिन किराएदार ने घर खाली करने से मना कर दिया।

जब जिक्र वीरों का होता है, तो ज़ुबां पर नाम कारगिल के असंख्य शहीदों का होता है : लिटिल फ्लॉवर स्कूल

विवेक राय/गौरवशाली भारत

पूर्वी दिल्ली। लिटिल फ्लॉवर्स ग्रुप ऑफ़ स्कूल्स ने भारत की युद्ध जीत को याद करने और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए साहस और बलिदान के प्रतीक कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए 26 जुलाई को स्कूल परिसर में 'कारगिल विजय दिवस' मनाया। छात्रों ने देशभक्ति के गीत गाकर पूरे वातावरण को देशभक्ति से भर दिया। घटना के आधार पर एक ज्ञानवर्धक और उत्साहवर्धक पीपीटी प्रस्तुत की गई। देशभक्ति एक सामाजिक मूल्य है, देशभक्ति की भावना को स्कूल स्तर पर यह सुनिश्चित करना है कि छात्र हमारे देश के जिम्मेदार नागरिक बनें। कार्यक्रम में सुमित आनंद महोदय, डीएसएलएसए के अपर सचिव(पटियाला हाउस कोर्ट) श्री. प्रणत कुमार जोशी जी, सचिव डीएलएसए, कड़कड़डूमा कोर्ट, श्री विजय कपूर जी, शहीद लेफ्टिनेंट श्री गौतम जैन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

छात्राओं ने मधुर स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया। छात्रों को नेल्सन मंडेला दिवस और उनके द्वारा किए गए महान कार्यों के बारे में भी बताया गया।

छात्रों को डीएलएसए के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। शहीद लेफ्टिनेंट श्री गौतम जैन के साहस पर आधारित एक वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) लिटिल फ्लॉवर्स के छात्रों को उत्साहवर्धन हेतु दर्शायी गई।

लिटिल फ्लावर्स ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने शानदार व जीवंत प्रस्तुतियां दीं।हमारे विशिष्ट अतिथियों द्वारा सभी छात्रों को ज्ञानवर्धक संदेश भी दिए गए।सम्मानित अतिथियों ने छात्रों की पहल और प्रयासों की सराहना की।

तत्पश्चात विद्यालय के चेयरमैन श्री राजेश दुआ जी एवं उपप्रधानाचार्या जी श्रीमती भावना अरोड़ा जी ने सभी अतिथियों का अभिन्न हृदय से अभिनंदन किया तथाविद्यालय के प्रबंध निदेशक श्री आर.डी.पटेल जी ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। राष्ट्रगान गाकर देश भक्ति और देश प्रेम के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सतीश उपाध्याय ने शास्त्रीय सांस्कृतिक कार्यक्रम - 'कलांजलि-2022' का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। स्वर, वाद्य संगीत और नृत्य के एक प्रमुख कलाकार स्वर्गीय श्री गुरु जगमोहन शाह राजा की स्मृति में, श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष- नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने 'नटराज कला केंद्र' द्वारा आयोजित शास्त्रीय और सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कलांजलि'-2022 का उद्घाटन अवाम-ए-ग़ालिब सभागार निकट माता सुंदरी कॉलेज, आईटीओ, दिल्ली के पास किया । सभा को संबोधित करते हुए श्री उपाध्याय ने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे देश में आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में अलग-अलग तरीकों से मनाया जा रहा है, ताकि आम जनता इस उत्सव का आनंद उठा सके। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों और संगीत के चित्रण द्वारा भारतीय संस्कृति और विविधता को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित है। इस अवसर पर, कथक भरतनाट्यम के एकल और समूह नृत्य प्रदर्शन और समकालीन नृत्य, एकल और समूह गायन प्रदर्शन, ऑर्केस्ट्रा, वाद्य प्रदर्शन के साथ साथ एक चित्रकला प्रदर्शनी भी आयोजित की गई । उपाध्याय ने बताया कि नो-प्रॉफिट नो-लॉस के आधार पर कला और संस्कृति की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1980 में नटराज कला केंद्र की स्थापना की गई थी। नटराज कला केंद्र ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार समाज की सेवा की है और छात्रों को एक ऐसा स्थान प्रदान किया है जहां वे हर संभव कला को सीख कर अपने सपनों को छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि 6-20 वर्ष की आयु के केंद्र छात्र के प्रयासों से सामान्य रूप से विभिन्न प्रकार के नृत्यों जैसे कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी और लोक और समकालीन नृत्य रूपों में प्रशिक्षित किया गया है। उपाध्याय ने नटराज कला केंद्र से जुड़े शिक्षकों के समूह की सराहना की, जिन्होंने इस कार्यक्रम को बड़ी सफलता दिलाई, जिसमें सैकड़ों बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्रीमती सविता रानी - सचिव - नटराज कला केंद्र ने दर्शकों को संबोधित किया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसके अलावा, श्री रविंदर गुप्ता - पूर्व महापौर और महासचिव भाजपा दिल्ली, श्री महेश शैरवाल - आईआरएस - संयुक्त आयकर आयुक्त, डॉ सत्येंद्र कुमार ठाकुर - सहायक प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय, श्री मनोज टायरा - संस्थापक बीएससी पब्लिशिंग हाउस, नटराज कला के कार्यकारी सदस्य केंद्र अर्थात श्री दिलीप साहा- अध्यक्ष और श्री पलविंदर सिंह पल्ली ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और सभी भाग लेने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह वितरित किए और सभी शिक्षकों को सम्मान ट्रॉफी प्रदान की गई ।

14 साल के चचेरे भाई ने नाबालिग बहन से किया रेप

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के सदर बाजार इलाके में 14 साल के चचेरे भाई ने अपनी 13 साल की नाबालिग बहन के साथ उसके घर पर रेप किया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने कहा कि घटना रविवार की है। सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुरेश नगर इलाके में नाबालिग से रेप को लेकर पुलिस को तड़के 3.32 बजे कंट्रोल रूम में फोन आया। पुलिस मौके पर पहुंची और 13 साल की किशोरी, उसकी बहनों और चाचा से बात की। नाबालिग ने उन्हें बताया कि रविवार सुबह उसकी बड़ी बहनें काम पर गई थीं और उसके माता-पिता जो रेहड़ी-पटरी का काम करते हैं, उत्तर प्रदेश के बिजनौर में अपने पैतृक गांव गए हुए हैं। वह घर पर अकेली थी। अधिकारी ने कहा, पीड़िता ने बताया कि चचेरा भाई सुबह करीब 10 बजे आया और उसके साथ रेप किया।

दिल्ली में मंकीपॉक्स का लक्षण लेकर विदेशों से आने वाले लोग सीधे भेजे जाएंगे अस्पताल

नई दिल्ली ।अंतरराष्ट्रीय यात्रा कर दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे उन सभी यात्रियों को लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा जिनमें तेज बुखार, जोड़ों का दर्द और कमर दर्द जैसे मंकीपॉक्स के लक्षण पाए जाएंगे। यह फैसला दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सोमवार को एक बैठक में लिया।

दिल्ली एयरपोर्ट से लोक नायक अस्पताल पहुंचे मरीज के लिए एक अलग आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है।

इस वार्ड में मरीजों की देखभाल करने के लिए 20 लोगों की स्पेशल टीम भी बनाई गई है। अस्पताल में भर्ती मरीजों के सैंपल National Institute of Virology, पुणे भेजे जाएंगे। साथ ही जिला प्रशासन द्वारा मरीजों के परिजनों और परिवार वालों को क्वारंटाइन किया जाएगा। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने अपने ट्वीट में कहा कि मंकीपॉक्स को लेकर हुई बैठक में स्वास्थ्य संबंधी सभी विषयों पर चर्चा हुई। अधिकारियों को जरूरी कदम उठाने की सलाह दी गई है। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि सभी नियमों का पालन करें और इस बीमारी से बिल्कुल ना घबराएं।

दिल्ली में मिला पहला मामला

पश्चिमी दिल्ली के 34 वर्षीय एक व्यक्ति को मंकीपॉक्स से संक्रमित पाया गया है।

उन्हें अभी लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूरी तरह से ठीक होने में उन्हें अभी एक हफ्ते का समय लगेगा।

संपादकीय

सियासत में मोल-भाव करना और रंग बदलना कोई ओमप्रकाश राजभर से सीखे

समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जिस तरह से अपने साथ छोड़ रहे हैं उसके आधार पर कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद भी अखिलेश के लिए सियासी संकट खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर का सियासी कद बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन उन्हें सुर्खियां बटोरने और चर्चा में बने रहने की महारथ हासिल है। सियासत में 'मोल–भाव' कैसे किया जाता है और किस तरह से 'रंग' बदला जाता है, राजभर से बेहतर शायद ही कोई जानता होगा। आज वह किसके साथ खड़े हैं और कल किसके साथ खड़े होंगे, यह बात संभवत: ओम प्रकाश राजभर को स्वयं भी पता नहीं होगी। राजभर अपनी सियासी 'वफादारी' कपड़ों से भी तेजी से बदलते हैं। बसपा, भाजपा, समाजवादी पार्टी सहित तमाम छोटे दलों के साथ मिलकर राजनीति में अपनी किस्मत आजमा चुके राजभर का अब समाजवादी पार्टी से भी तलाक हो गया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने राजभर ही नहीं बल्कि अपने चाचा शिवपाल यादव को भी अपने से दूर कर दिया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव का जिस तरह से अपने साथ छोड़ रहे हैं उसके आधार पर कहा जा सकता है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद भी अखिलेश के लिए सियासी संकट खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ सपा के सुभासपा के चीफ ओम प्रकाश राजभर ने नाता तोड़ लिया है तो वहीं दूसरी तरफ मुस्लिम संगठन भी अखिलेश यादव के विरोध में उतर आए हैं। शिवपाल यादव और महान दल तो पहले से ही अलग हो चुके हैं। समाजवादी पार्टी के खिलाफ जिस तरह का सियासी माहौल बन रहा है उसके आधार पर कहा जाने लगा है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव 2024 के चुनाव में कैसे बीजेपी के सामने मैदान में खड़े हो पायेंगे ? यह सवाल राजनीति के गलियारों में लगातार बड़ा होता जा रहा है।

इसी के साथ बरेली दरगाह आला हजरत से जुड़े मुस्लिम संगठन ऑल इंडिया तंजीम उलेमा–ए–इस्लाम ने भी अखिलेश यादव के खिलाफ खुलकर राजभर के साथ देने का एलान कर दिया है। तंजीम चाहती है कि राजभर मुसलमानों को बताएं कि अखिलेश किस तरह से मुसलमानों को छल रहे हैं। जो हालात बन रहे हैं उस पर गौर किया जाए तो 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले ही सपा और अखिलेश यादव की चिंताएं बढ़ती जा रही हैं और आगे की सियासी राह लगातार लम्बी होती जा रही है। उधर, सपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने वाले महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य अलग हो चुके हैं। वहीं, सपा का पत्र आने के बाद शिवपाल सिंह यादव और ओमप्रकाश राजभर की अखिलेश यादव से सियासी दोस्ती टूट गई है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर के सियासी सफर की बात की जाए तो राजभर ने 1981 में कांशीराम के समय में राजनीति की शुरुआत की थी। 2001 में राजभर का बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती से विवाद हो गया तो उन्होंने बसपा से किनारा कर लिया। दरअसल, राजभर तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के भदोही का नाम बदल कर संतकबीर नगर रखने से नाराज थे। इसके बाद इन्होंने अपनी पार्टी बनाई। 2004 से चुनाव लड़ रही सुभासपा ने यूपी और बिहार के चुनाव में अपने प्रत्याशी खड़े किए मगर वह ज्यादातर मौकों पर चुनाव जीतने से ज्यादा खेल बिगाड़ने वाले बने रहे। 2017 के विधान सभा चुनाव में भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने से राजभर की किस्मत ने पलटी मारी और राजभर ने सत्ता सुख पाया। वह योगी सरकार में मंत्री बने, लेकिन यह साथ लम्बा नहीं चला। बसपा, सपा और भाजपा के अलावा एक बार राजभर ने मुख्तार अंसारी के खिलाफ भी चुनाव लड़ने का मन बनाया था, लेकिन वह ऐसा कर नहीं पाए, बाद में पीछे हट गए थे।

पर्यावरण का संकट एवं द्रौपदी मुर्मू का संकल्प

ललित गर्ग

भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में देश के सर्वोच्च पद पर, प्रथम नागरिक के आसन पर एक व्यक्ति नहीं, निष्पक्षता और नैतिकता, पर्यावरण एवं प्रकृति, जमीन एवं जनजातीयता के मूल्य आसीन हुए हैं। आजाद भारत में पैदा होकर आजादी के अमृत महोत्सव की बेला में एक ऐसा व्यक्तित्व द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति के आसन पर विराजमान हुई है, जिससे पूरा देश गर्व एवं गौरव का अनुभव कर रहा है। उनके शपथ ग्रहण के साथ देश के जनजाति और वनवासी समुदाय का सिर जिस तरह गर्व से ऊंचा उठा है, वह भारतीय राष्ट्र की नई ताकत और भारतीय राजनीति के नए विस्तार की ओर इशारा करता है। निश्चित ही आदिवासी समुदाय का राष्ट्र की मूलधारा में विस्तार होगा। शपथ ग्रहण के बाद अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मू ने आजादी के अमृत महोत्सव को याद किया, जिसे हम कुछ ही दिनों में मनाने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा सौभाग्य है कि आजादी के 75वें साल में मुझे यह दायित्व मिला है।' यह तय है कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने एवं आजादी को नये शिखर देने में मुर्मू का सर्वोच्च संवैधानिक पद पर स्थापित होना शुभ एवं श्रेयस्कर है, जिससे सशक्त एवं नये भारत का निर्माण का आधार तैयार हो सकेगा। इससे उस संकल्प और उन सपनों को एक नया आयाम मिला है, जो आजादी की लड़ाई की सबसे प्रमुख भावना थी। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने जिसके लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुर्मू के राष्ट्रपति बनने से देश की पर्यावरण एवं प्रकृति से जुड़ी समस्याओं के समाधान की दृष्टि से सकारात्मक वातावरण बन सकेगा। इस बात का संकेत मुर्मू ने बतौर राष्ट्रपति पहली बार देश को संबोधित करते हुए दे दिया है। उससे पहले निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने आखिरी राष्ट्र–संबोधन में पर्यावरण के मुद्दे को उठाया। यह एक शुभ संकेत एवं शुरुआत है कि दोनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल के समापन और आरंभ के इस ऐतिहासिक मौके का इस्तेमाल करते हुए पर्यावरण की ज्वलंत होती समस्या के सवाल को महत्वपूर्ण ढंग से रेखांकित किया। चौदहवें राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि प्रथम नागरिक के रूप में अगर मुझे अपने देशवासियों को कोई एक सलाह देनी हो तो मैं उनसे कहना चाहूंगा कि प्रकृति माता गहरी तकलीफ में हैं और जलवायु संकट इस समूचे ग्रह के भविष्य को खतरे मे डाल सकता है। ध्यान रहे पिछले ही महीने विश्व बैंक की ओर से जारी की गई एनवायरनमेंट परफॉर्मेंस इंडेक्स 2022 में भारत सबसे निचली पांत के देशों में शामिल था। इस सचाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि पर्यावरण संरक्षण के मामले में हम बहुत पीछे हैं और हमें बहुत कुछ करना है। बेहतर होगा कि नागरिक और सरकार दोनों इस मामले में तालमेल बनाए रखते हुए तेजी से आगे बढ़ें और दुनिया के सामने मिसाल पेश करें।

नई राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वनवासी समुदाय से जुड़ी है, उन्होंने प्रकृति एवं पर्यावरण के संकटों को करीब से देखा है, यह भारत की विकराल होती समस्या है, जिसका गहराना जीवन को अंधेरा में धकेलना है, अत: वे इस समस्या के दर्द को गहराई से महसूस करती है, तभी उन्होंने कहा कि मेरा तो जन्म उस जनजातीय परंपरा में हुआ है जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ तालमेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। भारत भी इसी समृद्धता का देश है, लेकिन इनकी समृद्धता की उपेक्षा के कारण अनेक समस्याएं विकास की बड़ी बाधा बनती जा रही है। बात अगर इन मूलभूत तत्व या संसाधनों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है।

आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं।

अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। आप ही बताइये कि कहां खो गया वह आदमी जो स्वयं को कटवाकर भी वृक्षों को कटने से रोकता था ? गोचरभूमि का एक टुकड़ा भी किसी को हथियाने नहीं देता था। जिसके लिये जल की एक बूंद भी जीवन जितनी कीमती थी। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु–पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार–बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बाढ़ की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बाढ़ की विकराल स्थिति को देखा हैं। जब मनुष्य पृथ्वी का संरक्षण नहीं कर पा रहा तो पृथ्वी भी अपना गुस्सा कई प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखा रही है। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। निश्चित ही इन सभी समस्याओं पर मुर्मू की सजगता एवं सतर्कता से देश एक बड़ी राहत को महसूस करेगा।

बेशक राष्ट्रपति हमारे देश के संवैधानिक प्रमुख हैं और वह शासन के रोजमर्रा के कामकाज से ऊपर होते हैं। बावजूद इसके, अगर एक के बाद एक दोनों राष्ट्रपतियों ने प्रकृति एवं पर्यावरण के मसले को अपने भाषण शामिल करने की जरूरत महसूस की तो यह अकारण नहीं हो सकता। पर्यावरण आज इतना बड़ा मसला होता जा रहा है जो हर मनुष्य के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रहा है। अपनी शुरुआत में ही मुर्मू ने जता दिया कि वे भारत की समस्याओं के समाधान में योगभूत बनेगी, राष्ट्र के इस सर्वोच्च पद के लिए जिन गुणों की अपेक्षा होती है वे इनमें परिलक्षित हैं। ऐसे व्यक्ति के चयन में सर्वसम्मति नहीं मिली तो इसमें राजनैतिक दलों की अपनी मजबूरियां या आग्रह रहे। मुर्मू के लिए वे कोई चुनौती नहीं दे सके। उन्होंने केवल अपनी मजबूरियों को औपचारिकता मात्र दी। मुर्मू का शैक्षणिक एवं राजनैतिक जीवन सदैव प्रशंसनीय रहा है, व्यक्तिगत जीवन अनेक संकटों एवं चुनौतियां का साक्षी बना है। आज इस आदर्श महिला पर कोई भी अंगुली नहीं उठा सकता, चाहे उसमें किसी चिन्ह की अंगूठी पहनी हुई हो। मुर्मू का चयन राष्ट्रपति के आसन पर नैतिक मूल्यों का आसीन होना है। यह देश के लिए शुभ शकुन है।

हर विकासशील राष्ट्र को कई बार अग्नि स्नान करता पड़ता है। पर आज हमारा राष्ट्र 卐कीचड़ स्नान卐 कर रहा है। आतंकवाद, अलगाववाद, सम्प्रदायवाद की समस्याएं विषम बनी हुई हैं। कोई भी राजनैतिक दल बाहर एवं अन्दर से वैसा नहीं है, जैसा उसे होना चाहिए, या जैसा होने का वे दिखावा करते हैं। ऐसी स्थिति में मुर्मू का दायित्व कई गुना बढ़ जाता है। आज इस पद पर किसी चाणक्य की नहीं, आध्यात्मिक मूल्यों को जीने वाले व्यक्ति की जरूरत है। बाबू राजेन्द्र प्रसाद, सर्वपल्ली राधाकृष्ण, डॉ0 ज़ाकिर हुसैन, डॉ. अब्दुल कलाम जैसी सादगी, विद्वता एवं शैक्षणिकता की विशेषताएं लिए मुर्मू अपने आप में बेजोड़ हैं।

हर चुनाव– चाहे वो दल के रूप में हो या व्यक्ति के रूप में, जनमानस में सदैव नई अपेक्षाएं जगाता है। और अपेक्षाओं की पूर्ति विजयी का लक्ष्य होता है तथा उसे उस कसौटी पर खरा उतरने के लिए अपने को प्रस्तुत करता होता है। इस किरदार की अभिव्यक्ति में उसे अपने देश की संस्कृति तथा अस्मिता की रक्षा करनी होती है। सजगता का तीसरा नेत्र सदैव खुला रखना होता है। संयम और न्याय उनके जीवन का पर्याय बन जाते हैं। तब कहीं महामहिम का सम्बोधन सम्पूर्णता से चरितार्थ होता है। सम्प्रदायवाद का विषधर अपना फन उठाये हुए डंक मारने को तैयार है। द्रौपदी तुम्हें इस गरल को पीना होगा। राष्ट्र की एकता भाईचारे के जिस ताने–बाने से बनी है, वह कभी भी उधड़ सकती है। आवश्यकता है संयम की। आवश्यकता है साफ–सुथरी सोच की, साफ सुथरे निर्णय की, साफ–सुथरे न्याय की।

दिल्ली सरकार इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स कराने की बजाय अंग्रेजी की अनिवार्यता को खत्म करे

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मोटे तौर पर दिल्ली सरकार की इस योजना के पीछे उसकी मन्शा पूरी तरह सराहनीय है लेकिन दिल्ली की ही नहीं, हमारे सभी राज्यों और केंद्र की सरकार ने क्या कभी सोचा कि हमारी शिक्षा और नौकरियों में अंग्रेजी की अनिवार्यता ने भारत का कितना बड़ा नुकसान किया है ?

इसमें जरा भी शक नहीं है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई नई और अच्छी पहल की हैं। उसकी नई शिक्षा पद्धति को देखकर कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियां भी काफी प्रभावित हुई हैं। अब दिल्ली सरकार ने घोषणा की है कि वह 50 केंद्रों में एक लाख ऐसे बच्चे तैयार करेगी, जो फर्राटेदार अंग्रेजी बोल सकें। अंग्रेजी की अनिवार्य पढ़ाई तो भारत के सभी विद्यालयों में होती है लेकिन अंग्रेजी में संभाषण करने की निपुणता कम ही छात्रों में होती है। इसी वजह से वे न तो अच्छी नौकरियां ले पाते हैं और वे जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी हीनता–ग्रंथि से ग्रस्त रहते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान गरीब और पिछड़े परिवारों के छात्रों को होता है। उन्हें घटिया पदों और कम वेतनवाली नौकरियों से ही संतोष करना पड़ता है। ऐसे छात्रों को जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिले, इसीलिए दिल्ली सरकार अब 12वीं पास छात्रों को अंग्रेजी बोलने का अभ्यास मुफ्त में करवाएगी। शुरु में वह उनसे 950 रुपए जमा करवाएगी ताकि वे पाठ्यक्रम के प्रति गंभीर रहें। यह राशि उन्हें अंत में लौटा दी जाएगी। यह पाठ्यक्रम सिर्फ 3–4 माह का ही होगा। 18 से 35 साल के युवकों के लिए यह अंग्रेजी बढ़िया बोलो अभियान खुला रहेगा।

मोटे तौर पर दिल्ली सरकार की इस योजना के पीछे उसकी मन्शा पूरी तरह सराहनीय है लेकिन दिल्ली की ही नहीं, हमारे सभी राज्यों और केंद्र की सरकार ने क्या कभी सोचा कि हमारी शिक्षा और नौकरियों में अंग्रेजी की अनिवार्यता ने भारत का कितना बड़ा नुकसान किया है ? यदि सरकारी नौकरियों से अंग्रेजी की अनिवार्यता हटा दी जाए तो कौन माता–पिता अपने हिरण–जैसे बच्चों पर घास लादने की गलती करेंगे ? चीनी भाषा के अलावा किसी भी विदेशी भाषा को सीखने के लिए साल–दो साल काफी होते हैं लेकिन भारत में बच्चों पर यह घास दस–बारह साल तक लाद दी जाती है।

अपने छात्र–काल में मैंने अंग्रेजी के अलावा जर्मन, रूसी और फारसी भाषाएं साल–साल भर में आसानी से सीख ली थीं।

अंग्रेजी से कुश्ती लड़ने में छात्रों का सबसे ज्यादा समय नष्ट हो जाता है। अन्य विषयों की उपेक्षा होती है। मौलिकता नष्ट होती है। हीनता ग्रंथि पनपने लगती है। अहंकार और ढोंग पैदा हो जाता है। हमारी शिक्षा–व्यवस्था चौपट हो जाती है। आजादी के 75 साल पूरे हो रहे हैं लेकिन अभी भी हम भाषाई और बौद्धिक गुलामी में जी रहे हैं। महात्मा गांधी और लोहिया– जैसा एक भी नेता आज तक देश में इतना साहसी नहीं हुआ कि वह मैकाले की इस गुलामगिरी को चुनौती दे सके।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मंत्री मनीष सिसोदिया से मैं आशा करता हूं कि वे अन्य मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्रियों की तरह पिटेपिटाए रास्ते पर तेज रफ्तार से चलने की बजाय ऐसा जबर्दस्त अभियान चलाएं कि भारत में नौकरियों और शिक्षा से अंग्रेजी की अनिवार्यता खत्म हो जाए। जिन्हें उच्च शोध, विदेश व्यापार और कूटनीति के लिए विदेशी भाषाएं सीखनी हों, वे जरूर सीखें। उन्हें पूर्ण सुविधाएं दी जाएं।

ऑपरेशन विजय की सफलता के लिए हमारे कई जवानों ने दिया था सर्वोच्च बलिदान

नीरज कुमार दुबे

करगिल युद्ध को 22 वर्ष पूरे हो चुके हैं और सारा देश कारगिल विजय दिवस मना रहा है और मातृभूमि की रक्षा में अदम्य साहस का प्रदर्शन करने वाले देश के वीर सपूतों को नमन कर रहा है। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना ने लद्दाख में करगिल के ऊंचे पर्वतीय इलाकों में करीब दो महीने तक चले युद्ध के बाद जीत की घोषणा करते हुए 26 जुलाई 1999 को 'ऑपरेशन विजय' की सफलता का एलान किया था। इसके बाद से पाकिस्तान पर भारत की जीत को याद करने के लिए 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

लेकिन यह जो विजय है यह आसानी से नहीं मिली थी हमारे 20, 22, 25 साल के जवानों ने इस विजय के लिए और अपने देश की धरती की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। करगिल की दुर्गम पहाड़ियों की चोटियों पर लड़ा गया यह युद्ध दुनिया का सबसे खतरनाक युद्ध माना जाता है। देखा जाये तो करगिल में युद्ध की नौबत इसलिए आयी क्योंकि 160 किलोमीटर के दायरे में हमारे निगरानी तंत्र की विफलता के चलते वहां पाकिस्तानी सेना घुस आई थी और हमारी कई चौकियों पर कब्जा जमा लिया था। पाकिस्तानी घुसपैठियों ने मुख्यत: उन भारतीय चौकियों पर कब्जा जमाया था जिनको भारतीय सेना की ओर से सर्दियों के मौसम में खाली कर दिया जाता था। लेकिन भारतीय सेना ने ऑपरेशन विजय के तहत अपने अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया और लगभग दो महीने तक चले इस युद्ध में विजय हासिल करते हुए पाकिस्तानी सेना को उलटे पांव भागने पर मजबूर कर दिया और पाकिस्तानी घुसपैठियों की ओर से कब्जाई गई अपनी चौकियों को छुड़ा लिया।

करगिल की सबसे ऊँची चोटी टाइगर हिल से पाकिस्तान को खदेड़ कर वहाँ तिरंगा फहराते भारतीय सैनिकों की तसवीरें आपके जेहन में ताजा होंगी लेकिन ऊपर बैठकर गोली बरसा रहे पाकिस्तानी सैनिकों से इस क्षेत्र को छुड़ाना कोई आसान काम नहीं था। करगिल युद्ध में भारतीय सेना और वायुसेना ने अपनी जबरदस्त जांबाजी दिखाई लेकिन इस दौरान हमारे लगभग 500 जवानों ने अपनी शहादत भी दी। भारतीय जवानों के लिए सबसे मुश्किल बात यह थी कि वह नीचे थे और दुश्मन ऊँचाई पर बैठ कर हमें साफ–साफ देख भी रहा था और गोलियां बरसा कर नुकसान पहुँचा रहा था। कल्पना करके देखिये कि ऐसे में क्या माहौल होगा जब दुश्मन के गोले और गोलियों से बचते हुए हमारे जवानों के सामने ऊपर चढ़ने की कठिन चुनौती भी है, रसद और गोला बारूद भी साथ लेकर जाना है, दुश्मन को ठिकाने भी लगाना है और उस समय सेना के पास आज की तरह रात में देख सकने वाले अत्याधुनिक उपकरण और कई अन्य प्रकार के साजो–सामान नहीं थे। करगिल की ऊँची पहाड़ियों पर जहाँ सांस लेना भी मुश्किल होता है वहां हिम्मत दिखाते हुए बस आगे बढ़ते जाना है। करगिल की लड़ाई आखिर क्यों हुई ? यह सवाल आने वाली पीढ़ी जरूर पूछेगी। तो आइए आपको जरा युद्ध से पहले के हालात से अवगत कराते हैं। पाकिस्तानी सेना के मन से यह टीस कभी नहीं गयी कि उसे हर बार भारत के साथ युद्ध में हार झेलनी पड़ी। वह सीधे मुकाबले से बचते हुए धोखे से भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करना चाहते हैं। पाकिस्तान कहने को तो लोकतांत्रिक देश है लेकिन वहां मालिक सेना ही है और इसी पाकिस्तानी सेना ने भारत से एक और युद्ध की तैयारी अंदर ही अंदर 1998 में ही शुरू कर दी थी। थोड़ा विस्तार में जाते हुए आपको उस समय के राजनीतिक माहौल के बारे में बताते हैं। करगिल युद्ध से ठीक एक साल पहले 1998 में भारत में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार बनने के बाद मई महीने में पोखरण में परमाणु परीक्षण किये गये जिसके बाद पाकिस्तान ने भी जवाबी परीक्षण किया और दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण माहौल उत्पन्न हो गया।

पैरेंट्स वर्किंग सिन्ड्रोम (बी पी डब्ल्यू एस)

सलिल सरोज

समाज में जब भी परिवर्त्तन की स्थिति बनती है तो उस प्रक्रिया में सबसे ज्यादा वो प्रभावित होते हैं जो लोग अपनी अधिकांश जरूरतों के लिए किसी और पर निर्भर होते हैं जैसे कि स्त्रियाँ, बच्चे और बुजुर्ग। घर, कार्य स्थल, समाज और देश में परिवार के इन तीन सदस्यों को अपनी सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक और भावनात्मक आवश्यकताओं के लिए किसी न किसी रूप में अनन्योश्रित होना पड़ता है। स्त्रियाँ घर में अपनी जगह तो कभी अपनी महत्ता बनाए रखने के लिए अपने पति, अपने सास–ससुर और कभी–कभी अपने बच्चों तक पर निर्भर रहती हैं। कार्य स्थल पर अपनी वाज़िब प्रोन्नति के लिए भी अपने बॉस तो कभी सहकर्मियों का सहारा लेती हुई देखी जा सकती हैं। समाज में अपनी हैसियत और पहचान के लिए समाज के धार्मिक और राजनीतिक ढाँचों में इन्हें अपनी आइडेंटिटी तलाश करनी पड़ती है। और अपने ही देश में अपने अधिकारों और हक़ के लिए क़ानून और कानून के तराजू के दोनों पलड़ों के बीच पेंडुलम की भाँति इन्हें झूलना भी पड़ता है। बच्चों के परिपेक्ष्य में अगर बात की जाए तो बच्चे घर में माँ–बाप, दादा–दादी या घर की हेल्पर्स, स्कूल के लिए स्कूल वैन वाले पर, शिक्षकों पर, समाज में ऊँच–नीच, जाति–पाति, अमीरी–गरीबी आदि मापदंडों पर एवं देश में अपना स्थान जानने के लिए दमघोंटू परीक्षाओं और उन में हासिल हुए अंकों पर निर्भर रहना होता है। और यही स्थिति कमोबेश बुजुर्गों की भी है। भारत का मिडिल क्लास कई बोझ ले कर जीता है। अपने से अगले वर्ग की तरफ बढ़ने की जद्दोजहद और स्वयं से नीचे वर्ग से खुद को बेहतर समझने के भंवर में यह वर्ग हमेशा किसी न किसी उलझन का शिकार नज़र आता है। बाजारवाद, स्त्रीवाद, दैहिक स्वतंत्रता, आर्थिक उन्नयन, बेरोक–टोक ज़िंदगी जीने की चाहत और नई पीढ़ी के द्वारा परिवार और शादी की संस्था को मिलने वाली चुनौतियों ने मिडिल क्लास को और भी भ्रमित किया है। दिल्ली जैसे मेट्रो शहरों में एक सम्मानित ज़िंदगी जीने के लिए अब विवाह योग्य जोड़ों के लिए नौकरी में होना पहली प्राथमिकता बन गई है क्योंकि महँगाई, बच्चों की अच्छी शिक्षा, बुजुर्गों की दवा और अपनी इच्छाओं की कीमत दो व्यक्तियों की कमाई के समक्ष बौनी नज़र आती है। पति–पत्नी की कमाई में से एक की कमाई कभी होम लोन, कभी कार लोन, कभी एजुकेशन लोन तो कभी कोई और लोन चुकाने में चली जाती है। जिस हिसाब से महँगाई बढ़ती है उस हिसाब से आमदनी नहीं बढ़ती लेकिन जरूरतें और इच्छाएँ हर गणितीय समीकरण को तोड़ कर आगे बढ़ जाती हैं और उत्पन्न कर जाती हैं एक असमंजस की स्थिति। और इस स्थिति को मेरे शब्दों में कहा जाए तो यही कहा जाएगा – बोथ पैरेंट्स वर्किंग सिन्ड्रोम (बी पी डब्ल्यू एस)।

बोथ पैरेंट्स वर्किंग सिन्ड्रोम (बी पी डब्ल्यू एस) प्राय: मिडिल क्लास परिवार में देखने को मिलता है जहाँ 8 बजे सुबह माँ–बाप ऑफिस के लिए, बच्चे स्कूल के लिए, बुजुर्ग किसी क्लब, पुस्तकालय या पार्क के लिए निकल जाते हैं। बच्चे फिर दिन भर के लिए किसी दाई या घर में दादा–दादी हुए तो उनके सहारे पलने–बढ़ने लगते हैं लेकिन जिनकी जरूरत सबसे ज्यादा होती है वो ही कहीं देखे नहीं जाते हैं। इस तरह के माहौल में पले बच्चों के लिए माँ–बाप का आस पास नहीं होना एक न्यू नार्मल बन जाता है और घर पर जब माँ–बाप होते हैं तो उस वक़्त को काटने के लिए वो फिर फोन, वीडियो गेम या किसी अन्य हॉबी का सहारा लेना शुरू कर देते हैं। बच्चे इस क्रम में एकाकीपन को एक सामान्य प्रक्रिया के रूप में देखने लगते हैं और भीड़ या दोस्तों की टोली में खुद को जोड़ नहीं पाते और आगे चल कर यह भीड़ जो कभी प्रतिस्पर्धा बन जाती है, कभी सामाजिक प्राणी की जरूरत बन जाती है तो कभी सबसे बड़ी हक़ीक़त बन जाती है तो बच्चों में हीन भावना घर करने लगती है। शुरू में सबको यह सामान्य लगता है लेकिन जब बच्चा हर बात पर माँ–बाप से अपनी बात ना कहकर छिपाने लगे, झूठ बोलने लगे, किसी गलत आदत या संगति का शिकार होने लगे तो बात चिंताजनक प्रतीत होने लगती है। माँ–बाप के होते हुए बिना माँ–बाप के सप्ताह के 5 से 6 दिन लगातार 12 से 15 घंटे किसी और के साथ काटना ही बच्चों को माँ–बाप से अलग करने लगती है। काम के बोझ के कारण माँ–बाप दोनों के लिए पारिवारिक और सामजिक जिम्मेदारियों को निभाना कठिन होने लगता है। आपस में तनाव बढ़ने लगते हैं और स्थिति अलग होने तक आ पहुँचती है और इन सब में इनके आक्रोश और दुर्व्यवहार का शिकार होना पड़ता है बच्चों को। बच्चे दूसरे बच्चों को घूमते देखते हैं, कुछ नया करते देखते हैं तो उन में भी वो सब अपने माँ–बाप के साथ करने की इच्छा जागृत होती है लेकिन समय की कमी, अरूचि, काम के तनाव की वजह से पर्याप्त समाधान नहीं पाकर बच्चे स्वयं के माँ–बाप को आँकना शुरू करते हैं, उन्हें कमतर समझने लगते हैं और उनके प्रति आदर भाव भी कम कर देते हैं जो एक परिवार के रूप में सबसे बड़ी हार मानी जा सकती है। ऐसे पैरेंट्स मानते हैं कि अभी कमा लेते हैं और बाद में सब इच्छाएँ पूरी कर लेंगें लेकिन वो बाद कभी नहीं आता। समय बदलने के साथ इच्छाएँ बदल जाती है और पिछली इच्छा की जगह कोई नई इच्छा उत्पन्न हो जाती है और उनको पूरा करने की तमाम मापदंड भी बदल जाते है। उदाहरण के तौर पर आज से 20 साल पहले कश्मीर देखने की इच्छा और अब कश्मीर देखने की इच्छा में ढेरों फर्क है। आज कश्मीर में 20 साल पहले जैसे बर्फ नहीं पड़ती, आज कश्मीर एयरपोर्ट पर क्लियर्स के लिए 2 घंटे लाइन में खड़े रहने पड़ता है, डल झील तब इतनी गन्दी और सिकुड़ी नहीं हुआ करती थी। बच्चों की इच्छाएँ बारिश की बूँद की तरह होती हैं यदि उनको समय रहते सही मिटटी मिले तो नया पौधा उग सकता है और उन्हें यूँ ही छोड़ दिया जाए तो धूप निकलते ही भाप बन कर कहीं उड़ जाएँगे और पीछे बच जाएगा– शून्य।

दादी,नानी का गांव।

वह दादी,नानी का गांवद्य
उस पर ममता की छांव द्य

मेरे सपने हैं आंखों में उनके,
दौड़ मेरी पर दादी के पाव.

धड़कन मेरी कलेजा है, उनका
जख्म मेरे यह दादी के पांव ,

पतली पगडंडी जाती उन तक,
तुलसी का आंगन, अमिया की
छांव ।

कल कल बहती नदिया उन
तक, पतवार मैं हूं, दादी है नाव।
अन्न के दाने हैं हाथों में उनके,
चिड़ियों का डेरा और कागा की
कांव।

अल्लाह, ईश्वर सब एक समान,,
सारे तीरथ दादी,नानी के पॉव।

मन है निर्मल गंगा सा उनका,
पतवार में हूं नानी है नाव।

शार्ट न्यूज

डीजे पर नचाने की कोशिश के दौरान घोड़ी हुई बेकाबू, आधा दर्जन बारातियों को रौंदते हुए भागी

हमीरपुर। शादी-विवाह के मौके पर कई जगह पर घुड़चढ़ी की रस्म होती है। इस रस्म में घोड़ी मंगवाई जाती है और फिर उसपर दूल्हा बैठकर शादी करने दुल्हन के घर जाता है। इतना तो ठीक है लेकिन कुछ लोग दुल्हन के आगे तेज-तेज ढोल-ताशे बजाते हैं। आतिशबाजी करते हैं बिना ये सोचे कि वो एक जानवर है जो इतनी तेज आवाज से घबरा सकती है, परेशान हो सकती है, डर सकती है और फिर जब इतना बड़ा जानवर डरता या घबराता है तो कुछ नहीं देखना और ना ही किसी के काबू में आता है। ऐसा ही कुछ हुआ उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में जहां घोड़ी बारात को रौंदती हुई भाग गई। इस हादसे में बारह लोग घायल हुए। जानकारी के मुताबिक हमीरपुर जिल के मोहदा कोतवाली इलाके में ये घटना घटी। बताया जा रहा है कि डीजे की तेज आवाज में जब घोड़ी को नचाने की कोशिश की गई तो वो बिदक गई और बारात को रौंदते हुए भाग निकली। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें बड़ी संख्या में बाराती जमकर नाचते हुए नजर आ रहे हैं। काफी भीड़ है और कुछ लोग घर के छज्जे से बारात झांकते हुए नजर आ रहे हैं। इस बीच बारातियों में कुछ लोग घोड़ी वाले से कहते हैं कि वो घोड़ी को भी नचाए। घोड़ी वाला जैसे ही घोड़ी को नचाने की कोशिश करता है वैसे ही घोड़ी जोश में आ जाती है और फिर वो दो पैरों पर खड़ी हो जाती है और इधर उधर भागने लगती है। जैसे जैसे घोड़ी की डांट बारातियों को लगती है वैसे वैसे लोग गिरते चले जाते हैं।

शराब को लेकर पति से झगड़ा होने के बाद महिला ने दो बेटियों के साथ ट्रेन के आगे कूदी, दो की मौत

बरेली। बरेली के बशारतगंज में एक महिला अपनी दो बेटियों को साथ लेकर चलती मालगाड़ी के आगे कूद गई जिससे महिला और उसकी एक बेटी की मृत्यु हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राज कुमार अग्रवाल ने बताया कि बशारतगंज क्षेत्र की रहने वाली गंगा देवी (26) का सोमवार को शराब के आदी अपने पति बृजेश से मदिरापान को लेकर झगड़ा हो गया। जिसके बाद अपने पति से नाराज होकर गंगा देवी ने सोमवार की शाम अपनी दोनों बेटियों को लेकर गांव के रेलवे क्रॉसिंग पर गई और एक मालगाड़ी के आगे कूद गई। अपर पुलिस अधीक्षक के मुताबिक मालगाड़ी की चपेट में आने से गंगा देवी और उसकी चार वर्षीय बेटी अंशु की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरी बेटी ललिता (एक साल) गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अग्रवाल ने बताया कि गंगा का अपने पति बृजेश से शराब को लेकर अक्सर झगड़ा होता था। इसके अलावा उसके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी और शराब में पैसे खर्च होने के कारण गंगा के लिए घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया था।

सहारनपुर : शिवालिक वन क्षेत्र में दोगुनी हुई हाथियों की संख्या

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में स्थित शिवालिक वन क्षेत्र हाथियों को सुरक्षित माहौल भी दे रहा है और उन्हें लुभा भी रहा है। लगभग 33 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले शिवालिक वन क्षेत्र में अनुकूल माहौल मिलने से वर्तमान में हाथियों की संख्या 150 से ज्यादा हो गई हैं। जिला वन अधिकारी श्वेता सेन ने मंगलवार को बताया कि 03 साल पहले इस शिवालिक वन क्षेत्र में हाथियों की संख्या करीब 70 थी। उन्होंने बताया कि वनकर्मियों ने हाथियों के झुंड को जंगल में विचरण करते हुए अपने कैमरों में कैद किया है। सेन ने बताया कि जंगल में हाथियों को पेयजल के लिए पुल बनाए गए हैं। उनके जंगल में विचरण के लिए 12 स्थानों पर पानी के कुंड बनाए गए थे। उन्होंने बताया कि इन जलाशयों में बारीश के दौरान अच्छी मात्रा में पानी एकत्रित हो जाता है। इसका इस्तेमाल वन्य जीव अपनी प्यास बुझाने के लिए करते हैं। सेन ने कहा कि शिवालिक वन क्षेत्र राजाजी टाइगर रिजर्व से भी जुड़ा हुआ है। इससे वन क्षेत्र में हाथियों के अलावा सांभर, तेंदुआ और चीतल की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। राजाजी टाइगर रिजर्व से हाथियों के झुंड शिवालिक वन क्षेत्र की ओर रूख कर रहे हैं। सेन ने उम्मीद जताई कि शिवालिक वन क्षेत्र में हाथियों की संख्या में और भी इजाफा हो सकता है।

पुलिस की छवि धूमिल करने के आरोप में दरोगा और तीन सिपाही निलंबित

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश में प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने जनता से दुर्व्यवहार करने, अनुचित बल प्रयोग करने एवं आम जनमानस में पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने के आरोप की जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए गये एक दरोगी सहित चार पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जिला प्रशासन की ओर से मंगलवार को दी गयी जानकारी के मुताबिक थाना उदयपुर के उपनिरिक्षक प्रमोद यादव, हेड कांस्टेबल संतोष कुमार, कांस्टेबल रवि प्रकाश यादव व कांस्टेबल राम प्रकाश को निलंबित किया गया है। लोगों से बुरा बर्ताव करने, अनुचित बल प्रयोग करने एवं जन सामान्य में पुलिस की छवि खराब करने के आरोप में इनकी शिकायत की गयी थी। इसकी प्राथमिक जांच में आरोप सही पाये जाने पर इन चारों पुलिसकर्मियों के विरूद्ध विभागीय जांच के भी आदेश दिये गये हैं। इस मामले में उदयपुर थानाध्यक्ष एहसानुल हक का तत्काल प्रभाव से स्थानान्तरण कर लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिसकर्मियों से कहा है वे जनता के साथ अच्छा व्यवहार करें और ईमानदारी का परिचय दें। उन्होंने कहा है कि भ्रष्टाचार की शिकायत मिलने पर पुलिसकर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी।

बिजली इंजीनियरों ने की कोयला आयात संबंधी आदेश निरस्त करने की मांग

लखनऊ। आल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मंगलवार को एक पत्र भेजकर हस्तक्षेप करने की अपील की है जिससे केंद्रीय विद्युत मंत्रालय द्वारा राज्यों के बिजली घरों को 10 प्रतिशत कोयला आयात करने के लिए जारी किए गए सभी निर्देश तत्काल निरस्त किये जा सके। फेडरेशन ने प्रधानमंत्री को यह पत्र केंद्रीय कोयला मंत्री द्वारा 25 जुलाई को राज्यसभा में दिए गए एक लिखित उत्तर के बाद लिखा है जिसमे कोयला मंत्री ने यह कहा है कि देश में कोयले की कोई कमी नहीं है और पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष कोयले का उत्पादन 31 फीसदी बढ़ा है। फेडरेशन के चेयरमैन शैलेंद्र दुबे ने प्रधानमंत्री को प्रेषित पत्र में लिखा है कि सात दिसंबर 2021 को केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने 10 प्रतिशत कोयला आयात करने की सलाह दी थी जिसके बाद पिछली 28 अप्रैल को केंद्रीय विद्युत मंत्रालय ने राज्यों को कोयला आयात के लिये एक समयबद्ध निर्देश दिया कि कोयला आयात करना तुरंत प्रारंभ किया जाए और इसकी मात्रा का 50 प्रतिशत 30 जून तक, 40 प्रतिशत 31 अगस्त तक और शेष 10 फीसद 31 अक्टूबर तक आयात करना सुनिश्चित किया जाये।

ग्रेटर नोएडा में जल्द पूरी होगी गंगा जल परियोजना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा (ग्रेनो) में 17 वर्षों से अटकी गंगा जल परियोजना जल्द पूरी होने वाली है। इससे ग्रेनो के आठ लाख लोगों को तात्कालिक रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अलावा आने वाले समय में आबादी बढ़ने के बावजूद ग्रेनो में दशकों तक लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आठ सौ करोड़ की लागत वाली गंगा जल परियोजना को शीघ्र पूरी कराने के निर्देश दिए थे। इसके बाद शासन स्तर से परियोजना की लगातार मानिटरिंग की गई और स्थानीय स्तर पर अफसरों ने किसानों से संवाद के माध्यम से समस्याओं का समाधान निकाला। फिलहाल, पल्ला स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर कमिश्निंग का काम चल रहा है। गंगाजल शीघ्र ही जैतपुर स्थित ट्रीटमेंट प्लांट पहुंच जाएगा और फिर ग्रेटर नोएडावासियों तक गंगाजल पहुंचाने का काम शुरू होगा। प्राधिकरण ने अगले तीन माह में गंगाजल की आपूर्ति के लिए कमीशनिंग का काम पूरा होने की उम्मीद जताई है। इस बारे में ग्रेटर नोएडा अथारिटी के पेयजल विभाग के सीनियर मैनेजर कपिल सिंह बताते हैं कि परियोजना के पूरा होते ही दो चरणों में लोगों को गंगा जल उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें पहले चरण में तीन महीने बाद ग्रेनो ईस्ट और दूसरे चरण में उसके तीन महीने बाद ग्रेनो पश्चिम में गंगा जल उपलब्ध कराया जाएगा।

यूपी पुलिस के रिटायर्ड डीएसपी ने 60 की उम्र में नीदरलैंड में जीता गोल्ड

लखनऊ। यूपी पुलिस के रिटायर्ड डीएसपी जगदीश सिंह ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज नहीं होती और उम्र तो महज एक नंबर हैं। मेरठ के मूल निवासी जगदीश सिंह (उम्र 60 वर्ष) ने सिर्फ प्रदेश का नहीं बल्कि देश का नाम विदेशों में रोशन कर दिया है। उन्होंने नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम में आयोजित विश्व पुलिस एंड फायर गेम्स-2021 के तहत आयोजित 10 किलोमीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है।

पांच साल पहले रिटायर होने के बाद से वह भारत की ओर से फिट इंडिया के तहत खेले जा रहे वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स में एथलीट के तौर पर उतर रहे हैं। वह देश की ओर से नीदरलैंड में 22 जुलाई से 31 जुलाई तक चलने वाली वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स-2021 में शामिल होने गए हैं। जहां उन्होंने 24 जुलाई को आयोजित 60 वर्ष आयु से अधिक वर्ग की 10 किमी दौड़ में स्वर्ण पदक जीत कर देश व उत्तर प्रदेश पुलिस का गौरव बढ़ाया है। यह दौड़ 55 मिनट और 19 सेकेंड में पूरी करने में सफल रहे।

जगदीश सिंह ने बताया कि कोरोना के चलते बीते साल विश्व पुलिस एंड फायर गेम्स-2021 की प्रतियोगिता आयोजित नहीं की जा सकी थी। इसका आयोजन 2022 में अब

नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम के रोटैडम सिटी में चल रहा है। यहां पर उन्होंने 10 किमी की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता है।

उन्होंने बताया कि हर साल होने वाली इस प्रतियोगिता में इस बार सरकार की ओर से खर्च नहीं उठाया गया है। निजी खर्चे पर देश के 30 एथलीट यहां पहुंचे हैं, जिनमें से वे एक हैं। यही नहीं वह पुलिस की ओर से अपनी श्रेणी की प्रतियोगिता में एकमात्र भारतीय एथलीट है।

क्रांस कंट्री दौड़ में स्वर्ण जीतने की है तैयारी

अपने श्रेणी की प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय जगदीश सिंह का अगला लक्ष्य 28 जुलाई को होने वाली क्रांस कंट्री दौड़ में स्वर्ण जीतने की है। उन्होंने बताया कि बताया कि वह भारत के प्रधानमंत्री की ओर से खेल के बढ़ावा और फिट इंडिया की मुहिम से प्रभावित हैं। कहा कि सरकार फिटनेस का कल्चर लाने के लिए काफी अच्छा प्रयास कर रही है। फिट इंडिया के तहत अब उनका अगला लक्ष्य 28 जुलाई को होने वाली 10 किमी की क्रास कंट्री प्रतियोगिता में स्वर्ण जीतने की है।

जगदीश के साथ 30 अन्य भारतीय एथलीटों ने लिया प्रतिभाग

उन्होंने बताया कि वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स प्रतियोगिता 1984 से हर दो साल के अंतराल में आयोजित की जाती है।

जिसमें देशभर से आने एथलीट शामिल होते हैं। इस बार भारत से इसमें शामिल होने वालों में उनके अलावा 30 अन्य अलग-अलग जगहों के भारतीय एथलीट आए हैं। उनमें श्रीबाला तेलंगाना पुलिस डीसीपी/एसपी समेत अन्य शामिल हैं।

मुख्तार अंसारी की पत्नी, बेटा और साले भगोड़ा घोषित

एसपी ने चेताया, खुद अरेस्ट हों वर्ना होगी कुर्की

मऊ। मुख्तार अंसारी की पत्नी, बेटे और दो सालों को भगोड़ा घोषित कर दिया गया है। मऊ एसपी ने मंगलवार को सभी को खुद कोर्ट में पेश होने या अरेस्ट होने की चेतावनी देते हुए वीडियो जारी किया है। ऐसा नहीं करने पर संपत्ती कुर्क करने की बात कही है। सभी के खिलाफ पहले से गैरजमानती वारंट जारी था। इसी को लेकर पुलिस धारा 82 यानी भगोड़ा घोषित करने की कार्रवाई करते हुए नोटिस चस्पा की है। मुख्तार अंसारी के फाटक कहे जाने वाले घर पर पुलिस ने डुगडुगी भी पिटवाई। पत्नी, बेटे और सालों के बारे में जानकारी देने की लोगों से अपील भी की गई।

पुलिस अधीक्षक अविनाश पाण्डेय ने वीडियो जारी करते हुए कहा कि सभी को भगोड़ा घोषित किया गया है। इन्हें पुलिस के सामने पेश होकर गिरफ्तारी देने की हिदायत दी है। इसके साथ ही चेताया कि अगर पेश नहीं होते तो धारा 83 के तहत कुर्की की कार्रवाई की जाएगी। बताया कि मऊ पुलिस ने गिरफ्तारी के लिए गाजीपुर के पैतृक आवास के चार ठिकानों पर छापेमारी भी की थी।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वर्ष 2020 में थाना दक्षिण टोला में धारा (3)1 यूपी गैंगस्टर एक्ट में मुख्तार अंसारी की पत्नी आफ्सा अंसारी, साले अतीफ उर्फ सरजील रजा, अनवर सहजाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

तहसीलदार सदर की ओर से भी दक्षिणटोला इलाके के ग्रामसभा रैनी में एससी/एसटी के लोगों की 33 एयर जमीन कब्जा करने व सरकारी सम्पत्ति एफसीआई गोदाम को कूटरचित दस्तावेज तैयार कर कब्जा करने के सम्बन्ध में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इन लोगों के खिलाफ 129/20 धारा 419, 420, 433, 434, 447, 467, 468, 471 और धारा 3/4 सार्वजनिक सम्पत्ति क्षति अधिनिमय के तहत भी मुख्तार अंसारी की पत्नी आफसा अंसारी, साले आतिफ रजा उर्फ शरजिल रजा, अनवर शहजाद व रविन्द्र नरायण सिंह, जाकिर हसैन उर्फ विक्की के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था।

21 अक्टूबर 2021 को पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित कर दिया गया था। लेकिन फिर थाना दक्षिणटोला पर ही धारा (3)1 यूपी गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा इन अपराधियों के खिलाफ दर्ज किया गया था। इसमें दो आरोपित रविन्द्र नरायण सिंह व जाकिर हुसैन उर्फ विक्की गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

मुख्तार अंसारी की पत्नी समेत अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर इनके खिलाफ कोर्ट ने वारंट जारी किया है। मुख्तार के बेटे विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ भी थाना महानगर में अवैध शस्त्र लाइसेंस को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। कोर्ट ने एनबीडब्ल्यू भी जारी किया है।

सभी को कानूनी कार्रवाई के लिए कोर्ट ने कई बार नोटिस जारी किया लेकिन पेश नहीं हुए। कोर्ट के आदेश की अवहेलना को लेकर ही उनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू के तहत वारंट जारी किया गया है। वारंट की कापी भी मऊ पुलिस को प्राप्त हो गई है। मऊ पुलिस टीम ने फरार घोषित अपराधियों के गाजीपुर स्थित पैतृक आवास के चार ठिकानों पर छापेमारी की थी।

पुलिस अधीक्षक अविनाश पाण्डेय ने सख्ती के साथ चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द से जल्द फरार चल रहे इन अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती है तो कोर्ट के आदेश पर कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

कब्रिस्तान में शव दफनाने को लेकर बवाल, दो गुटों में जमकर हुई मारपीट

एजेंसी

मेरठ। मेरठ के लिसाड़ी गेट क्षेत्र में एक महिला की मौत के बाद शव को दफनाने को लेकर दो पक्षों में संघर्ष हो गया। पीड़ित जब पुलिस से शिकायत करने गई तो उस पर थाने के गेट पर ही हमला कर दिया गया और पुलिस के सामने जमकर पीटा गया। जिसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में लिया। पुलिस सुरक्षा के बीच देर शाम महिला का शव कब्रिस्तान में दफनाया गया। तोपचीवाड़ा निवासी सलीम की पत्नी तस्लीमा (60) का सोमवार सुबह घर पर निधन हो गया। शव दफनाने के लिए इस्लामाबाद के पठानिया कब्रिस्तान में परिवार के सदस्य सुबह कब्र तैयार कराने पहुंचे। इसी बीच कोतवाली निवासी अजमल, अनस और अकरम समेत कई लोग पहुंच गए और शव दफनाने का विरोध कर दिया। उन्होंने कहा कि यहां दूसरी बिरादरी के लोगों के शव को नहीं दफनाया जा सकता है।

जब विवाद बढ़ने लगा तो तस्लीमा के परिजनों ने इस्लामाबाद चौकी पर शिकायत दर्ज करवाई। यहां दोनों पक्षों के बीच पंचायत हुई, लेकिन नतीजा नहीं निकला। इसके बाद तस्लीमा के परिवार के दो सदस्यों ने शिकायत लेकर लिसाड़ी गेट थाने पहुंचे। आरोप है कि थाने के गेट पर अजमल और अकरम के बेटों अनस, जुनैद, अनवर और जुबेर आदि ने तस्लीमा पक्ष के सरफराज व एक अन्य पर हमला कर दिया। थाने के गेट पर सरफराज को पीटा गया। बीच बचाव में आई पुलिस के सामने भी मारपीट हुई। पुलिस ने अनस व अनवर को दबोच लिया। हालांकि बाकी आरोपी मौके से फरार हो गए।

सीओ कोतवाली अरविंद चौरसिया ने बताया कि शव दफनाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था।

पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है और कुछ लोगों को हिरासत में लिया। इस मामले में तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

पुलिस की सुरक्षा में दफनाया गया शव

मामला ज्यादा न बढ़े, इसके लिए पुलिस अधिकारियों ने फोर्स की मौजूदगी में शव दफनाने का आदेश दिया। इसके बाद शाम के समय फोर्स ने दफीना करवाया।

बुंदेलखंड के कृषि उत्पादों की आयुक्त कार्यालय में बनेगी वाटिका

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के मंडल आयुक्त डा. अजय शंकर पाण्डेय ने बुंदेलखंड के विशिष्ट कृषि उत्पादों की एक 'मॉडल उद्यान वाटिका' आयुक्त कार्यालय एवं आवास में बनाने की अनूठी पहल की है। डा पाण्डेय ने मंडल प्रशासन द्वारा गठित 'बुंदेलखंड विशिष्ट कृषि उत्पाद संरक्षण समिति' के प्रतिनिधियों के साथ मंगलवार को हुयी बैठक में इस पहल का आगाज किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में आसानी से उपजाये जा सकने वाले खट्टे फल (संतरा, नीबू, कीनू, मौसम्मी एवं बेर आदि), औषधीय पौधे और मसालों में हल्दी, धनिया एवं मिर्च आदि के पेड़ पौधों की विशिष्ट वाटिका आयुक्त आवास एवं कार्यालय में बनायी जायेगी। बैठक में मौजूद झांसी मंडल के उप निदेशक (उद्यान) विनय यादव ने डा पाण्डेय के निर्देश का तत्काल अनुपालन करते हुए इस दिशा में कार्ययोजना बनाकर वाटिका बनाने का काम भी शुरु कर दिया। डा पाण्डेय ने कहा कि वह अगले एक दो दिनों में उद्यान वाटिका में बीज एवं पौधारोपण करेंगे।

डा पाण्डेय ने कहा कि इस समिति ने राज्य सरकार की बेहद लोकप्रिय 'एक जिला एक उत्पाद' योजना में झांसी जिले के कठिया गेंहू के दलिया से आगे जाकर पिछले एक साल में तुलसी सहित अन्य औषधीय पौधों की खेती के दायरे को चार गुना अधिक विस्तार दिया है। साथ ही इलाके के युवाओं ने स्ट्रॉबेरी की खेती, बेर के प्रसंस्कृत उत्पादों का कारोबार बढ़ाने और मसालों में हल्दी, धनिया आदि की बेहतरीन पैकेजिंग कर विशिष्ट कृषि उत्पादों की मार्केटिंग के नये रास्ते खोले हैं।

बस्ती : सड़क हादसे में एक कांवड़िया की मौत

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना में एक कावंड़िया की मौत हो गई तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि अयोध्या जनपद के रौनाही थाना क्षेत्र के सोहावल ग्राम निवासी प्रदीप कसौधन उर्फ दीपू तथा बृज किशोर सिंह सीटू मोटरसाइकिल से भदेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के बाद अपने घर के लिए जा रहे थे। वे दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग नगर पंचायत कार्यालय हरैया के समीप पहुंचे ही थे कि अचानक उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इससे प्रदीप कसौधन की मौके पर ही मौत हो गई तथा बृज किशोर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को इलाज के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय ने बनाया इतिहास

यूपी की पहली यूनिवर्सिटी जिसे मिली नैक ए डबल प्लस रैंक

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नैक ग्रेडिंग में लंबी छलांग लागई है। 21 से 23 जुलाई तक लखनऊ विश्वविद्यालय में आई नैक टीम की फील्ड विजिट के बाद नैक ने ग्रेडिंग की घोषणा कर दी है। इतिहास में पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय को ए डबल प्लस रैंक मिली है। अभी तक विश्वविद्यालय को अधिकतम बी प्लस ग्रेड ही पूर्व के मूल्यांकन में मिली थी। वर्ष 2020 में हुए नैक मूल्यांकन में विश्वविद्यालय को बी एवं 2014 में हुए मूल्यांकन में बी प्लस ग्रेड मिला था। 2019 में विवि की ग्रेडिंग खत्म हो गयी

थी। जिसके बाद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के कार्यक्रल में नैक ग्रेडिंग के लिए आवेदन किया था। पिछले 2.5 वर्षों से विवि में नैक ग्रेडिंग के लिए हर स्तर पर तैयारियां की जा रही थी। जिसका परिणाम ए डबल प्लस ग्रेड के रूप में मिला। लखनऊ विश्वविद्यालय ए डबल प्लस ग्रेड पाने वाला उत्तर प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बन गया है।

नेशनल कॉलेज की ग्रेडिंग में गिरावट

लखनऊ विश्वविद्यालय के साथ ही नेशनल पीजी कॉलेजे का भी नैक मुल्यांकन हुआ था। 21 और 22 जुलाई को नैक टीम ने फील्ड विजिट किया था। नेशनल कॉलेजे को बी डबल प्लस रैंक दी है। जिससे कॉलेज प्रबंधन खुश नही है। प्राचार्य देवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि हम अपील करेंगे। नैक ने हमारे कई बिंदु स्वीकार नही किये है। जिसके आधार पर अपील की जाएगी।

लखनऊ : अपार्टमेंट के बेसमेंट में नर्स की लाश

14वें तल्ले पर सैंडल-बैग; मर्डर या सुसाइड, गुत्थी में उलझी पुलिस

लखनऊ। लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में भागीरथी एंक्लेव के बेसमेंट में मेदांता अस्पताल की नर्स राशि मिश्र (23) का शव संदिग्ध हालात में मिला। उसकी चप्पल अपार्टमेंट के 14वें माले पर मिली। सीसीटीवी फुटेज में वह कुछ देर पहले लिफ्ट से 14वीं मंजिल पर अकेले जाते दिखी है। शुरुआती पड़ताल में हत्या की आशंका जताई जा रही है। अबतक मिले सबूत भी इसी ओर इशारा कर रहे हैं। हालांकि पुलिस अभी साफ नहीं कर पा रही है कि राशि की हत्या कर किसी ने शव नीचें फेंका है या उसने खुद 14वें माले से कूद कर जान दी है। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर के मुताबिक परिजनों ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे कार्रवाई होगी।

अवध विहार में बने भागीरथी एंक्लेव में दोपहर करीब दो बजे बेसमेंट में नर्स का शव मिलते ही हड़कम्प मच गया। चौकीदार ने पुलिस को सूचना

दी। राशि का पैर टूट चुका था और सिर के पिछले हिस्से से खून भी बह रहा था। नर्स की पहचान उससे मिले आधार कार्ड से हुई। एडीसीपी राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि राशि के पिता राजेश मिश्रा की आलमबाग में चाय की दुकान है। राशि ने ऐरा मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग की थी। इसी 21 जुलाई को मेदांता में नर्स की नौकरी शुरू की थी। वह गोमतीनगर विस्तार स्थित अस्पताल के हॉस्टल में रहती थी।

हत्या कर शव फेंकने की आशंका

स्थानीय लोगों ने कहा कि इतनी ऊपर से अगर राशि गिरी होती तो उसके सिर पर गंभीर चोट आई होती और काफी खून बहा होता जबकि ऐसा नहीं हुआ। जिस माले पर वह गई वहां पर कोई नहीं रहता है। इससे लगता है कि कोई उसे जानकर वहां ले गया। उसकी हत्या करने के बाद शव दूसरे या तीसरे माले से नीचे फेंक दिया होगा।

हालांकि पुलिस अफसर इस बारे में कुछ नहीं बोल रहे हैं। पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत की वजह पूरी तरह से साफ होगी। अपार्टमेंट के कुछ और फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एडीसीपी ने दुराचार से इनकार किया है। यह सवाल भी उठा कि इतने ऊपर से गिरने पर चोट और ज्यादा आती जबकि उसके गम्भीर चोट नहीं दिखी।

यूपी पुलिस विभाग में फेरबदल, 20 अधिकारियों का तबादला

लखनऊ। योगी सरकार ने मंगलवार को 20 नए डिप्टी एसपी/ एएसपी के तबादले/ तैनाती दे दी है। 37वीं वाहिनी पीएसी कानपुर में तैनात सहायक सेनानायक राजेश कुमार पाण्डेय को 32वी वाहिनी पीएसी-लखनऊ और 41वीं वाहिनी में सहायक सेनानायक अलका धर्मराज को वहीं पर उप सेनानायक के पद पर तैनात किया गया है।

इसके अलावा प्रोन्नत डीएसपी को एएसपी के पद पर तैनात करते हुए नई तैनाती दी गई है। सीएम सुरक्षा प्रदीप कुमार वर्मा को वहीं पर एएसपी, ईओडब्लू मुख्यालय की बबिता सिंह को एएसपी-सतर्कता अधिष्ठान-लखनऊ, मंडलाधिकारी-अलीगढ़ नितेश सिंह को एएसपी क्षेत्रीय अभिसूचना, मुरादाबाद, स्थानांतरणाधीन विभा सिंह को एएसपी क्षेत्रीय अभिसूचना सहारनपुर बनाया गया है।

अभिसूचना मुख्यालय पर तैनात अलका भटनागर को वहीं पर एएसपी, एलआईयू अलीगढ़ के महेन्द्र पाल सिंह को एएसपी- ईओडब्लू लखनऊ, एलआईयू प्रयागराज ज्ञानवती तिवारी को एएसपी अभिसूचना-वाराणसी, पुलिस मुख्यालय पर तैनात रंजन सिंह

को वहीं पर एएसपी, पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड में तैनात अमित किशोर श्रीवास्तव को एएसपी-नगर बदायूं, रेलवे गोरखपुर में तैनात रचना मिश्र को सेक्टर अफसर सीबीसीआईडी गोरखपुर, एसटीएफ लखनऊ में तैनात अमित कुमार नागर, बृजेश कुमार सिंह, डा राकेश कुमार मिश्र को वहीं पर एएसपी, बनाया गया है। यूपी 112 में तैनात गीतांजलि सिंह को पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड में एएसपी, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय में तैनात जितेन्द्र सिंह को भ्रष्टाचार निवारण संगठन में एएसपी के पद पर तैनात किया गया है। एसआईटी लखनऊ में तैनात एएसपी अमृता मिश्र को स्थापना मुख्यालय-पुलिस महानिदेशक, बदायूं नगर में तैनात प्रवीण सिंह चौहान को उप सेनानायक, चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज और मुख्यालय-पुलिस महानिदेशक में तैनात राहुल रुसिया को तकीनीकी सेवाएं में तैनात किया गया है।

एक मिनट में कोरोना वायरस को निष्क्रिय करेगी एंटी-माइक्रबियल वायु शोधन तकनीक

कानपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर और आईआईटी बॉम्बे में संयुक्त रूप से विकसित तकनीक वायु प्रदूषकों और कोरोना वायरस के खिलाफ एक ब्रह्मास्त्र साबित हुई है।

इस तकनीक को 'एंटी-माइक्रोबियल एयर प्यूरीफिकेशन टेक्नोलॉजी' नाम दिया गया है। यह न केवल हवा को शुद्ध करती है बल्कि केवल एक मिनट के भीतर 99.9 फीसदी की प्रभावकारिता के साथ कोरोना वायरस समेत अन्य कीटाणुओं को निष्क्रिय करने में सक्षम साबित हुई है। प्रौद्योगिकी का परीक्षण सीएसआईआर-इमटेक में किया गया है। संस्थान के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि दुनिया अभी भी घातक कोरोना वायरस की चपेट से मुक्त नहीं है क्योंकि अभी भी कुछ समय अंतराल पर वायरस उत्परिवर्तन हो रहा हैं। दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के शोध में पाया गया है कि वायु प्रदूषण का कोविड-19 के साथ संयोजन कहीं अधिक गंभीर और खतरनाक है। जब महामारी आयी, तो वायु शोधक उद्योग ने भी महत्वपूर्ण मांगों और परिवर्तनों को देखा लेकिन, नोवेल कोरोना वायरस से लड़ते हुए अधिक से अधिक प्रभावोत्पादकता प्राप्त करना कठिन था। स्टार्टअप इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर (एसआईआईसी), आई आई टी कानपुर में इनक्यूबेट किए गए स्टार्टअप एआईआरटीएच द्वारा विकसित यह नई तकनीक इस संबंध में काफी प्रभावी उपाय साबित हुई है।

शार्ट न्यूज

प्रतिस्पर्धा आयोग ने सिटी बैंक इंडिया के खुदरा व्यवसाय को खरीदने की एक्सिस बैंक को दी मंजूरी

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने एक्सिस बैंक को सिटी बैंक इंडिया के खुदरा कारोबार को अधिग्रहीत करने की मंजूरी दे दी है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को दी गयी। इसके तहत एक्सिस बैंक ने सिटी के उपभोक्ता बैंकिंग कारोबार को वर्तमान चलता हालत में एकमुश्त सौदे में खरीदने का समझौता किया है। बयान के मुताबिक सीसीई ने टाटा पावर रिनेवेबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) के कुछ शेयर खरीदने के ग्रीनफॉरेस्ट न्यू एनर्जीज बिडको के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसके तहत कंपनी टीपीआरईएल के 11.43 प्रतिशत शेयर खरीदने जा रही है। ग्रीनफॉरेस्ट न्यू एनर्जी बिडको लिमिटेड निवेश फंड ब्लैकरॉक अल्टरनेटिव्स मैनेजमेंट एलएलसी. (बीएएम) और मुबादला इन्वेस्टमेंट कंपनी पीजेएससी (एमआईसी) द्वारा निवेश कार्य के लिए गठित कंपनी है।

रुपया 79.78 रुपये प्रति डॉलर पर सपाट

मुंबई। शेयर बाजार की गिरावट के बीच आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 79.78 रुपये प्रति डॉलर पर सपाट रहा। पिछले कारोबारी दिवस रुपया 12 पैसे मजबूत होकर 79.78 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया पांच पैसे की बढ़त लेकर 79.73 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान बिकवाली होने से यह 79.72 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि लिवाली के दबाव में यह 79.81 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर पर भी रहा। अंत पिछले सत्र के 79.78 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर सपाट बंद हुआ।

अमेजन पर मानसून स्टोर

नयी दिल्ली। ऑनलाइन मार्केटप्लेस अमेजन डॉट इन पर मानसून स्टोर की शुरूआत की गयी है जहां ग्राहक मानसून में उपयोगी चीजों जैसे रेनकोट और प्रोटेक्टर्स, होम केयर और पेस्ट कंट्रोल, इमरजेंसी लाइट, वाटरप्रूफ ब्यूटी और ग्रूमिंग प्रोडक्ट्स, हेल्थ और हाइजीन सप्लीमेंट्स, होम एंड किचन एप्लाएंसेस आदि पर ऑफर्स और डील का फायदा उठा सकते हैं। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह स्टोर 30 सितंबर, 2022 तक लाइव रहेगा। 29 जुलाई तक बैंक ऑफ बड़ौदा क्रेडिट कार्ड/क्रेडिट ईएमआई और सिटी बैंक क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/क्रेडिट ईएमआई का उपयोग करके अतिरिक्त 10 प्रतिशत बचत कर सकते हैं। ग्राहक अमेरिकन टूरिस्टर, मार्क्स एंड स्पेंसर, हार्पा, स्पार्क्स, लिबर्टी, पैनासॉनिक, लॉयड और अन्य टॉप ब्रांड्स से रोमांचक डील्स और ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं। इसके अलावा, ग्राहक मानसून की जरूरी चीजों का स्टॉक कर सकते हैं और विभिन्न कैटेगरी में वाटर रेसिसटैंट बैग्स, वाटरप्रूफ गैजेट्स और स्मार्टवॉच, फिटनेस एक्सेसरीज, वॉशिंग मशीन, ट्रैवल लगैज और एक्सेसरीज आदि पर शानदार ऑफर्स हासिल कर सकते हैं।

हीरो इलेक्ट्रिक ने शैडोफैक्स के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी हीरो इलेक्ट्रिक ने शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज के डिलिवरी पार्टनरों को 1000 इलेक्ट्रिक स्कूटरों की पहली खेप सौंप दी है। कंपनी ने आज यहां बताया कि शैडोफैक्स टेक्नोलॉजीज लास्ट-माइल डिलीवरी के लिए क्राउडसोर्स्ड थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म है। हीरो इलेक्ट्रिक के बिजनेस प्रमुख पीयूष प्रसाद और शैडोफैक्स के सह-संस्थापक और सीओओ प्रहर्ष चंद्रा की मौजूदगी में यह डिलीवरी दी गयी। हीरो इलेक्ट्रिक के साथ रणनीतिक साझेदारी में, शैडोफेक्स ने अपने बेड़े में शामिल वाहनों को 2025 तक 75 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने का फैसला किया है, जहां हीरो इलेक्ट्रिक के टू-व्हीलर का इस्तेमाल शैडोफैक्स के डिलीवरी पार्टनर्स द्वारा किया जाएगा ताकि लास्ट-माइल लॉजिस्टिक्स में सस्टेनेबिलिटी सुनिश्चित की जा सके। अपने 'नो एमिशन' (उत्सर्जन नहीं करने के) मिशन के तहत, हीरो इलेक्ट्रिक डिलिवरी सेग्मेंट में कई बी2बी साझेदारियां कर रहा है। कंपनी अपने बेड़े के इंजन से चलने वाले वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदल रही है । आज जब सरकार परिवहन की स ?थायी परियोजनाओं को बढ़ावा दे रही है, ऐसे में आधारभूत ढांचे में किया जा रहे सुधार की बदौलत बिजनेसेस डिलिवरी सेगमेंट में अपने बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों को लाने पर जोर दे रहे हैं।

पीवीआर का सिनेमा एडवरटाईज़िंग में नया इनोवेशन

नयी दिल्ली। सिनेमा प्रदर्शनी और इन-सिनेमा एडवरटाईज़िंग कंपनी पीवीआर सिनेमाज़ ने आज महामारी के बाद अपना कमबैक करने के बाद इन-सिनेमा एडवरटाईज़िंग के क्षेत्र में नया इनोवेशन की घोषणा की। कंपनी ने आज यहां कहा कि उसने भारत में पहली बार 270-डिग्री ऑन-स्क्रीन एक्सपीरियंशल इन-सिनेमा एडवरटाईज़िंग प्रस्तुत की, ताकि ब्रांड्स के प्रति लोगों की उत्सुकता बढ़ाई जा सके। मारुति सुजुकी सिनेमा में मारुति सुजुकी ब्रेज़्ज़ा का लॉन्च करने के लिए इस प्लेटफॉर्म का उपयोग करने वाला पहला एडवरटाइज़र बन गया है। इस उत्पाद के एक्सपीरियंशल व्यू का प्रदर्शन दिल्ली, गुरुग्राम, मुंबई और बैंगलोर में चुनिंदा पीवीआर सिनेमाज़ में एक हफ्ते के लिए किया जा रहा है। एक ओओएच मीडिया कंपनी, एक्सपीरिया ग्रुप के साथ गठबंधन में पीवीआर साईड वॉल्स पर हाईब्रिड टेक्नॉलॉजिकल इंटीग्रेशन के साथ 3डी प्रोजेक्शन मैपिंग का इस्तेमाल करता है। प्रोजेक्शन मैपिंग से सामान्य कमर्शियल अत्यधिक आकर्षक कमर्शियल बन जाते हैं और कंटेंट को जीवंत बना देते हैं।

क्रिप्सो ने जुटायी 30 लाख डॉलर की पूंजी

बेंगलुरू। क्रिप्टोकरेंसी के लिए कम्युनिटी-प्रवर्तित निवेश मंच क्रिप्सो ने हैश्ड इमर्जेंट, एथेरा वेंचर पार्टनर्स (पूर्व में इनवेंटस), बेटर कैपिटल, व्हाइटबोर्ड कैपिटल, पॉलीगॉन के संस्थापक संदीप और जयंती तथा क्रेड के कुणाल शाह समेत अन्य प्रमुख निवेशकों से सीड फंडिंग राउंड में 30 लाख डॉलर की पूंजी जुटाई है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस पूंजी का इस्तेमाल अपने यूजरों की संख्या को बढ़ाने और उत्पाद की पेशकश और प्रौद्योगिकी का दायरा बढ़ाने में करेगी। मिलेनियल्स और जेनजेड यूजर्स पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्रिप्सो क्रिप्टो को आसान बनाए जाने के अभियान पर है और यह खुदरा यूजर्स को कम्युनिटी प्रथम दृष्टिकोण के साथ निर्देशित पहुंच प्रदान करता है। लॉन्च के एक महीने के भीतर केवल एंड्रॉइड पर उपलब्ध प्लेटफॉर्म ने 50,000 से अधिक सक्रिय यूजर्स और 100 से अधिक क्रिप्टो इंफ्लूएंसर्स, क्रिएटर्स और विशेषज्ञों को जमा किया है, जो दैनिक क्रिप्टो रुझानों और अपडेट के लिए एप का उपयोग कर रहे हैं।

विदेशी सरकारें कर रही हैं निवेश के लिए संपर्क

नयी दिल्ली। व्यापार समूह की सफलता को दुनिया भर में मान्यता मिलने को देखते हुए अदानी समूह के अध्यक्ष गौतम अदानी ने मंगलवार को कहा कि कई विदेशी सरकारें अब अपने भौगोलिक क्षेत्रों में काम करने और उनके अवसंरचना निर्माण में मदद करने के लिए कंपनी से संपर्क कर रही हैं। वार्षिक आम बैठक (एजीएम) 2022 में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए श्री अदानी ने कहा, इस वर्ष हमारे समूह का बाजार पूंजीकरण 200 अरब डॉलर से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा,हम अंतरराष्ट्रीय बाजारों से अरबों डॉलर जुटाने में सक्षम थे। यह भारत और अदानी के विकास की कहानी में खुद पर भरोसे का एक प्रत्यक्ष सत्यापन है। अदानी ने कहा कि समूह के पास एक प्रमुख ग्लोबल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो है और बीते 12 महीनों में कई अन्य उद्योगों में भी आवश्यक प्रगति की गयी है। उन्होंने कहा,एक झटके में हम देश के सबसे बड़े हवाईअड्डा संचालक बन गए हैं। हमारे द्वारा संचालित किये जा रहे हवाईअड्डों के आसपास हम एरोट्रोपोलिस विकसित करने और स्थानीय समुदाय आधारित आर्थिक केंद्र बनाने से जुड़े व्यवसायों में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा,अदानी विल्मर का हमारा सफल सार्वजनिक शेयर निर्गम (आईपीओ) हमें देश की सबसे बड़ी रोजमर्रा का समान बनाने वाली एफएमसीजी कंपनी बनाता है और देश में होल्सिम की संपत्ति के अधिग्रहण के बाद जिसमें देशभर में दो सबसे अधिक मान्यता प्राप्त ब्रांड एसीसी और अंबुजा सीमेंट्स शामिल हैं, अब हम भारत में दूसरे सबसे बड़े सीमेंट निर्माता बन गए हैं।

महामहीम युवराज मोहम्मद बिन सलमान द्वारा नियोम में भविष्य के शहर, द लाइन के लिए डिजाइनों की घोषणा

जेद्दाह, सऊदी अरब। युवराज और नियोम बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के अध्यक्ष, महामहिम मोहम्मद बिन सलमान ने आज द लाइन के डिजाइनों की घोषणा की, एक सभ्यतागत क्रांति जो मनुष्यों को आगे रखती है, और आसपास की प्रकृति को संरक्षित करते हुए एक अभूतपूर्व शहरी जीवन का अनुभव प्रदान करती है। पिछले साल जनवरी में, महामहीम ने शहर के हवाले से प्रारंभिक विचार और दृष्टिकोण का लोकार्पण किया जो शहरी विकास की अवधारणा और भविष्य के शहरों को कैसा दिखना चाहिए उसकी एक नई परिभाषा पेश करता है।

द लाइन के डिजाइन यह दर्शाते हैं कि सड़कों, कारों और प्रदूषण-मुक्त वातावरण में भविष्य के शहरी समुदाय कैसे होंगे। यह 100 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा पर चलेगा और पारंपरिक शहरों के परिवहन और बुनियादी ढांचे की की तुलना में लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देगा। यह प्रकृति को विकास से आगे रखता है और नियोम की 95 प्रतिशत भूमि के संरक्षण में योगदान देगा।

इस घोषणा से लाइन की अति महत्वपूर्ण विशेषताओं का पता चलता है, जो केवल 200 मीटर चौड़ी, 170 किलोमीटर लंबी और समुद्र तल से 500 मीटर ऊपर है। लाइन में अंतत: 9 मिलियन निवासी होंगे और 34 वर्ग किलोमीटर भूमि पर बनाई जाएगी, जो समान क्षमता वाले अन्य शहरों की तुलना में बिलकुल अनूठा शहर होगा। उसके बदले में यह बुनियादी ढांचे के दुष्प्रभावों को कम करेगा और शहर की कार्यप्रणाली में अभूतपूर्व क्षमताएँ पैदा करेगा। इसकी आदर्श जलवायु पूरे साल यह सुनिश्चित करेगी कि इसके निवासी पैदल यात्रा करते समय आसपास की प्रकृति का आनंद ले सकें। द लाइन में उसके निवासी हर 20 मिनट पर आने जाने वाली हाई स्पीड रेल के अलावा पांच मिनट की पैदल दूरी पर सभी सुविधाओं तक पहुंच पाएंगे।

महामहीम युवराज मोहम्मद बिन सलमान ने कहा, पिछले साल द लाइन के लोकार्पण पर, हमने एक ऐसी सभ्यतागत क्रांति के लिए प्रतिबद्धता जताई थी जो शहरी नियोजन में आमूल-चूल परिवर्तन के आधार पर मनुष्यों को सबसे आगे रखता है। शहर के लंबवत परतदार समुदायों के लिए आज पेश किए गए डिज़ाइन पारंपरिक फ्लैट, क्षैतिज शहरों को चुनौती देंगे और प्रकृति संरक्षण और इन्सानों के जीवन यापन हेतु अधिक बेहतर बनाने के लिए एक मॉडल तैयार करेंगे। द लाइन आज के शहरी जीवन में मानवता के सामने आने वाली चुनौतियों से निपटेगा, और जीने के वैकल्पिक तरीकों पर प्रकाश डालेगा।

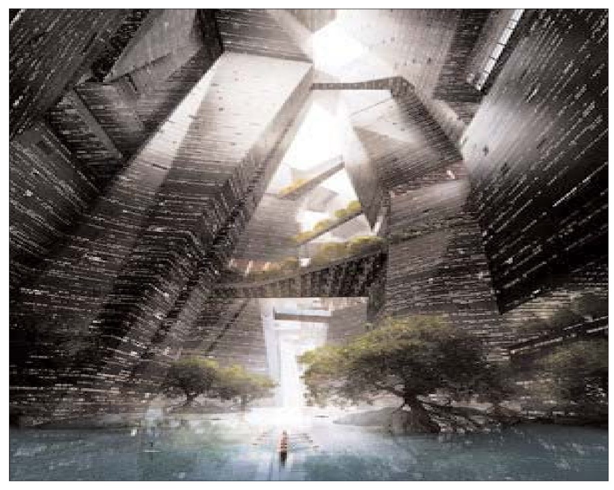

महामहीम ने कहा, हम जीवन यापन योग्य जगह और पर्यावरण के संकटों को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं जिनका सामना हमारे विश्व के शहर कर रहे हैं, और नियोम इन समस्याओं के समाधान के लिए नए और कल्पनाशील समाधान देने में सबसे आगे है। नियोम वास्तुकला, इंजीनियरिंग और निर्माण के क्षेत्र में सबसे प्रतिभाशाली लोगों की टीम का नेतृत्व कर रहा है, ताकि ऊंचाई की ओर निर्माण की सोच को साकार किया जा सके।

महामहीम ने आगे कहा, नियोम दुनिया भर के सभी लोगों के लिए रचनात्मक और अभिनव तरीकों से दुनिया में अपनी पहचान बनाने वाली एक जगह होगी। नियोम सऊदी विज़न 2030 की सबसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से एक है, और राष्ट्र की ओर से द लाइन समर्पित करने की हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है।

द लाइन शहरी डिजाइन के लिए एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है- लोगों को तीन आयामों (ऊपर, नीचे या लंबवत) में निर्बाध रूप से चलने की संभावना प्रदान करते हुए शहर को लंबवत रूप से ले जाने का विचार शून्य गुरुत्वाकर्षण शहरीकरण काही जाने वाली एक अवधारणा है। सिर्फ ऊंची इमारतों से अलग, यह अवधारणा सार्वजनिक पार्कों और पैदल चलने वालों की जगहों, स्कूलों, घरों और काम करने के जगह की परतें बनाती है, ताकि कोई भी पांच मिनट के भीतर सभी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से जा सके।

द लाइन में एक बाहरी दर्पण का अग्रभाग होगा जो अपना अनूठा चरित्र प्रदान करेगा और यहां तक कि इसके छोटे प्रभाव को भी प्रकृति के साथ मिश्रित करने की अनुमति देगा, जबकि इंटीरियर को असाधारण अनुभव और जादुई क्षण बनाने के लिए बनाया जाएगा। यह भविष्य के शहर के लिए इस क्रांतिकारी अवधारणा को विकसित करने के लिए, नियोम के नेतृत्व में विश्व प्रसिद्ध आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों की एक टीम द्वारा बनाया जाएगा।

व्यवसाय को साधारणत: बदलने के लिए, शहर के डिजाइन को पूरी तरह से डिजीटल किया जाएगा, और निर्माण प्रौद्योगिकियों और निर्माण प्रक्रियाओं को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाकर निर्माण को बड़े पैमाने पर औद्योगीकृत किया जाएगा। द लाइन के डिजाइनों की घोषणा इसकी ऑक्सागॉन जैसी प्रमुख परियोजनाओं के विकास में नियोम की प्रगति की एक निरंतरता है, इसकी पुनर्कल्पित विनिर्माण और नवाचार शहर; और ट्रोजेना, इसका वैश्विक पर्वतीय पर्यटन स्थल जो अरब की खाड़ी की पहली आउटडोर स्कीइंग प्रदान करेगा; साथ ही नियोम की दो सहायक कंपनियों को भी लॉंच किया जाएगा- इनोवा, इसकी ऊर्जा, पानी और हाइड्रोजन कंपनी; और नियोम टेक एंड डिजिटल कंपनी।

नियोम के बारे में

नियोम मानव प्रगति का एक त्वरक है और एक नया भविष्य कैसा दिख सकता है, इसका एक विजन है। यह उत्तर पश्चिम सऊदी अरब में लाल सागर पर एक जीवंत प्रयोगशाला के रूप में जमीन से बनाया जा रहा एक क्षेत्र है – एक ऐसा स्थान जहां उद्यमिता इस नए भविष्य की राह बनाएगी। यह उन लोगों के लिए एक गंतव्य और एक घर होगा जो बड़े सपने देखते हैं और असाधारण जीवन-यापन के लिए एक नए मॉडल के निर्माण का हिस्सा बनना चाहते हैं, फलते-फूलते व्यवसाय बनाते हैं और पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ करते हैं।

नियोम में हाइपरकनेक्टेड, संज्ञानात्मक टाउन और शहर, बंदरगाह और उद्यम क्षेत्र, अनुसंधान केंद्र, खेल और मनोरंजन स्थल और पर्यटन स्थल शामिल होंगे।

नवोन्मेष के केंद्र के रूप में, उद्यमी, बड़े कारोबारीऔर कंपनियां नई तकनीकों और उद्यमों पर शोध, इनक्यूबेट और व्यावसायीकरण के लिए अभूतपूर्व तरीके से आएंगी। नियोम के निवासी एक अंतरराष्ट्रीय लोकाचार को अपनाएंगे और अन्वेषण, जोखिम लेने और विविधता की संस्कृति को अपनाएंगे।

बिहार सरकार निवेशकों की हरसंभव मदद करेगी : शाहनवाज

नई दिल्ली। बिहार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने निवेशकों से एक बार प्रदेश में आकर वास्तविकता देखने की अपील करते हुए आज कहा कि सरकार राज्य में उद्योगपतियों के उद्योग की सफलता के लिए हरसंभव सहायता करेगी।

हुसैन ने एपैरल एक्सपोर्ट्स प्रोमोशन काउंसिल (एईपीसी) के सौजन्य से मंगलवार को यहां आयोजित बिहार इंवेस्टर्स मीट में टेक्सटाइल और गार्मेंट्स क्षेत्र के तमाम बड़े उद्योगपतियों और निर्यातकों को संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश में निवेश से अच्छा है कि बिहार में निवेश करें। इससे देश का तो भला होगा ही, बिहार भी देश की अर्थव्यवस्था के सुदृढिकरण में अपनी पूरी भागीदारी निभा पाएगा।

उद्योग मंत्री सभी उद्योगपतियों से एक बार बिहार आकर वास्तविकता को करीब से देखने की अपील की और कहा कि आपको उद्योग की सफलता के लिए जो भी संसाधन, उपयुक्त आधारभूत संरचना और सरकार से नीतिगत स्तर पर या अन्य सहायता चाहिए, वह जरूर मिलेगा।

बिहार के उद्योग विभाग के प्रधान सचिव संदीप पॉण्डरीक ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार में तेजी से प्लग एंड फैसिलिटी के साथ आधारभूत संरचना का विकास किया जा रहा है। ये सुविधाएं उन इलाकों में विकसित की जा रही है जहां टेक्सटाइल, गार्मेंट्स और संबधित उद्योगों के लिए पर्याप्त वर्कफोर्स उपलब्ध है।

इस दौरान एपेरल एक्सपोर्ट्स प्रोमोशन काउंसिल के चैयरमैन और टेक्सपोर्ट इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक नरेन गोयनका ने कहा कि बिहार की टेक्सटाइल और लेदर पॉलिसी 2022 बहुत अच्छी है लेकिन इस नीति के तहत दी जाने वाली सब्सिडी का लाभ तत्काल मुहैया कराया जाना चाहिए। इसके जवाब में उद्योग मंत्री श्री हुसैन ने कहा कि अभी बिहार में जो भी उद्योग लगे हैं उनूहें बिना किसी देरी के सब्सिडी का भुगतान किया जा रहा है और इसमें आगे भी कभी देरी नहीं होगी, इसके लिए उनकी गारंटी है।

शाही एक्सपोर्ट के प्रबंध निदेशक हरीश आहूजा और रिचा ग्लोबल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वीरेंद्र उप्पल के जमीन की उपलब्धता और औद्योगिक जमीन की दरों के बारे में पूछे गए सवाल पर प्रधान सचिव संदीप पौण्डरीक ने कहा कि अभी हाल ही में हमने 54 औद्योगिक क्षेत्रों में जमीन की कीमत 20 प्रतिशत से लेकर 80 प्रतिशत तक घटा दी है। साथ ही उद्योग के लिए जमीन की उपलब्धता भी पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि हमारे पास 2900 एकड़ का लैंड बैंक है जिससे जमीन आवंटन में न तो देरी होगी और न ही जमीन की कमी महसूस होगी।

बिहार इंवेस्टर्स मीट में टेक्सटाइल और गार्मेंट्स के तमाम बड़े उद्योगपतियों ने एक सुर में बिहार के कामगारों की दिल से तारीफ की। कहा कि बिहार के वर्कर्स देश में जहां भी काम कर रहे हैं वो कुशल, ईमानदार, काफी मेहनती और काम को लेकर संजीदा होते हैं।

एक्सप्लोर लाइफस्टाइल ने पेश किया एरीथमिया के लिए उपयोगी कार्डिएकसेंस

नयी दिल्ली। एक्सप्लोर लाइफस्टाइल ने मंगलवार को इजराइली तकनीक के सहयोग से दुनिया का पहला मेडिकल ग्रेड एवं हमेशा पहनने योग्य मॉनिटरिंग घड़ी कार्डिएकसेंस पेश किया जो अनियमित दिल की धड़कन (एरीथमिया) के लिए बहुत उपयोगी है। इजराइली राजदूत नायर गिलोन की उपस्थिति में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस घड़ी को इजराइल की अत्याधुनिक बायोसेंसिंग टेक्नोलॉजी से बनाया गया है जिसमें पेटेंटेड ऑप्टोमेकेनिकल सेंसर्स लगा हुआ है। इसके अलावा इसमें प्रोप्राइटरी पीपीजी, ईसीजी और आर्टिफैक्ट सेंसिंग टेक्नोलॉजी और एडवांस एल्गोरिदम जैसे फीचर्स है। यह घड़ी हर एक सांस पर नज़र बनाये रख सकती है। इस खूबी के कारण यह घड़ी एएफआईबी जैसे घातक एरीथमिया का पता लगा सकती है और डॉक्टरों तथा मरीजों के परिवार के सदस्यों को तुरंत सूचित कर सकती है। इस घड़ी का उपयोग ब्लड प्रेशर, क्रोनिक हार्ट फेल्योर और हृदय की अन्य बीमारियों से ग्रसित मरीजों के लिए भी किया जा सकता है। इसमें हर सांस की दर को मापने की क्षमता भी है और यह सीओपीडी और स्लीप एपनिया जैसी बीमारियों को ट्रैक कर सकती है। साथ ही रेस्पिरेटरी रेट को पढ़ने वाली यह दुनिया की पहली घड़ी है। एक्सप्लोर लाइफस्टाइल के प्रबंध निदेशक पंकज बलवानी ने कहा, ज्यादातर केसेस में दिल की असामान्य धड़कन से पीड़ित मरीजों को को यह एहसास नहीं होता है कि वे कुछ जानलेवा असामान्य दिल की धड़कन (अट्रियल फिब्रिलेशन) से पीड़ित हो सकते हैं। पूरी दुनिया में अट्रियल फिब्रिलेशन (असामान्य दिल की धड़कन) से लगभग 70 प्रतिशत लोगों को इस्केमिक स्ट्रोक होता है। कार्डिएकसेंस की सटीकता 99 प्रतिशत होने से अट्रियल फिब्रिलेशन का पता जल्दी और आसानी से लगाया जा सकता है। कार्डिएकसेंस से मरीजों और उनके डॉक्टरों को जानलेवा समस्या के लिए अलर्ट मिलेगा।

वेदांता-फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम को लेकर अधिकारियों से मिले शिंदे, फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को वेदांत इलेक्ट्रोनिक्स और फॉक्सकॉन के संयुक्त उद्यम वेदांता सेमीकंडक्टर एवं डिस्पले फैब्रीकेशन सिटी परियोजना के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुलाकात की।

बैठक में एववस्ट्रेट ग्लोबल के प्रबंध निदेशक आकर्ष के. हेब्बार और फॉक्सकॉन के अधिकारी शामिल हुए। जिसके बाद अधिकारियों ने पुणे के बाहरी इलाके में तालेगांव में एक साइट का दौरा किया।

वेदांत और फॉक्सकॉन एक एकीकृत विनिर्माण सुविधा के लिए साथ आए हैं और समूह अपने एकीकृत सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब्रिकेशन परियोजना के स्थान को अंतिम रूप देने के लिए विभिन्न राज्य सरकारों के साथ चर्चा कर रही है।

प्रस्तावित मेगा प्रोजेक्ट देश का पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर चिप और डिस्प्ले फैब्रिकेशन प्लांट होगा और यह अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने वाली कंपनियों का एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में भी मदद करेगा।

उल्लेखनीय है कि वेदांत और फॉक्सकॉन ने भारत में एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने के लिए गत फरवरी में एक समझौता किया था। इसमें वेदांत की 60 प्रतिशत हिस्सेदारी और फॉक्सकॉन की 40 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

आईएमएफ ने भारत की वृद्धि दर घटाकर की 7.4 प्रतिशत

नयी दिल्ली। अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों के बीच वर्ष 2022 में वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 3.2 प्रतिशत कर दिया है। वैश्विक एजेंसी ने मंगलवार को जारी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (विश्व आर्थिक परिदृश्य) रिपोर्ट में 2022 के लिए भारत की वृद्धि दर के अनुमान को भी घटाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया है।

आईएमएफ ने अप्रैल 2022 में भारत की वृद्धि दर के अनुमान को 8.2 प्रतिशत रखा था। संगठन के अनुसार पिछले साल भारत की अनुमानित आर्थिक वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत थी।

एजेंसी के अनुसार अगले वर्ष 2023 में भारत की वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रह सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 2.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है,वृद्धि असधारण रूप से नीचे रहने का जोखिम ऊंचा है।

विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका, चीन और यूरो क्षेत्र अटक रही हैं, जिनका वैश्विक आर्थिक प्रदेश पर बड़ा असर पड़ रहा है। वैश्विक आर्थिक वृद्धि दर 2020-21 के 6.1 प्रतिशत की तुलना में तेजी से घटकर वर्ष 2022 में 3.2 प्रतिशत पर आ सकती है।

आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पीएरे-ऑलिवर गौरिंचास ने संवाददाताओं से कहा,मौद्रिक नीतियों में और अधिक सख्ती किए जाने की निश्चित रूप से वास्तविक आर्थिक लागत उठानी पड़ेगी, लेकिन इसमें देरी करने से (मुद्रास्फीति के चलते) मुश्किलें भी बढ़ेंगी।

श्री गौरिंचास ने कहा,केंद्रीय बैंकों ने मौद्रिक नीति में सख्ती का जो सिलसिला शुरू किया है, उन्हें उस राह पर तब तक चलते रहना चाहिए जब तक मुद्रास्फीति काबू में न आ जाए।

रिपोर्ट में वर्ष 2022 के दौरान अमेरिका की आर्थिक वृद्धि दर 2.3 प्रतिशत, जर्मनी-1.2, फ्रांस-2.3, इटली-3, जापान-1.7, ब्रिटेन-3.2, चीन-3.3, रूस-(-6.0), ब्राजील-1.7 तथा दक्षिण अफ्रीका की वृद्धि दर 2.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में अमेरिका की अगले वर्ष की वृद्धि दर एक प्रतिशत, चीन-4.6, दक्षिण अफ्रीका-1.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।

टाटा पावर का तिमाही शुद्ध लाभ 90 प्रतिशत उछलकर 884 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। टाटा समूह की ऊर्जा क्षेत्र में काम करने वाली टाटा पावर का वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में आकस्मिक प्रावधानों से पूर्व शुद्ध लाभ वार्षिक आधार पर 90 प्रतिशत उछलकर 884 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी यह लाभ 466 करोड़ रुपये था।

कंपनी ने मंगलवार को तिमाही परिणाम जारी कर बताया की आलोच्य तिमाही में कंपनी ने 48 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,776 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया। वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में कंपनी का राजस्व 9,974 करोड़ रुपये था।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का परिचालन लाभ (एबिटडा) घटकर 2,107 करोड़ रुपये रहा जो 30 जून 2021 समाप्त हुयी तिमाही में 2,365 करोड़ रुपये था।

आलोच्य तिमाही में एकल आधार पर टाटा पावर का शुद्ध लाभ 19 प्रतिशत बढ़कर 421 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही में 354 करोड़ रुपये था। इसी तरह कंपनी का परिचालन लाभ घटकर 1,271 करोड़ रुपये रहा जो 1,405 करोड़ रुपये था।कंपनी ने कहा कि कर विभाग से 111 करोड़ रुपये की लेनदारी के अनुमान को निकाल दे तो तिमाही का शुद्ध लाभ 773 करोड़ रुपये है।टाटा पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक डॉ. प्रवीर सिन्हा ने कहा कि हमने अपने सभी व्यापार समूह उत्पादन, पारेषण, वितरण और नवीकरणीय के साथ नए वित्त वर्ष की मजबूत शुरुआत की है। हम अत्याधुनिक तकनीकों के साथ संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में ऊर्जा सेवाएं और बेहतर परियोजना निष्पादन क्षमताओं की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश कर रहे हैं। भविष्य के लिए तैयार कंपनी के रूप में हम देश के हरित ऊर्जा संक्रमण में योगदान करने के लिए तैयार है।

आयकर छापा में 1.4 करोड़ नकद बरामद

नयी दिल्ली। आयकर विभाग द्वारा कृषि और कपड़ा व्यवसाय में लगे एक समूह तथा एंट्री ऑपरेटरों के एक अन्य समूह पर तलाशी और जब्ती के दौरान 1/4 करोड़ रुपये की नकदी बरामद हुयी है।

विभाग ने आज यहां बताया कि गत पांच जुलाई को मुंबई और दिल्ली एनसीआर में कुल 27 परिसरों पर छापे मारे गए।

तलाशी अभियान के दौरान, मूल दस्तावेजों और डिजिटल डेटा के रूप में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक सबूत मिले और जब्त किए गए।

जांच में पाया गया कि मुख्य समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का ज्यादातर कारोबार सर्कुलर ट्रेडिंग के जरिए हुआ है। समूह के प्रमोटर स्टॉक ब्रोकरों की मदद से शेयर बाजारों में समूह की कुछ कंपनियों के प्रदर्शन के व्यवस्थित हेरफेर में शामिल थे। कुछ स्टॉक ब्रोकरों को बिना बही-खातों में दर्ज किए गैरकानूनी तरीके से भुगतान किया गया। ऐसी सभी अनियमितताओं को प्रमोटर और स्टॉक ब्रोकर दोनों ने स्वीकार किया है। समूह को एक पेशेवर व्यक्ति द्वारा भी समर्थन दिया जाता है, जो मुख्य रूप से नकदी के बदले कई अन्य समूहों को एकोमोडेशन एंट्रीज प्रदान करने के काम में लगा है।

इन साक्ष्यों से यह भी पता चला है कि समूह ने विभिन्न सामग्रियों की फर्जी खरीद का दावा करके भारी मात्रा में नकदी अर्जित की है, जिसमें 100 करोड़ रुपये से अधिक की पैकिंग सामग्री भी शामिल है। इसके अलावा, समूह ने 150 करोड़ रूपए से अधिक मूल्य के कृषि उपकरण और कपड़ों की बेहिसाब बिक्री की। हाथ से लिखी कुछ डायरियां भी बरामद और जब्त की गई हैं, जिनमें नकद लेन-देन के आंकड़े दर्ज हैं। तलाशी के दौरान उपस्थित कुछ भागीदारों और लाभार्थियों के बयानों से इसकी पुष्टि हुई है। एक अन्य समूह के मामले में भी तलाशी ली गई जो एकोमोडेशन एंट्रीज प्रदान करने में शामिल है। यह समूह एलएलपी, कंपनियों और प्रोपराइटरशिप कंपनियों सहित विभिन्न कंपनियों का संचालन और नियंत्रण करता है तथा इनके माध्यम से वास्तविक व्यवसाय की आड़ में कटे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ-साथ शेयरों की भी बिक्री और खरीद की एकोमोडेशन एंट्री देता है। समूह के मुख्य अधिकारियों ने शपथ के तहत दिए अपने बयान में स्वीकार किया है कि वे विभिन्न लाभार्थियों के लिए धन के बदले खर्च और असुरक्षित ऋण के संबंध में एकोमोडेशन एंट्री की व्यवस्था करते हैं। इस समूह के कारोबार के कुछ वर्षों के प्रारंभिक विश्लेषण से पता चलता है कि इन संस्थाओं के माध्यम से फर्जी ऋण और सैकड़ों करोड़ से अधिक के खर्च की एकोमोडेशन एंट्रीज दिखाकर अनियमितता की गई।

शार्ट न्यूज

एशियाई शूटिंग महासंघ ने चैंपियनशिप 2024 की तिथियों की घोषणा की

हॉली (कुवैत)। एशियाई निशानेबाजी परिसंघ (एएससी) की कार्यकारी समिति ने मंगलवार को पेरिस ओलंपिक कोटा स्थानों के साथ एएससी चैंपियनशिप 2024 के लिए मेजबान संघों की घोषणा की। एशियाई राइफल और पिस्टल चैंपियनशिप 2024 की मेजबानी 11-24 फरवरी तक इंडोनेशिया निशानेबाजी संघ करेगा, जहां पेरिस ओलंपिक के लिए 16 एशियाई महाद्वीपीय कोटा स्थान दांव पर होंगे। दूसरी ओर, कुवैत निशानेबाजी महासंघ 12 से 23 जनवरी तक एशियाई शॉटगन चैंपियनशिप 2024 की मेजबानी करेगा जहां पेरिस 2024 के लिए आठ महाद्वीपीय कोटा स्थान हथियाने के लिए होंगे।

राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती, निशानेबाज़ी को बहाल करने की आईओए की अपील

बर्मिंघम। भारतीय ओलंपिक महासंघ (आईओए) के कार्यकारी अध्यक्ष अनिल खन्ना और कोषाध्यक्ष आनंदेश्वर पांडे ने मंगलवार को राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) के अध्यक्ष डेम लुइस मार्टिन से मुलाकात कर उनसे अनुरोध किया कि आगामी राष्ट्रमंडल आयोजनों में कुश्ती और निशानेबाज़ी को बहाल किया जाए। आईओए ने सीजीएफ की वार्षिक आम बैठक के बाद यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, खन्ना और पांडे ने आईओए का प्रतिनिधित्व करते हुए सीजीएफ अध्यक्ष से अनुरोध किया कि ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया में होने वाले 2026 राष्ट्रमंडल खेलों के अंतिम खेल कार्यक्रम में कुश्ती और निशानेबाज़ी को शामिल किया जाए। खन्ना और पांडे ने सीजीएफ अध्यक्ष से कहा कि आईओए विक्टोरिया 2026 राष्ट्रमंडल खेल की आयोजन समिति को एक व्याख्यान के ज़रिये यह दिखाने के लिये भी तैयार है कि कुश्ती और निशानेबाज़ी को शामिल करना इन खेलों के स्तर को बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि यह कदम इन दोनों खेलों के मूल्यों पर भी बल देगा।

रफ-टफ मैच में वाटिका ने सुदेवा से अंक बांटा

नयी दिल्ली। वाटिका फुटबाल क्लब और सुदेवा दिल्ली एफसी के बीच अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए मैच का स्कोर भले ही 1 -1 से बराबर रहा लेकिन स्कोर लाइन के मायने शानदार और संघर्षपूर्ण खेल कदापि नहीं है। प्रीमियर लीग में आज के मैच में यदि कुछ दर्शनीय था तो 45वें मिनट में राहुल रावत का हैडर से जमाया गया गोल। ऋषव गिरी के रक्षण भेदी कार्नर पर मैन ऑफ द मैच राहुल ने दर्शनीय हैडर से अपनी टीम को बढ़त दिलाई। लेकिन वाटिका के गोलकीपर जगदीश टोकस का ढीला प्रदर्शन एक बार फिर टीम की जीत में आड़े आया। निश्छल चंद के विवादास्पद हैडर पर सुदेवा को बराबरी का गोल मिल गया। गोली टोकस को समझने में चूक हुई और वाटिका को अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा। वाटिका के समर्थकों को यह समझ नहीं आया कि नाइजीरियन फारवर्ड फ्रांसिस के स्थान पर कुशान्त चौहान को किसलिए पहली एकादश में शामिल किया गया था। हालांकि शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच रफ टफ खेल खेला गया, नतीजन रेफरी सूरज भाकुनी को बार बार सीटी बजानी पड़ी। मैच के चलते और खत्म होने तक खिलाड़ी, कोच और टीम प्रबंधन टीम रेफरी को कोसते रहे।

भारतीय टीमें मजबूत हैं और शतरंज ओलंपियाड में उनके पदक जीतने की पूरी संभावना : मैग्नस कार्लसन

चेन्नई। पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन का मानना है कि 28 जुलाई से 10 अगस्त तक चेन्नई के मामल्लापुरम में होने वाले आगामी 44वें शतरंज ओलंपियाड में भारतीय टीमों के पदक जीतने की प्रबल संभावना है। कार्लसन इस वैश्विक इवेंट भारत की दो शीर्ष टीमों, विशेष रूप से यंग इंडिया टीम 2 को लेकर बहुत प्रभावित और मुखर हैं। विश्व चैम्पियन ने कहा, दोनों भारतीय टीमों के पास खिलाड़ियों की एक बहुत मजबूत और प्रभावशाली लाइनअप है और मुझे लगता है कि दोनों के पास पदकों की दौड़ में शामिल होने का शानदार मौका है। वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन टीम नॉर्वे के प्रतिनिधि के रूप में जल्द ही शहर में होंगे। टीम नार्वे ओलंपियाड में ओपन सेक्शन में 187 पंजीकृत टीमों में से तीसरे स्थान पर है। नॉर्वे भी दांव पर लगे तीन पदकों में से एक का प्रबल दावेदार है। चेन्नई वापसी को लेकर कार्लसन काफी उत्साहित नजर आए। यह वही शहर है, जिसमें उन्होंने 2013 में भारतीय ग्रैंडमास्टर विश्वनाथन आनंद को हराकर अपनी पहली विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीती थी।

रिकॉर्ड छह टीमों के साथ शतरंज ओलंपियाड में उतरेगा भारत

चेन्नई। चेन्नई के महाबलीपुरम में 29 जुलाई से शुरू हो रहे शतरंज ओलंपियाड में कुल 30 भारतीय खिलाड़ियों सहित रिकॉर्ड छह टीमों (तीन ओपन और तीन महिलाएं) हिस्सा लेंगी। तीन भारतीय ओपन टीमें क्रमश: दूसरी, 11वीं और 17वीं वरीयता प्राप्त हैं। दूसरी वरीयता प्राप्त इंडिया-1 ओपन टीम में विदित गुजराती, पी. हरिकृष्णा, अर्जुन एरिगैसी, एस.एल. नारायण और शशिकरन कृष्णन को चुना गया है।इंडिया-2 ओपन टीम के सदस्य निहाल सरीन, डी.गुकेश, बी. अधिबान, आर.प्रगनानंद और रौनक साधवानी हैं, जबकि इंडिया-3 ओपन टीम में सूर्य शेखर गांगुली, एसपी सेथुरमन, अभिजीत गुप्ता, कार्तिकेयन मुरली और अभिमन्यु पुराणिक को शामिल किया गया है। संयोग से ओपन टीम के सभी 15 खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर हैं। महिला वर्ग में भारत-1 की टीम टॉप सीड है जबकि भारत-2 और भारत-3 की टीम क्रमश: 11वीं और 16वीं वरीयता प्राप्त है।भारत-1 महिला टीम में कोनेरू हम्पी, डी. हरिका, आर. वैशाली, तानिया सचदेव और भक्ति कुलकर्णी शामिल हैं। भारत-2 महिला टीम में वंतिका अग्रवाल, सौम्या स्वामीनाथन, मैरी एन गोम्स, पद्मिनी राउत और दिव्या देशमुख हैं। भारत-3 की महिला टीम के लिये ईशा करावड़े, साहिती वार्शिनी, प्रत्युषा बोड्डा, नंदीधा पीवी और विश्व वासनावाला को चुना गया है।

टीम जेके टायर रैली ऑफ कोयम्बटूर 2022 के लिए तैयार

कोयम्बटूर। एफएमएससीआई इंडियन नेशनल रैली चैम्पियनशिप 2022- 'रैली ऑफ कोयम्बटूर' में सिर्फ दो दिन बाकी है, एसे में जेके टायर भारत के बेहतरीन रैली ड्राइवरों के साथ रोमांचक प्रदर्शन के लिए तैयार है। टीम का नेतृत्व अर्जुन पुरस्कार विजेता, सात बार आईएनआरसी (इंडियन नेशनल रैली चैम्पियनशिप) के चैम्पियन और तीन बार एपीआरसी (एशिया-पेसिफिक रैली चैम्पियनशिप) के चैम्पियन गौरव गिल (सह-ड्राइवर) करेंगे जो अपनी महिन्द्रा एक्सयूवी300 के साथ रैली के लिए तैयार हैं। टीम अपनी रणनीति का मूल्यांकन कर रही है, इस बीच मैंगलोर से स्टार रैलीस्ट डीन मैसकारेन्हस (को-ड्राइवर गगन करुमबैआह) को आईएनआरसी 2 में बेहतरीन परफोर्मेनस के बाद आईएनआरसी 2 कैटेगरी में अपग्रेड कर दिया गया है, जो नई रैली स्पेक बलेनो आर2 पर परफोर्मेन्स देंगे, जिसे खासतौर पर जेके मोटरस्पोर्ट द्वारा तैयार किया गया है। आईएनआरसी 2 कैटेगरी में मजबूत पकड़ को सुनिश्चित करते हुए आईएनआरसी 2 चैम्पियन पलक्कड़ से फाबिद अहमर (को-ड्राइवर सनथ जी), कूर्ग से सुहेम कबीर (को-ड्राइवर जीवराथिनम) और दिल्ली से 23 वर्षीय हरकिशन वादिया (को-ड्राइवर अम्बेसर उदासी) बैटन को आगे लेकर जाएंगे। आईएनआरसी 3 कैटेगरी में मैसूर से सईद सलमान (को-ड्राइवर ऋषीा बीके), नालागढ़ (हिमाचल प्रदेश) से कुबेर शर्मा (को-ड्राइवर कुनाल कश्यप), दिल्ली से मनिंदर सिंह (को-ड्राइवर एल्ड्डो चाको) और दावनगेरे से शिवानी पृथ्वी (को- ड्राइवर दीप्ति पृथ्वी) हिस्सा लेंगे। नए ड्राइवरों की बात करें तो 19 वर्षीय जहान ने सभी मानकों पर खरा उतरते हुए जेके टायर टीम में जगह बनाई है। आईएनआरसी 3 में उन्हें ग्रिड के सबसे होनहार और निडर ड्राइवरों में से एक माना गया है।

मिताली : मैं महिला आईपीएल का हिस्सा बनना चाहूंगी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने इशारा किया है कि इस जून क्रिकेट से संन्यास लेने के बावजूद वह अगले साल महिला आईपीएल के संभावित आयोजन में खेलना चाहेंगी।

मिताली ने आईसीसी के नए %हंड्रेड परसेंट क्रिकेट पॉडकास्ट% पर पूर्व इंग्लैंड गेंदबाज़ इशा गुहा और न्यूज़ीलैंड हरफ़नमौला फ़्रैंकी मकाय से बातचीत करते हुए कहा, मैंने यह विकल्प अपने लिए खुला रखा है। आईपीएल होने में अभी भी काफ़ी महीने बचे हैं। हालांकि इतना ज़रूर है कि मैं महिला आईपीएल के पहले संस्करण का हिस्सा बनना चाहूंगी।

मिताली ने 1999 और 2022 के बीच अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10,000 से अधिक रन बनाए और वनडे क्रिकेट में उनके 7805 रन किसी भी महिला के लिए रिकॉर्ड है। हालांकि उन्होंने टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत के लिए 2019 के बाद भाग नहीं लिया था। और तो और महिला टी20 चैलेंज प्रतियोगिता में भी वह इस साल नहीं खेलीं थी। उन्होंने 2020 में वेलॉसिटी टीम की कप्तानी की थी।

पॉडकास्ट के दौरान 1999 में मिल्टन कींस में आयरलैंड के ख़िलाफ़ अपने डेब्यू मैच के बारे में उन्होंने कहा, मैं एक ऐसे शहर [हैदराबाद] से हूं जहां [मोहम्मद] अज़हरुद्दीन ने पहले तीन टेस्ट में तीन शतक लगाए थे। जब मैं 16 साल की उम्र में भारत की टीम में चुनी गई तो मुझसे भी कुछ ऐसी उम्मीदें थीं।

मिताली और उनके साथ डेब्यू कर रहीं रेशमा गांधी दोनों ने शतक जड़े और साथ में पहले विकेट के लिए नाबाद 258 रन जोड़े और इस पर मिताली ने कहा, सच पूछिए तो मुझे मैच के बारे में बहुत कुछ याद नहीं लेकिन 100 रन बनाकर मैं काफ़ी निश्चिंत थी।

2002 में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टॉन्टन में दूसरे टेस्ट में मिताली ने अपने तीसरे ही टेस्ट में रिकॉर्ड 214 रनों की पारी खेली थी। संयोग से यह मैच इशा का डेब्यू था।

इस मुक़ाबले के बारे में मिताली बोलीं, मैं उस मैच में उपकप्तान थी और हम टीम संयोजन को लेकर काफ़ी सोच में थे। आखिरकार हमने केवल चार विशेषज्ञ बल्लेबाज़ चुने और बाक़ी ऐसे खिलाड़ी रखे जो मुख्यतया गेंदबाज़ थे लेकिन कारगर बल्लेबाज़ी भी कर सकते थे। जब मैं बल्लेबाज़ी करने गई तो कप्तान अंजुम चोपड़ा दूसरे छोर पर थी।

दरअसल हमारा वनडे सीरीज़ बहुत ख़राब गया था और मैंने सिंगल डिजिट स्कोर बनाए थे। मैं अपनी दोस्त नूशीन (अल ख़दीर) से कहती थी कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। फिर टेस्ट से पहले हम टीवी पर पुरुष क्रिकेट का कोई टेस्ट देख रहे थे और एक बल्लेबाज़ ने 200 बनाए और उनके चेहरे पर अलग तरह का हर्ष दिखा। मैंने जब नूशीन से पूछा कि मैं ऐसा कैसे कर सकती हूं तो उन्होंने सलाह दी कि मैं बेसिक्स पर ध्यान दूं और अच्छी गेंदों को छोडूं तो मैं भी दोहरा शतक बना सकती हूं।

मिताली ने बताया कि कोविड के दौरान उन्होंने टॉन्टन में उपयोग किए गए 1.4 से 1.5 किलो भारी बल्ले से अभ्यास करना चाहा तो वह ख़ुद चौंक गईं। उन्होंने कहा कि संन्यास लेने से पूर्व उन्होंने 1.1 किलो के बल्ले का उपयोग किया था और इस परिवर्तन को उन्होंने महिला क्रिकेट में बदलते युग का प्रतीक बताया।

उन्होंने कहा, क्रिकेट पहले एक धीमा गेम था और आपको बल्ले के स्विंग का अधिक प्रयोग करना पड़ता था। आप अधिकतर फ़्रंटफ़ुट पर ही खेलते थे। अब टी20 के आने के बाद फ़िटनेस का रोल भी बड़ा हो गया है। कुछ तेज़ गेंदबाज़ आसानी से 130 किमी प्रति घंटा तक की गेंद डालते हैं और ऐसे में आप देर से नहीं खेल सकते।

आजकल इतने खिलाड़ी ज़बरदस्त पुल और कट मारते हैं और बड़े छक्के भी लगाते हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में ऑस्ट्रेलिया गोल्ड मेडल की प्रबल दावेदार

बतमिन्घम। सितंबर 2015 में दक्षिण अफ़्रीका के शहर डरबन को राष्ट्रमंडल खेल 2022 के मेज़बानी के अधिकार मिले थे लेकिन मार्च 2017 में राष्ट्रमंडल खेल फ़ेडरेशन ने उनसे यह राइट्स छीन लिए थे क्योंकि वे बोली के मुताबिक पैसे नहीं जमा कर पाए थे। दिसंबर 2017 में डरबन की जगह बर्मिंघम को मेज़बानी सौंपी गई। यहां 27 जुलाई को ये खेल शुरू और 8 अगस्त को समाप्त होंगे।

1998 में पहली बार पुरुष क्रिकेट को इन खेलों में शामिल किया गया था। तब 50 ओवर के मैच हुए थे और कुल 16 टीमों ने भाग लिया था। साउथ अफ़्रीका ने यहां स्वर्ण, ऑस्ट्रेलिया ने रजत और न्यूजीलैंड ने कांस्य पदक जीता था।

महिला क्रिकेट पहली बार इन खेलों में शामिल किया गया है। अब लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में भी इसको शामिल किए जाने की मांग होने लगी है।

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में होगा जहां दो ग्रुप में आठ टीमें भाग ले रही हैं। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान और बारबाडोस हैं तो ग्रुप बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका हैं। ऑस्ट्रेलिया को इस टूर्नामेंट में पसंदीदा के तौर पर देखा जा सकता है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने इस प्रारूप में अपना दबदबा बनाया है और पिछला टी20 विश्व कप भी इसी टीम ने जीता था। वहीं इस साल उन्होंने अप्रैल में वनडे विश्व कप भी जीता। ऐसे में वह सीधे तौर पर पसंदीदा हैं।

हर टीम अपने ग्रुप में प्रत्येक टीम से खेलेगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीम सेमीफ़ाइनल खेलेंगी। ग्रुप ए की शीर्ष टीम ग्रुप बी की दूसरी टीम से सेमीफ़ाइनल मैच खेलेगी, जबकि ग्रुप ए की दूसरी टीम ग्रुप बी की शीर्ष टीम से मैच खेलेगी। दोनों ही मैचों के रनरअप कांस्य पदक के लिए मैच खेलेंगे।

पावरगेम और स्मार्टनेस का बेहतरीन समागम हैं अक्षर पटेल

एजेंसी

पोर्ट ऑफ स्पेन। मौजूदा वनडे सीरीज़ में अक्षर पटेल को प्लेइंग इलेवन में लगातार जगह दी जा रही है। ऐसे कई कारण थे जिसके कारण अक्षर को इस बार टीम में मौक़ा नहीं मिलता। पांच सालों में ऐसा पहली बार हुआ है, जब हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा टीम में शामिल होने के लिए पूरी तरह से फ़िट हो, इसके बावजूद अक्षर पटेल को भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

अगर हार्दिक और जडेजा इस बार एक साथ टीम में मौजूद होते तो दोनों भारतीय टीम के मध्य क्रम में शामिल होते, ऐसे में अक्षर के लिए टीम में जगह बनाना काफ़ी मुश्किल हो जाता।

हालांकि भारत फ़िलहाल जिस रणनीति के साथ खेल रहा है, उसमें 40-45 खिलाड़ियों को मौक़ा दिया जा रहा है। इस रणनीति के साथ भारतीय टीम चाहती है कि टीम के हर खिलाड़ी का बैक अप तैयार रहे। इसी तरह से जडेजा के बैक अप के रूप में अक्षर को तैयार किया जा रहा है।

लगातार दिए जा रहे मौक़े को दोनों हाथों से स्वीकारते हुए अक्षर ने दूसरे वनडे मैच में एक अदभुत पारी खेली, जिसमें उन्होंने ताकतवर शॉट, शांत स्वभाव, स्मार्टनेस और चालाकी का बेहतरीन प्रदर्शन किया। जब अक्षर बल्लेबाज़ी करने आए तो भारत को 11 ओवर में 105 रनों की आवश्यकता थी। इसके जवाब में उन्होंने 34 गेंदों में 65 रनों की पारी खेली और मैच का अंत एमएस धोनी की शैली में सिक्सर लगाते हुए किया।

ऐसा नहीं है कि अक्षर ने ऐसा पहली बार किया है। इसी साल आईपीएल में उन्होंने मुंबई इंडियंस के ख़िलाफ़ इसी तरह की पारी खेली थी। उस मैच में दिल्ली को 40 गेंदों में 74 रनों की आवश्यकता थी और छह विकेट गिर चुके थे।

अक्षर ने इस मैच में डैनियल सैम्स और जसप्रीत बुमराह जैसे गेंदबाज़ों के सामने इस मुश्किल स्कोर को मुमकिन कर दिया।

इन दोनों पारियों में अक्षर ने बताया कि वह कभी भी अपने शॉट्स के बारे में पहले से ही सोच कर नहीं रखते हैं, बल्कि वह गेंद की मेरिट के हिसाब से उसके ख़िलाफ़ शॉट लगाते हैं। वह एक सोची-समझी रणनीति के साथ बल्लेबाज़ी करते हैं। उनकी तकनीक बेहतर होती है और स्मार्टनेस के साथ अपने खेल को वह आगे बढ़ाते हैं।

हालिया समय में इन दोनों प्रदर्शनों के अलावा अक्षर ने दो साल पहले भी अपनी बल्लेबाज़ी क्षमता का प्रदर्शन किया था। उस वक़्त चेन्नई के ख़िलाफ़ शारजाह में अक्षर ने जडेजा को अंतिम ओवर में तीन सिक्सर लगा कर मैच को दिल्ली के पाले में ला दिया था। दिसंबर में भी न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ खेले गए टेस्ट मैच में अक्षर ने पहली पारी में 128 गेंदों का सामना करते हुए 52 रन बनाए थे। उस मैच में उन्होंने एजाज़ पटेल के ख़िलाफ़ काफ़ी रन बटोरे थे।

दूसरे वनडे में उन्होंने जिस तरीक़े की पारी खेली। उसी देखते हुए यह विश्वास कर पाना काफ़ी मुश्किल था कि 22 वनडे पारियों में यह उनका पहला पचासा था। डीप मिडविकेट और लांग ऑन के बीच से उन्होंने कई शानदार शॉट लगाए। उनके हर एक हिट में उनकी मंशा बिल्कुल साफ़ झलक रही थी।

भारत ने दी चीन-पाक को चेतावनी, सीपीईसी में तीसरे पक्ष को न्योता मंजूर नहीं

नई दिल्ली। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे में अन्य देशों को शामिल करने की कवायद पर भारत ने कड़ा ऐतराज दर्ज कराया है। भारत की तरफ से चेतावनी भरे लहजे में गया है कि यह परियोजना अवैध रूप से कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र से होकर गुजरती है और इस तरह का कदम अवैध और अस्वीकार्य होगा। भारत का बयान ऐसे समय में आया है जब विवादित चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे में तीसरे देशों की भागीदारी प्रस्तावित की जा रही है।

भारत ने जताया कड़ा विरोध, कहा- अवैध गतिविधि

दरअसल, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि हमने तथाकथित सीपीईसी परियोजनाओं में तीसरे देशों की प्रस्तावित भागीदारी को प्रोत्साहित करने पर रिपोर्टें देखी हैं। किसी भी पक्ष द्वारा इस तरह की कोई भी कार्रवाई सीधे तौर पर भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन माना जाएगा। उसे अवैध मानकर ही भारत व्यवहार करेगा। इस तरह की गतिविधियां स्वाभाविक रूप से अवैध, नाजायज और अस्वीकार्य हैं।

पाकिस्तान और चीन ने वर्चुअल मीटिंग के दौरान की चर्चा

विदेश मंत्रालय का यह बयान ऐसे समय में आया है जब यह खबर सामने आई कि पाकिस्तान और चीन ने अरबों डॉलर की सीपीईसी परियोजना में तीसरे देशों को शामिल होने का न्योता दिया है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय पर सीपीईसी के संयुक्त कार्य समूह की तीसरी बैठक में पिछले सप्ताह उठाया गया। सीपीईसी पर पाकिस्तान व चीन की यह साझा बैठक पिछले सप्ताह वर्चुअल तरीके से हुई थी।

पाक के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है CPEC

सीपीईसी 2015 में पाकिस्तान में सड़कों, ऊर्जा परियोजनाओं और औद्योगिक क्षेत्रों का निर्माण करके पाकिस्तान और चीन के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने के इरादे से शुरू की गई है। इस परियोजना का एक प्रमुख हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरता है। अब इस परियोजना को अफगानिस्तान तक बढ़ाने की संभावना पर विचार हो रहा है। पाकिस्तान और चीन ने इस संबंध में रणनीति बनाई है।

असल में पाकिस्तान के विदेश सचिव सोहेल महमूद ने अफगानिस्तान में चीन के विशेष दूत यू शियाओओंग से इस संबंध में मुलाकात की थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा था कि दोनों पक्षों ने अफगानिस्तान में राजनीतिक और सुरक्षा की स्थिति, पाकिस्तान और चीन द्वारा अफगानिस्तान को मानवीय मदद और आपसी हित के अन्य मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

सऊदी अरब ने प्रोजेक्ट के लिए मना कर दिया

बयान में कहा गया था कि क्षेत्रीय संपर्क के संदर्भ में, दोनों पक्षों ने आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अफगानिस्तान में सीपीईसी के विस्तार पर विचारों का आदान-प्रदान किया। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान ने सीपीईसी के लिए सऊदी अरब जैसे अन्य देशों से निवेश की मांग की है, लेकिन इन प्रयासों में उसे ज्यादा सफलता नहीं मिली है।

पाक में बाढ़, बारिश से 312 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जून से अब तक मानसूनी बारिश और बाढ़ की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या 312 हो गई है। जियो टीवी ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि जून से लेकर अभी तक बारिश और बाढ़ से 312 लोगों की मौत हो गयी हैं, जिनमें सोमवार को करंट लगने से मरने वाले दो लोग भी शामिल हैं। कराची में भारी बारिश के बाद बाढ़ आने से सड़क पर बिजली के तार गिर गए, जिससे पानी में करंट फैल गया था। देश में पांच सप्ताह से लगातार हो रही बारिश से 5600 घरों, पुलों, राजमार्गों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। मरने वालों में ज्यादातर संख्या और नुकसान की घटनायें बलूचिस्तान, पंजाब और सिंध प्रांत की हैं।

फ्रांस में मंकीपॉक्स का विस्फोट, 1700 केस मिले; मंत्री बोले- गे हो रहे ज्यादा शिकार

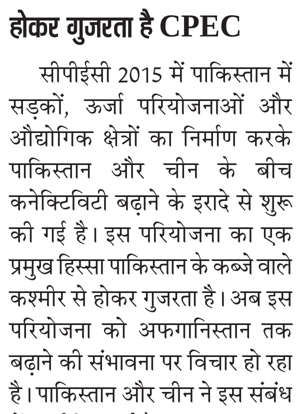

पेरिस। भारत में मंकीपॉक्स के 4 केस मिले हैं और इसके चलते सरकार सतर्क हो गई है। देश भर में अब तक 15 लैब बनाई जा चुकी हैं और एयरपोर्ट्स पर जांच शुरू कर दी है। इस बीच यूरोपीय देश फ्रांस में मंकीपॉक्स का बड़ा कहर देखने को मिल रहा है। यहां अब तक कुल 1,700 केस मिल चुके हैं। फ्रांस के हेल्थ मिनिस्टर फ्रांसिस ब्राउन ने इस बात की पुष्टि की है। ब्राउन ने कहा कि देश में मंकीपॉक्स के लिए 100 वैक्सीनेशन सेंटर खोले गए हैं। इनके जरिए अब तक 6,000 लोगों को मंकीपॉक्स के खतरे से बचने के लिए टीका लगाया जा चुका है। उन्होंने अपील की है कि यदि किसी को मंकीपॉक्स के लक्षण महसूस होते हैं तो उसे खुद को जल्दी से जल्दी सेल्फ आइसोलेट कर लेना चाहिए। उन्होंने यह तो माना कि देश में मंकीपॉक्स बढ़े हैं, लेकिन यह भी कहा कि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि आम लोगों को इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है और सरकार इस बात पर फोकस कर रही है कि कैसे वैक्सीनेशन में इजाफा किया जाए। बीएफएम टीवी से इंटरव्यू में उन्होंने कहा, अब तक मिले मरीजों में से ज्यादातर लोग वे हैं, जो गे हैं और किसी अन्य मर्द से संबंध बनाए हों। लेकिन अन्य लोग भी मंकीपॉक्स के शिकार हो सकते हैं, जो इन लोगों के संपर्क में आए हों। उन्होंने कहा कि इसीलिए मंकीपॉक्स से पीड़ित लोगों को खुद को अलग कर लेना चाहिए।

फ्रांस में मंकीपॉक्स के मरीजों की ज्यादा संख्या पेरिस और उसके आसपास के इलाकों में ही है। उन्होंने कहा कि पेरिस में जल्दी ही वैक्सीनेशन सेंटर्स की संख्या में भी इजाफा किया जाएगा। बता दें कि शनिवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स को हेल्थ इमरजेंसी बताते हुए कहा था कि यह तेजी से बढ़ रहा है। अब तक दुनिया के 75 देशों में मंकीपॉक्स के कुल 16 हजार केस सामने आए हैं। यही नहीं अफ्रीका में तो इस वायरस से पीड़ित 5 लोगों की मौत भी हो गई है।

रूस ने अफगान सामानों पर आयात शुल्क किया रद्द

ताशकंद। अफगानिस्तान के लिए रूस के विशेष दूत ज़मीर काबुलोव ने मंगलवार को कहा कि रूस ने अफगान आयात के लिए शुल्क रद्द कर दिया है तथा अनाज और तेल उत्पादों की आपूर्ति के लिए तैयार है। अफगानिस्तान पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सोमवार और मंगलवार को उज्बेकिस्तान की राजधानी यहां हुआ। श्री काबुलोव ने सम्मेलन में कहा, रूसी सरकार ने पहल की और अफगान आयात के लिए सीमा शुल्क रद्द कर दिया। इसके अतिरिक्त हमें अफगानिस्तान के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा माल की एक सूची पहले ही प्राप्त हो गई है, जिसमें अफगानिस्तान मुख्य रूप से रुचि रखता है। उन्होंने कहा, रूस समझता है कि अफगानिस्तान को पूरी तरह से समर्थन देने के लिए साधारण मानवीय सहायता 'पर्याप्त नहीं' थी और इसलिए, आर्थिक संबंधों और व्यापार को विकसित करने के लिए तैयार है। श्री काबुलोव ने कहा, (रूस) अफगान सरकार के अनुरोध पर बातचीत करने और उसे स्वीकार करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यह अनाज और विभिन्न तेल उत्पादों दोनों के बारे में है। हम अपने क्षेत्रीय भागीदारों के साथ इस पर काम करना जारी रखेंगे। गौरतलब है कि तालिबान के नेतृत्व वाली अंतरिम अफगान सरकार पिछले साल सत्ता में आई थी। यह रूस सहित अधिकांश अन्य देशों द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है।

बेलारूस शंघाई सहयोग संगठन में शामिल होने का इच्छुक, चीन ने जताया समर्थन

बीजिंग। चीन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का सदस्य बनने के लिए बेलारूस के अनुरोध का समर्थन किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने मंगलवार को ब्रीफिंग में कहा, चीन एससीओ में शामिल होने के लिए बेलारूस के अनुरोध का समर्थन करता है और सक्रिय रूप से इसकी समीक्षा करने तथा अन्य सदस्य देशों के साथ इस संबंध में निर्णय लेने के लिए तैयार है। बेलारूस ने इस महीने की शुरूआत में एससीओ में शामिल होने के लिए अपना आवेदन जमा किया था। एससीओ महासचिव झांग मिंग ने इसकी पुष्टि की है और कहा है कि संगठन सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं को शुरू करने के लिए तैयार है। एससीओ 2001 में चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, रूस और उज्बेकिस्तान द्वारा स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। एससीओ के पर्यवेक्षक देशों में अफगानिस्तान, बेलारूस, ईरान और मंगोलिया शामिल हैं, जबकि आर्मेनिया, अजरबैजान, कंबोडिया, नेपाल, श्रीलंका और तुर्की भागीदार देश हैं।

पाकिस्तान: पीआईए के दो विमान आसमान में टकराने से बचे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के दो विमानों के एक ही हवाई मार्ग पर उड़ान भरते हुए ईरानी हवाई क्षेत्र में आसमान में टकराने से बाल बाल बच गये। जियो न्यूज ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रिपोर्टों के अनुसार दोनों विमान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सीमा के पास एक ही ऊंचाई पर थे और करीब करीब आमने सामने आ गए थे जो कि बहुत बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। इस मामले में ईरानी हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) की कथित लापरवाही सामने आयी है उसने कथित तौर पर एक ही समय में दोनो विमानों को एक ही ऊंचाई पर एक साथ उड़ान भरने की अनुमति दी थी। समाचार पत्र ने सूत्रों का हवाला देते हुये बताया कि पीआईए का बोइंग 777 इस्लामाबाद से दुबई जा रहा था, जबकि दूसरा विमान एयरबस ए-320, दोहा से पेशावर के लिए उड़ान भर रहा था और इसके क्रू सदस्य कैप्टन अतहर हारून और कैप्टन समीउल्लाह थे। जब दोनों विमान करीब करीब आमने सामने आ गये तभी एक विमान को तेजी के साथ नीचे उतरने का निर्देश दिया गया जबकि दूसरे विमान को उसी ऊंचाई पर उडान भरने का निर्देश दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक सभी विमानों में एक तंत्र होता है, जिसे ट्रैफिक कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम (टीसीएएस) कहा जाता है, जो आसपास मौजूद अन्य विमानों के टीसीएएस के साथ संचार के माध्यम से विमान को स्वचालित रूप से निर्देशित करता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं–

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म–प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12द्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20–50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू–डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ–साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कई संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा–चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

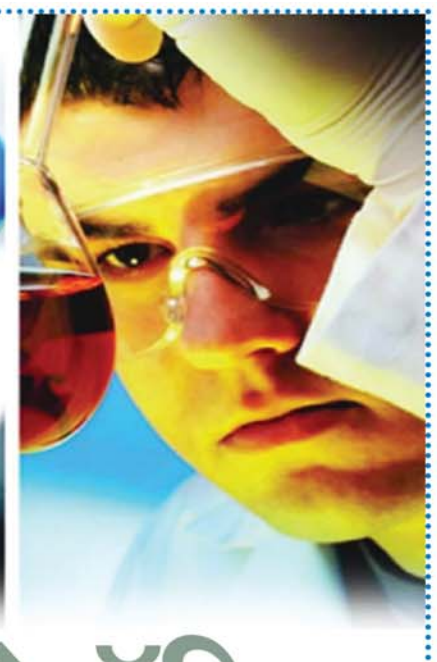

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग–अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ–साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ–साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी–बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ–साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वेयर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर